RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 36
नई दिल्ली, रविवार, 8 दिसंबर, 2019
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

नाम भी कमाइए दौलत भी टिक टॉक
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

पीड़िता की मौत पर छिड़ा सियासी संग्राम

●सफदरजंग अस्पताल में शुक्रवार की रात पीड़िता की हो गई थी मौत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उन्नाव में हैवानियत की शिकार पीड़िता की दिल्ली के सफदरगंज अस्पताल में इलाज के दौरान मौत होने के बाद 24 घंटे के अंदर ही उत्तर प्रदेश में जबरदस्त सियासी उबाल आ गया। उधर पीड़िता के शव को दिल्ली से उन्नाव उसके गांव ले जाया गया। अपने दो दिवसीय लखनऊ दौरे पर आयीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा जहां अपने कार्यक्रम में फेरबदल कर सीधे उन्नाव पहुंच गयीं और पीड़िता के परिजनों से मिलकर उन्हें आश्वासन दिया कि कांग्रेस उनकी लड़ाई मजबूती से लड़ेगी।

वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लखनऊ में विधानभवन के सामने प्रदर्शन किया। जबकि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव विधानभवन के सामने धरने पर बैठ गए। उन्होंने उन्नाव कांड के लिए सीधे तौर पर प्रदेश सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए डीजीपी और प्रमुख सचिव से इस्तीफा मांगा। बसपा अध्यक्ष मायावती ने भी बिना समय गंवाए तेजी दिखायी और उन्नाव कांड के विरोध में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपा। उन्होंने यूपी की कानून व्यवस्था पर निशाना साधते हुए कहा कि यहां जंगलराज चल रहा है।

उन्नाव रेप मामला

उन्नाव में शनिवार रात दिल्ली से बलात्कार पीड़िता का शव उसके घर लाया गया

योगी ने किया मुआवजे का ऐलान फास्ट ट्रैक में चलेगा मुकदमा

●मंत्रियों ने सौंपा 25 लाख रुपए का चेक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्नाव की घटना में पीड़िता की मौत को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुये कहा कि मुकदमे को फास्ट ट्रैक कोर्ट में ले जाकर पकड़े जा चुके अपराधियों को सख्त सजा दिलायेंगे। सीएम ने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है और कहा है कि संकट की इस घड़ी में सरकार उनके साथ है। इसके साथ ही पीड़ित परिवार को प्रदेश सरकार ने 25 लाख की आर्थिक सहायता दी और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक मकान प्रदान किए जाने की भी घोषणा की। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सरकार के श्रम मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या (शेष पेज 7)

बलात्कार पीड़िता युवती का शव उसके गांव लाया गया

उन्नाव (भाषा)। बुरी तरह से झुलसी हुई स्थिति में दिल्ली के एक अस्पताल से उन्नाव बलात्कार पीड़िता का शव शनिवार रात यहां उसके गांव लाया गया। पीड़िता की दिल्ली के एक अस्पताल में शुक्रवार रात मौत हो गई थी। बृहस्पतिवार रात पीड़िता को बेहतर इलाज के लिए विमान से दिल्ली ले जाया गया था। मृतका के परिवार को जब उसका शव सौंपा गया, तो मौके पर सपा के एमएलसी सुनील साजन, पूर्व विधायक उदय राज यादव और पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मेंद यादव सहित अन्य नेता मौजूद थे।

विधानभवन पर अखिलेश का धरना, योगी से मांगा इस्तीफा

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव शनिवार की सुबह करीब 11 बजे विधानभवन के समक्ष धरने पर बैठ गए। जिसके बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन-फानन कई थानों का पुलिस बल बुला लिया गया। सपा मुखिया ने उन्नाव कांड के लिए सीधे-सीधे प्रदेश सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए मुख्यमंत्री, डीजीपी व प्रमुख सचिव गृह का इस्तीफा मांगा। अखिलेश के साथ धरने पर सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल एवं पूर्व मंत्री राजेन्द्र चौधरी मौजूद थे। धरने के दौरान अखिलेश ने उन्नाव कांड के लिए राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार को जिम्मेदार ठहराया और ऐलान किया कि इस घटना के खिलाफ रविवार को समाजवादी पार्टी प्रदेश के हर जिला मुख्यालय पर शोक सभा का आयोजन करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि सरकार जुल्म का शिकार महिलाओं और लड़कियों की मदद नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी सरकार जो दुख और परेशानी दे रही है, उसे हटना (शेष पेज 7)

उन्नाव पहुंचीं प्रियंका ने कहा, घटना की नैतिक जिम्मेदारी ले सरकार

लखनऊ। शनिवार दोपहर अपने सारे कार्यक्रम निरस्त कर लखनऊ से पीड़िता के गांव पहुंची कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने उसके परिजनों से मुलाकात की।

प्रियंका ने बंद कमरे में पीड़िता के पिता, बहनों और परिवार के अन्य सदस्यों से बात की। इस दौरान उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, प्रमोद तिवारी और अन्नू टंडन आदि नेता भी थे। पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद प्रियंका ने कहा कि पूरी तरह से परिवार को प्रताड़ित किया गया है।

प्रियंका ने कहा कि इस मामले को राजनीतिक न बनाते हुए हम प्रशासन, शासन से कहना चाहते हैं कि देखें इस तरह की घटनाएं रोज-रोज क्यों हो रही हैं। आरोपी पीड़ित परिवार को घर में घुसकर मारते पीटते हैं, बच्चों को स्कूल जाने से धमकाते हैं। ऐसा क्यों होता है। उन्नाव की पिछली घटनाओं को ध्यान रखते हुए सरकार द्वारा तत्काल पीड़िता को सुरक्षा क्यों नहीं दी गई। जिस अधिकारी ने उसकी एफआईआर दर्ज करने से मना किया, उस पर क्या कार्रवाई हुई।

राज्यपाल को ज्ञापन देकर मायावती ने कहा यूपी में जंगलराज

लखनऊ। उन्नाव घटना के विरोध में बसपा अध्यक्ष मायावती ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मिलकर उन्हें ज्ञापन दिया। मायावती ने कहा कि यूपी की कानून-व्यवस्था खराब है। जंगलराज चल रहा है। उन्होंने राज्यपाल से कहा कि आप एक महिला भी हैं और गवर्नर भी हैं। आप संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करें और यूपी सरकार पर सख्ती दिखाएं। मुख्यमंत्री और डीजीपी को बुलाकर जानें की महिलाओं के खिलाफ लगातार अपराध क्यों हो रहे हैं। उन्होंने कहा है कि बलात्कार के आरोपियों को सजा दिलाने के लिए सख्त कानून बनाया जाए। यह कानून ऐसा होना चाहिए जिससे खौफ पैदा हो। राज्यपाल को दिए ज्ञापन में मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस के दावे और आंकड़े अपनी जगह हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि प्रदेश में महिलाओं के प्रति घटनाओं से पूरा समाज उद्वेलित है। स्थिति काफी विषम है तथा यूपी इन गलत (शेष पेज 7)

मूल चरित्र खो देता है प्रतिशोध में किया गया न्यायः सीजेआई

●कहा- न सिर्फ मुकदमें में तेजी लाने के लिए तरीके तलाशने होंगे, बल्कि इन्हें रोकना भी होगा

पायनियर समाचार सेवा। जोधपुर

प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे ने शनिवार को जोधपुर में एक कार्यक्रम में कहा कि न्याय कभी बदला लेने में तब्दील नहीं होना चाहिए। अगर यह बदले में तब्दील हो जाए, तो न्याय अपना चरित्र खो देता है।

सीजेआई ने यह बात हैदराबाद में वेटरनरी डॉक्टर से सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या के चारों आरोपियों के पुलिस मुठभेड़ के संदर्भ में कही। वे जोधपुर में राजस्थान हाईकोर्ट के नए भवन के लोकार्पण समारोह में बोल रहे थे। साथ ही, सीजेआई ने स्वीकार किया कि देश में हुई हालिया घटनाओं ने नई ताकत के साथ एक पुरानी बहस फिर से छेड़ दी है, जहां इसमें कोई संदेह नहीं है कि फौजदारी न्याय प्रणाली को आपराधिक मामलों के निपटारे में लगने वाले समय के प्रति अपनी स्थिति एवं रवैए पर अवश्य ही पुनर्विचार करना चाहिए।

यहां राजस्थान उच्च न्यायालय के नए भवन के उद्घाटन के दौरान न्यायमूर्ति बोबडे ने कहा, न्याय कभी तुरंत नहीं होना चाहिए। न्याय को कभी प्रतिशोध का (शेष पेज 7)

न्याय प्रक्रिया आम लोगों की पहुंच से बाहर

खर्च बढ़ने से ऊंची अदालतों तक जाना हुआ नामुमकिन

पायनियर समाचार सेवा। जोधपुर

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने न्याय की महत्ता को रेखांकित करते हुए शनिवार को कहा कि सभी के लिए न्याय सुलभ होना चाहिए। उन्होंने कहा, मेरी सबसे बड़ी चिंता यह है कि क्या हम, सभी के लिए न्याय सुलभ करा पा रहे हैं? इसके साथ ही न्याय प्रक्रिया के खर्चीला होते जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, मैं भलीभांति यह समझता हूं कि अनेक कारणों से न्याय-प्रक्रिया खर्चीली हुई है, यहां तक कि जन-सामान्य की पहुंच के बाहर हो गई है। विशेषकर उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में पहुंचना आम परिवादी के लिए नामुकिन हो गया है। राजस्थान उच्च न्यायालय के नए भवन के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोविंद ने कहा, पुराने समय में, राजमहलों में न्याय की गुहार लगाने के लिए लटकाई गई घंटियों का उल्लेख होता रहा है। कोई भी व्यक्ति घंटी बजाकर राजा से न्याय पाने के लिए प्रार्थना कर सकता था। क्या आज कोई गरीब या वंचित वर्ग का व्यक्ति अपनी शिकायत लेकर यहां आ सकता है? उन्होंने कहा, यह सवाल सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि संविधान की प्रस्तावना में ही हम सबने, सभी के लिए न्याय सुलभ कराने का दायित्व स्वीकार किया है। उन्होंने कहा, मेरी सबसे बड़ी चिंता यह है कि क्या हम, सभी के लिए न्याय सुलभ करा पा रहे हैं? राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान दिवस के दिन कही गई अपनी बातों को दोहराना चाहते हैं। उन्होंने कहा, संविधान दिवस के दिन मैंने जो बातें उच्चतम न्यायालय में साझा की थीं उनमें से कुछ प्रमुख बातों को मैं यहां दोहराना चाहता हूँ।

उन्होंने कहा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भी न्याय की प्रक्रिया में होने वाले खर्च के बारे में बहुत चिंतित रहते थे। उनके लिए हमेशा दरिद्रनारायण का कल्याण ही सर्वोपरि था। उनका अनुसरण (शेष पेज 7)

कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन, पुलिस ने जमकर भांजी लाठियां

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उन्नाव कांड के विरोध में कांग्रेस ने विधानभवन के सामने प्रदर्शन किया। पुलिस ने बैरीकेटिंग लगाकर कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोका तो वह भाजपा प्रदेश कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को खदेड़ने के लिए जमकर लाठीचार्ज किया। जिसमें कई कार्यकर्ताओं को चोटें आयीं।

इसके उपरान्त प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू की अगुवाई में जितिन प्रसाद, पीएल पुनिया, आराधना मिश्रा मोना, दीपक सिंह सहित तमाम बड़े नेता जीपीओ पार्क स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष धरने पर बैठ गए। यहां से जब कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री आवास की ओर के कूच करने का प्रयास किया तो पुलिस ने फिर लाठीचार्ज किया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू बस के आगे लेट गए। जिन्हें पुलिस कर्मी घसीटते हुए ले गए और बस के अंदर डाला। कांग्रेस के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को बसों में भरकर ईको गार्डेन ले जाकर छोड़ा गया। लल्लू ने कहा कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ तत्काल इस्तीफा दें। उन्होंने कहा कि उन्नाव की बेटी के इंसाफ के लिए सड़क से सदन तक लड़ाई कांग्रेस पार्टी लड़ेगी।

मौसम

अधिकतम	24.8°C (+1)
न्यूनतम	9.3°C (0)

बाजार

सेंसेक्स	40,445	
निफ्टी	11,921	
सोना	38,100	/10g
चांदी	47,500	/kg

क्विक न्यूज

हैदराबाद प्रकरण में आरोपियों पर हमले का मामला दर्ज

हैदराबाद। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के सात सदस्यीय दल ने शनिवार को उस जगह का दौरा किया जहां पशु चिकित्सक के साथ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के आरोप में गिरफ्तार किए गए आरोपी कथित मुठभेड़ में मारे गए थे। इस बीच तेलंगाना पुलिस ने कहा कि उसने चारों आरोपियों के खिलाफ उनके साथ गए पुलिसवालों पर हमला करने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस की कार्रवाई पर उठ रहे सवालों के बीच मारे गए आरोपियों में से एक की पत्नी आज नारायणपेट जिले में स्थित अपने गांव में कुछ अन्य लोगों के साथ सड़क पर बैठ गई और चक्का जाम किया।

इलेक्टोरल बांड के जरिये जुटाया 50 फीसदी कोष

पार्टियों के लिए कोष जुटाने को सहज और सुलभ जरिया बना

● तीन राष्ट्रीय और 22 क्षेत्रीय दलों की 50 फीसदी आय इस योजना से

राजेश कुमार। नई दिल्ली

तीन राष्ट्रीय और 22 क्षेत्रीय पार्टियों ने 2018-19 में अपनी 50 फीसदी से ज्यादा आय या कोष इलेक्टोरल बांड के जरिये जुटाया। इन पार्टियों चुनाव आयोग (ईसी) को कुल 587.87 करोड़ रुपये आय दिखाया है, जो इलेक्टोरल बांड के जरिये आया है। ये बांड अज्ञात होते हैं और इनको दान करने वाले का नाम सार्वजनिक नहीं किया जाता।

ईसी के मुताबिक पार्टियों द्वारा कुल 1163.17 करोड़ रुपये आय दिखाया गया है। इन पार्टियों ने 2018-19 में 893.6 करोड़ या अपनी आय 76.82 फीसदी धन स्वैच्छिक दान के माध्यम से अर्जित किया, जिसमें डोनेशन और कंट्रीब्यूशन तथा इलेक्टोरल बांड शामिल हैं। एडीआर द्वारा रिपोर्ट तैयार किए जाने तक आयोग की वेबसाइट पर भाजपा और कांग्रेस समेत पांच राष्ट्रीय पार्टियों और 30 क्षेत्रीय पार्टियों की ऑडिट रिपोर्ट उपलब्ध नहीं थी। पार्टियों को अपनी सालाना आडिट रिपोर्ट 31 अक्टूबर 2019 तक उपलब्ध करानी थी। एक अनुमान के मुताबिक 2018-19 में पार्टियों द्वारा 2540 करोड़ रुपये मूल्य के बांड बचा लिए गए जो इस बात का संकेत है कि बचे हुए 1952 करोड़ रुपये बांड पार्टियों द्वारा कैश करा लिए गए हैं, जिनकी आडिट रिपोर्ट वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं है। इलेक्टोरल बांड का सबसे ज्यादा लाभ सत्तारूढ़ भाजपा को मिला। 2018 में पार्टी को बांड 94.5 फीसदी हिस्सा मिला जिसकी कीमत करीब 210 करोड़ रुपये थी। इलेक्टोरल बांड का मुद्दा उस समय सुर्खियों में आया जब इस हफ्ते आरबीआई ने लगातार सरकार को चेताया कि इलेक्टोरल बांड योजना का मनी लांड्रिंग में इस्तेमाल हो सकता है। लेकिन सरकार इसकी उपेक्षा करती रही और योजना को आगे बढ़ाया। इलेक्टोरल बांड योजना के तहत कोई भी भारतीय नागरिक, कारपोरेट या ट्रस्ट अथवा एनजीओ जैसी कोई इकाई एसबीआई की शाखा से बांड खरीद कर राजनीतिक दलों को दान कर सकती है। इस हफ्ते यह मुद्दा संसद के शीत सत्र में जोरशोर से उठाया गया कांग्रेस समेत विपक्ष ने सत्तारूढ़ भाजपा पर इस योजना का सबसे ज्यादा लाभ उठाने का आरोप लगाया।

एडीआर द्वारा पार्टियों की 2018-19 की आडिट रिपोर्ट का आकलन किया गया, जिसमे पाया गया कि स्वैच्छिक योगदान के तहत इन पार्टियों अपनी आय का 50.54 फीसदी हिस्सा जुटाया या इलेक्टोरल बांड के जरिये दिए गए दान में 587.87 करोड़ रुपये हसिल किए, जबकि अन्य दान और योगदान के जरिए 305.73 करोड़ रुपये या 26.28 फीसदी जुटाया गया। तीन पार्टियां, जिन्होंने अपनी आय का ब्योरा दिया है, उसमें तृणमूल कांग्रेस, माकपा और बहुजन समाज पार्टी शामिल हैं।

बहरहाल, तीन राष्ट्रीय पार्टियों में केवल तृणमूल कांग्रेस ने इलेक्टोरल बांड से मिले दान की घोषणा की है, जो 97.28 करोड़ रुपये है। 22 क्षेत्रीय पार्टियों में से बांड के जरिये मिले दान का ब्योरा दिया है, जो 490.59 करोड़ रुपये है। एडीआर ने कहा कि योजना के तहत दानकर्ता का नाम गोपनीय रखने के कारण इलेक्टोरल बांड 2018-19 राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पार्टियों के लिए (शेष पेज 7)

दूसरे चरण में 64.39 प्रतिशत मतदान, झड़प में एक की मौत

झारखंड विस चुनाव

● 20 सीटों पर हुई वोटिंग ईवीएम लूटने की नक्सलियों की कोशिश विफल

पायनियर समाचार सेवा। रांची

झारखंड के एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के लिए कतार में खड़े लोग।

झारखंड विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में शनिवार को बीस सीटों के लिए 64.39 प्रतिशत मतदान हुआ। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनय कुमार चौबे ने बताया कि राज्य विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण में शनिवार शाम पांच बजे मतदान संपन्न होने तक कुल 64.39 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि सिसई और खूंटी के अटकी और चाईबासा को छोड़कर अन्य सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने की खबर है।

मतदान के दौरान सिसई में सुरक्षा बलों की ग्रामीणों से झड़प के बाद सुरक्षा बलों की गोलीबारी में एक ग्रामीण की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। एक अन्य घटना में शाम लगभग चार बजे मतदान करवा कर लौट रहे दल पर नक्सलियों ने अटकी के गितिल बेड़ा में घात लगाकर गोलीबारी की और ईवीएम लूटने की कोशिश की लेकिन सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई से नक्सली जंगलों में भागने को मजबूर हो गए। इस घटना में अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अपर पुलिस महानिदेशक एवं झारखंड चुनावों में सुरक्षा मामलों के नोडल अधिकारी (शेष पेज 7)

यमुना एक्सप्रेसवे पर बढ़ेंगी टोल दरें

नई रेट लागू होने के बाद चालकों को 33 रुपए देना पड़ेगा अतिरिक्त

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा से आगरा तक 165 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेस-वे पर टोल रेट बढ़ाने का फैसला लिया है। मौजूदा टोल दरों में 10 से 20 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की जा सकती है। इसके लिए आने वाली बोर्ड बैठक में विकास प्राधिकरण की ओर से प्रस्ताव दिया जाएगा। इससे प्रत्येक वाहन को करीब 33 रुपये अतिरिक्त टोल टैक्स चुकाना पड़ेगा।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर लगातार हो रहे हादसों को रोकने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने जांच का आदेश दिया था। जिसके बाद आईआईटी दिल्ली ने यमुना एक्सप्रेस-वे का सर्वे किया और सुरक्षा उपाय बढ़ाने के लिए कुछ सुझाव दिए। इन सुझावों पर काम करने के लिए करीब 294 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। यमुना एक्सप्रेस वे का संचालन करने वाली कंपनी जेपी इंफ्राटेक के खिलाफ बैंक दिवालिया प्रक्रिया के तहत कार्यवाही चल रही है। लिहाजा, जेपी इंफ्राटेक इन सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिए यह धनराशि खर्च नहीं कर सकती है। ऐसे में विकास प्राधिकरण ने अपने स्तर पर यह सुरक्षा उपाय करने का निर्णय लिया है।

यह धनराशि यात्रियों से ही वसूल की जाएगी। इसके लिए आगामी बोर्ड बैठक में टोल रेट बढ़ाने का प्रस्ताव रखा जाएगा। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ अरुण वीर सिंह ने बताया कि अगर इसी महीने बोर्ड बैठक होती है तो 1 जनवरी 2020 से बढ़े नए टोल रेट लागू किए जा सकते हैं।

इसमें बड़ी बात यह है कि यह टोल दरें स्थाई नहीं होंगी। 294 करोड़ रुपये वसूलने के बाद यह टोल दरें वापस ले ली जाएंगी। इसके लिए एक एस्क्रो अकाउंट खोला जाएगा और बढ़ी टोल टोल दरों का पैसा इस बैंक खाते में ही जमा होगा। अभी जेपी इंफ्राटेक के खिलाफ एनसीएलटी में बैंक दिवालिया प्रक्रिया लंबित है, जिसके चलते कंपनी पैसा खर्च नहीं कर सकती है।

यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण सुरक्षा मानकों को लागू करवाने के लिए कटिबद्ध है। लिहाजा, प्राधिकरण अपने स्तर पर यह सुरक्षा उपाय लागू करवाएगा।

एक्सप्रेसवे को आठ लेन करने की तैयारी

जेवर एयरपोर्ट शुरू होते ही यमुना एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की संख्या बढ़ जाएगी। इसके चलते तब एक्सप्रेस वे को चौड़ा करना पेड़गा। यह एक्सप्रेस वे 6 से 8 लेन का हो जाएगा। वर्ष 2023-24 में चौड़ीकरण का काम शुरू हो जाएगा। ग्रेटर नोएडा से लेकर आगरा तक 168 किलोमीटर लंबा और 6 लेन वाले यमुना एक्सप्रेस वे का निर्माण किया गया था। अब जेवर के पास यमुना एक्सप्रेस वे से सटे पांच हजार हेक्टेयर जमीन पर एयरपोर्ट बनाया जाना है। एयरपोर्ट के निर्माण के लिए टेंडर फाइनल हो गया है और जमीन अधिग्रहण की जा चुकी है। स्विस कंपनी ज्यूरिख जेवर एयरपोर्ट का निर्माण कराएगी और इसका 40 साल तक संचालन भी करेगी। 2023 में एयरपोर्ट शुरू होगा। पहले साल 50 लाख यात्री यहां से यात्रा करेंगे। इसके अलावा ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे यमुना एक्सप्रेस वे से जुड़ जाएगा। इस एक्सप्रेस वे के आने वाले वाहन भी यमुना एक्सप्रेस वे से जाएंगे।

डिप्टी सीएम ने किया कन्या महाविद्यालय का शिलान्यास

नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा तहसील जेवर के लिए शनिवार को एक बड़ी सौगात दी गई, जिसके अंतर्गत जेवर तहसील के जेवर खादर गांव में प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 9 करोड़ 42 लाख रुपए की लागत से राजकीय कन्या महाविद्यालय बनाया जाएगा। इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट का विधिवत रूप से प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने विधि विधान के साथ शिलान्यास किया गया।

शिलान्यास कार्यक्रम के उपरांत प्रज्ञान पब्लिक स्कूल में जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार सबका साथ सबका विकास एवं सबका विश्वास महत्वपूर्ण विषय पर काम कर रही है जिसका चौतरफा योजनाओं का भरपूर लाभ आम नागरिकों को मिल हो रहा है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा पूरे प्रदेश में 43 महाविद्यालय अल्पसंख्यक बस्तियों में निर्मित किए जा रहे हैं। जिसमें से एक प्रोजेक्ट का आज यहां शुभारंभ किया गया है।

किशोरी को जबरन उठा ले गए तीन युवक

दो बहनों व भाई ने खुद को कमरे में बंदकर बचाया, जांच जारी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● **पुलिस ने काफी हीलाहवाली के बाद की मामले में रिपोर्ट दर्ज**

अभी हैदराबाद और उन्नाव कांड शांत भी नहीं हुआ था कि थाना कवि नगर इलाके में शनिवार सुबह तीन लड़कों ने एक घर में घुसकर तीन लड़कियों और एक लड़के के साथ जमकर मारपीट की। बताया जा रहा है कि इस दौरान दो लड़की और एक लड़के ने अपने आप को कमरे में बंदकर खुद को बचाया गया। आरोप है कि छोटी लड़की (15 वर्ष) को तीनों युवक घर से खींचकर बाहर ले गए और उसके बाद से अभी तक किशोरी का कोई अता-पता नहीं है।

पीड़िता के पिता रोहताश ने बताया कि वह मूल रूप से बुलंदशहर के रहने वाले हैं और थाना कविनगर इलाके के महरौली गांव में किराए के मकान में रहते हैं। शनिवार को वह घर पर मौजूद नहीं थे और उनकी तीन बेटी व एक बेटा घर पर अकेले थे। वह झारखंड में एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं और उनकी पत्नी आसपास के घरों में साफ-सफाई का कार्य करती है। उन्होंने बताया कि शनिवार को भी उनकी पत्नी अपने काम पर गई हुई थी और वह खुद रांची में ही हैं। जब उनकी पत्नी घर पहुंची तो बच्चों से घटना की जानकारी मिली। जिसके बाद वह पास की पुलिस चौकी पहुंची। आरोप है कि चौकी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने पल्ला झाड़ते हुए कहा कि वह थाना कवि नगर जाकर अपनी रिपोर्ट दर्ज कराएं। कविनगर थाने पहुंचने के बाद भी पुलिसकर्मियों द्वारा रिपोर्ट लिखने में हिला हवाली की गई और पीड़िता की रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई।

पीड़ित पिता ने जानकारी मिलने पर मामले को लेकर पुलिस को ट्वीट कर सहायता की गुहार लगाई। जिसके बाद पुलिस द्वारा जल्द ही कार्रवाई किए जाने का भरोसा दिया गया है। रोहताश सिंह के अनुसार यह घटना सुबह करीब 10: 30 बजे की है।

एसपी सिटी मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि इस तरह का मामला सामने आया है और इसकी गहनता से जांच की जा रही है। जल्द ही लड़की को बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यादव सिंह ने स्टे के लिए खटखटाया ट्रिब्युनल का दरवाजा

नोएडा। आयकर विभाग प्राधिकरण के पूर्व चीफ इंजीनियर यादव सिंह से 136 करोड़ रुपये से ज्यादा की टैक्स रिकवरी की तैयारी कर रहा है। वहीं, यादव सिंह ने स्टे के लिए (आईटीएटी) इंकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्युनल का दरवाजा खटखटाया है।

आयकर विभाग के सूत्रों के मुताबिक 136 करोड़ रुपये से ज्यादा की टैक्स रिकवरी के लिए विभाग की तरफ से तीन महीने पहले नोटिस जारी किया गया था, लेकिन रिसीव न होने की वजह से नोटिस वापस आ गया। इसके बाद यादव सिंह के सेक्टर-27 स्थित निवास पर नोटिस चस्पा करने की कार्रवाई भी की गई।

आमरण अनशन कर रहे जगतगुरु की हालत बिगड़ी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● **जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग**

पूरे देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग को लेकर पिछले 8 दिन से आमरण अनशन पर बैठे जगद्गुरु परमहंस आचार्य जी महाराज का स्वास्थ्य लगातार गिरता जा रहा है। शनिवार को शिव शक्ति धाम डासना में अनशन पर बैठे जगद्गुरु का रक्तचाप अचानक गिर गया। हालांकि सरकारी डॉक्टरों की टीम अभी तक अनशन स्थल पर नहीं पहुंची है लेकिन, निजी चिकित्सकों ने उनके स्वास्थ्य की जांच की।

परमहंस आचार्य अयोध्या से आकर यहां डासना स्थित शिव शक्ति धाम में इसलिए अनशन पर बैठे हैं ताकि दिल्ली में बैठी मोदी सरकार का ध्यान आकर्षित हो सके। उन्होंने अनशन पर बैठने से पहले ही यह साफ कर दिया था कि जब तक केंद्र सरकार इस कानून पर कोई सकारात्मक घोषणा नहीं करती है वह किसी भी कीमत पर अनशन नहीं तोड़ेंगे।

सामाजिक कार्यकर्ता शशि चौहान ने कहा कि यदि केंद्र सरकार नहीं चेती तो बहुत जल्द महिलाएं भी आमरण अनशन पर बैठ जाएंगी।

तीन लुटेरे गिरफ्तार नकदी-तमंचा बरामद

नोएडा। पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 200 से अधिक लूट की वारदात को अंजाम देने वाले तीन लुटेरों को शनिवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। नगर पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने बताया कि शनिवार सुबह एक सूचना के आधार पर थाना सेक्टर 39 की पुलिस ने राजीव, पंकज और अनंत पाल नामक तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया।

उन्होंने बताया कि पकड़े गए बदमाशों के पास से पुलिस ने विभिन्न जगहों से लूटे हुए 4 मोबाइल फोन, लूट में प्रयोग होने वाली एक मोटरसाइकिल, लूट का सामान बेचकर इकट्ठी की गई रकम और अवैध हथियार बरामद किए हैं।

किश्तों की समयावधि बढ़ाने के लिए कमेटी ने की संस्तुति

मंदी के दौर में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के आवंटियों को मिलेगी काफी राहत

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

शहर में अपना घरौंदा बनाने का सपना संजोए हुए लोगों के लिए एक बड़ी खबर है । अब सभी वर्गों के लिए भवनों की किस्तों का समय अवधि बढ़ाने की संस्तुति गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) उपाध्यक्ष द्वारा गठित समिति ने कर दी है। समिति ने अपनी संस्तुति में आवंटियों के लिए किश्तों की समय अवधि अब सात से दस साल तक बढ़ाने की संस्तुति की है।

मंदी के इस दौर में आम जनता की जेब को ध्यान में रखते हुए जीडीए द्वारा गठित हाई पॉवर कमेटी ने यह संस्तुति की है । खास बात यह है कि समिति की इन संस्तुतियों को शासन में भेजने की आवश्यकता नहीं है मामला पूरी तरह से लोकहित से जुड़ा है और इसे जीडीए बोर्ड बैठक में केवल सूचनार्थ रखा जाएगा।

आपको बता दें कि हाल ही में जीडीए ने किस्तों की समयवधि बढ़ाने के लिए विचार विमर्श हेतु उपाध्यक्ष कंचन वर्मा ने एक कमेटी का गठन किया था जिसमें वित्त नियंत्रण सूबेदार सिंह, मुख्य अभियंता वीएन सिंह, अपर सचिव सीपी त्रिपाठी, प्रभारी व्यवसायिक अनिल सिंह को रखा गया था। जिन्होंने अपनी संस्तुति रिपोर्ट जीडीए उपाध्यक्ष को सौंप दी है ।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक एलआईजी व मिनी एमआईजी भवनों की किश्तों की समय अवधि तीन साल से बढ़कर पांच साल जबकि एचआईजी व एमआईजी भवनों की किश्तों की समय अवधि सात साल कर दी गई है। भुगतान की समय अवधि बढ़ने से आवंटियों को काफ़ी राहत मिलेगी ।

जीडीए उपाध्यक्ष कंचन वर्मा का कहना है कि किश्तों पर भुगतान के लिए तीन वर्षों का समय बहुत कम है। ईडब्लूएस भवनों के लिए आवेदक की आय तीन लाख सालाना और एलआईजी के लिए छह लाख रूपए सालाना आय सीमा निर्धारित है। इतनी कम आय पर एनसीआर में परिवार चलाने के साथ मकान की किश्त देना काफी मुश्किल है। यदि किसी आवंटी की तिमाही किश्त यदि 80हजार रूपये थी अब वह 25 हजार के आसपास हो जाएगी और इससे आवंटियों का काफी राहत मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

शिविर में रक्तदान करते सिख कमेटी के लोग।

सैनिकों के लिए लगाया रक्तदान शिविर

हापुड़। मेरठ रोड स्थित नगर के बड़े गुरुद्वारा में संगम चेरिटेबल ब्लड बैंक के नेतृत्व में सैनिकों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन सिख कमेटी उ.प्र. के अध्यक्ष व राष्ट्रीय सैनिक संस्था जिला इकाई हापुड़ के जिला संरक्षक सरदार ब्रजपाल (गुरु रामदास सेवक जत्था) व सचिव सरदार देवेन्द्र सिंह, हैड ग्रन्थि सरदार प्रभुदयाल सिंह के नेतृत्व में किया गया। यहां राष्ट्रीय सैनिक संस्था जिला इकाई हापुड़ के उपाध्यक्ष मुकेश त्यागी, महिला बिग्रेड की जिला सचिव मोनिका त्यागी, जिला कोषाध्यक्ष मुकेश प्रजापति, सोनू त्यागी ने रक्तदान किया। इस अवसर पर जिला सचिव विजय वर्मा, महिला बिग्रेड की जिलाध्यक्ष सुमन त्यागी, नगर सूचना प्रसारण मंत्री श्याम वर्मा, ललित चौधरी आदि मौजूद रहे।

किशोरी से बलात्कार का आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। गौतम बुद्ध नगर जिले में थाना दादरी क्षेत्र के जू- सेक्टर में रहने वाली एक किशोरी के बलात्कार के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि जू- सेक्टर में रहने वाली किशोरी के साथ एक माह पूर्व दीपक नामक व्यक्ति ने मारपीट करके कथित रूप से बलात्कार किया था। उन्होंने बताया कि घटना की जांच कर रही थाना पुलिस ने दीपक को गिरफ्तार कर लिया है। उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत पर जेल भेज दिया गया।

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में रासलीला का मंचन करते नौनिहाल।

वार्षिकोत्सव में छात्रों ने दी रंगारंग प्रस्तुति

गाजियाबाद। डीपीएस इंदिरापुरम में कक्षा 3 के छात्रों के लिए वार्षिक उत्सव मनाया गया। इस समारोह में बच्चों ने पूरे हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम में रंगारंग प्रस्तुति दी जिसमें उपस्थित लोगों ने बच्चों की खूब हौसला अफजाई की। समारोह की अध्यक्षता डीपीएस इंदिरापुरम की प्रो वाइस चेयरपर्सन संतोष बंसल ने किया और बच्चों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम की शुरुवात दीप प्रज्जवलित कर हुई। इसके बाद बच्चों ने नृत्य के साथ बहुभाषी मधुर गायन की प्रस्तुति से भारत की विभिन्न संस्कृतियों की झलक दिखाई। इसमें भारतीय शास्त्रीय नृत्य भारत नाट्म, कुचिपुड़ी, कथकली, मोहनीअट्टम, डांडिया आदि का अद्भुत मिश्रण था। वहीं कार्यक्रम में स्कूल के म्यूजिशियन ने मिले सुर मेरा तुम्हारा, उठो इंडिया राइज, की संगीत पर एकता व भाईचारे का संदेश दिया। समारोह में लगभग 480 प्रतिभावन बच्चों ने हिस्सा लिया।

ग्राम समाज की जमीन पर अवैध निर्माण रोका

पायनियर समाचार सेवा। हापुड/धौलाना

ग्रामसमाज की जमीन पर चला रहा निर्माण कार्य।

ग्राम समाज की जमीन पर अवैध रुप से हो रहे निर्माण कार्य को एसडीएम धौलाना के निर्देश पर रोक दिया गया।

एसडीएम विशाल कुमार यादव ने बताया कि तहसील परिसर के सामने ग्राम समाज की भूमि पर अवैध रूप से निर्माण कार्य किए जाने की सूचना मिलने पर लेखपाल को निर्देश दिए गए। मौके पर पहुंचे लेखपाल ने निर्माण कार्य कर रहे कब्जाधारी लोगों को कार्य रोकने के निर्देश दिए।

जानकारी के मुताबिक पिछले दो माह से पिलखुवा-धौलाना मार्ग स्थित तहसील के इर्दगिर्द विवादित एवं ग्राम समाज की भूमि पर दबंगों एवं स्थानीय लोगों द्वारा कब्जा कर निर्माण कार्य किया जा रहा है। विवादित भूमि पर हो रहे निर्माण कार्यों की शिकायत मिलने पर एसडीएम ने संज्ञान लेते हुए आनन-फानन में निर्माण कार्य रोके जाने के निर्देश दिए। बताया जाता है कि अनुसूचित जाति के लोगों को मिले इस विवादित भूमि में पट्टे जबरन खरीद कर उस पर निर्माण कार्य किया जा रहा है।

बाइक चुराकर युवती फरार सीसीटीवी में कैद हुई फुटेज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

थाना विजय नगर इलाके में एक दवाई की दुकान के सामने खड़ी बाइक पर एक वाहन चोर युवती ने हाथ साफ कर दिया। हालांकि यह सारी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसकी शिकायत स्थानीय पुलिस से की गई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज निकालकर वाहन चोर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, थाना विजय नगर इलाके में स्थित एक दवाखाने के सामने बाइक खड़ी हुई थी। तभी वहां एक युवती पहुंची और काफी देर तक इधर-उधर देखने के बाद बाइक चोरी कर मौके से फरार हो गयी। यह पूरा मामला वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। आसपास के लोगों का कहना है कि वह काफी देर तक यहां एक युवक के साथ घूमती देखी गई थी।

थाना प्रभारी श्यामवीर सिंह ने बताया कि इस तरह का मामला सामने आया है। सीसीटीवी फुटेज लेकर मामले की जांच की जा रही है। जिसके आधार पर वाहन चोर की तलाश शुरू की जा रही है। उन्होंने बताया जल्द ही वाहन चोर को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

महानगर कांग्रेस कमेटी ने निकाला कैंडल मार्च

नोएडा। महानगर अध्यक्ष सहाबुद्दीन एवं जिला यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष पुरुषोत्तम नागर के नेतृत्व में उन्नाव की बेटी की आत्मा की शांति के लिए स्पाइस चौराहे से नोयडा स्टेडियम गेट 4 तक एक शांति कैंडल मार्च निकाला गया तथा 2 मिनट का मौन रख आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

पुरुषोत्तम नागर ने कहा कि आज पूरा प्रदेश उन्नाव की बेटी की मौत पर आक्रोशित है। प्रवक्ता पवन शर्मा ने कहा कि उन्नाव की मासूम बेटी की दुखद एवं हृदय विदारक मौत मानवता को शर्मसार करने वाली घटना है। एक और बेटी ने न्याय और सुरक्षा के आस में दम तोड़ दिया।

एनडीआरएफ ने चलाया स्वच्छता अभियान

गाजियाबाद। कमला नेहरु नगर स्थित आठवीं बटालियन एनडीआरएफ द्वारा 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तक 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा मनाया जा रहा है। बटालियन के मीडिया प्रभारी वसंत पावडे ने बताया कि इस पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें स्वच्छता जागरूकता पर पदयात्रा, वृक्षारोपण एवं लगाए गए पौधों का देखभाल करना, कैंप परिसर के नजदीक सड़क की साफ-सफाई, स्वच्छता पर वाद विवाद एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

आरडब्ल्यूए को मिलेगी सांसद निधि: नागर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सपने को नोएडा प्राधिकरण साकार करने में जुटा है, इस कड़ी में लगातार ओपन जिम, सिंगल यूज प्लास्टिक बंद करने और स्वच्छता की तरफ कदम बढ़ाए जा रहे हैं। इसके लिए आम नागरिकों को भी आगे आना होगा। यह बातें राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर ने कहीं।

सेक्टर-100 आरडब्लूए ने शनिवार को ओपन जिम का शुभारंभ किया। साथ ही कंपोस्ट किट का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में नोएडा प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु माहेश्वरी ने हिस्सा लिया जबकि मुख्य अतिथि के रूप में सुरेंद्र नागर राज्यसभा सांसद ने जिम का उद्घाटन किया।

नागर ने कहा कि विकसित देशों में शुमार होने के लिए देशवासियों को भी योगदान देना होता है, ऐसे में हम सब लोग अपने-अपने घरों से इस कार्यक्रम को शुरू करेंगे तो निश्चित तौर पर हमारा देश स्वच्छ भारत के रूप में नजर आएगा।

उन्होंने कहा कि अगर आरडब्ल्यूए इन कार्यों को करने में मदद मांगेगी तो सांसद निधि से उनकी मदद की जाएगी। इस मौके पर सीईओ रितु माहेश्वरी ने कहा कि प्राधिकरण लगातार इस तरह का काम करने में जुटा है जिससे स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 के साथ-साथ यहां के लोगों को बेहतर पर्यावरण और बेहतर स्वस्थ जीवन उपलब्ध कराया जा सके। इसके लिए लोगों की मदद भी मांगी जा रही है।

इस मौके पर प्राधिकरण के ओएसडी इंदु प्रकाश, कुमार संजय, अविनाश त्रिपाठी, जीएम केके अग्रवाल, वरिष्ठ प्रबंधक सलिल यादव, नोएडा एम्प्लाइज एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार चौधरी, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष थान सिंह, अशोक चौहान व आरडब्ल्यूए के तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस द्वारा बरामद चोरी हुआ ट्रक और गिरफ्तार आरोपी।

मिशन इंद्रधनुष 2.0 : प्रदेश में अव्वल आया गाजियाबाद

अभियान के दौरान अब तक 76 प्रतिशत हुआ बच्चों और गर्भवती महिलाओं टीकाकरण

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मिशन इंद्रधनुष के तहत किए जा रहे टीकाकरण अभियान में गाजियाबाद जनपद ने पहले पांच दिनों में ही बाजी मार ली है। 2 दिसंबर से शुरू हुए इस विशेष अभियान में गाजियाबाद प्रदेश भर में पहले स्थान पर आया है।

सीएमओ डॉ एन.के. गुप्ता

अभियान के पहले पांच दिनों में जिले में 76 प्रतिशत बच्चों का टीकाकरण किया गया है। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण में भी जिले में 61 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। जबकि पूरे प्रदेश में किसी भी जिले में 60 प्रतिशत से ज्यादा टीकाकरण नहीं हो सका है।

इंद्रधनुष 2.0 अभियान के तहत जिले में 16167 बच्चों को चिन्हित किया गया था। यह अभियान जिले में लोनी, भोजपुर और गाजियाबाद शहरी क्षेत्र में चल रहा है। अभियान के पहले पांच दिनों में चिन्हित किए गए 12424 बच्चों का टीकारण कर लिया गया है।

इसके अलावा तीनों क्षेत्रों में 3387 गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण के लिए चिन्हित किया गया था। इसमें से विभाग ने 2080 गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनके गुप्ता ने बताया कि प्रदेश स्तर पर हुई समीक्षा में गाजियाबाद टीकाकरण में पहले स्थान पर है। प्रदेश के अन्य जिलों में अभियान के तहत पहले पांच दिनों में 60 प्रतिशत ही टीकाकरण हो सका है। सीएमओ ने बताया यह अभियान मार्च 2020 तक प्रत्येक महीने 10 दिन तक चलेगा।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि इन्द्रधनुष अभियान में दो तरह के बच्चों को शामिल किया गया है। **पहला लेफ्ट आउट**- जिन बच्चों को एक भी टीका नहीं लगा है। **दूसरा ड्राप आउट** - ऐसे बच्चे जिन्होंने एक दो टीके लगवाने के बाद बीच में अन्य टीके नहीं लगवाये।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया नंदग्राम क्षेत्र की दीनदयालपुरी में 58 परिवार, भोपुरा में 37 परिवार और विजयनगर के मिर्जापुर में 35 परिवार टीकाकरण का विरोध कर रहे हैं। विरोध करने वाले परिवारों को टीकाकरण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया था। इस संबंध में प्रशासन को पत्र लिखकर सहयोग की मांग की जाएगी।

चोरी हुआ सिलेंडरों से भरा ट्रक बरामद, चालक गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

पिछले दिनों लोनी रोड से गायब सिलेंडर से भरा ट्रक लोनी पुलिस ने शनिवार को बरामद कर लिया। पुलिस ने ट्रक चोर को भी गिरफ्तार कर लिया है। ट्रक में गैस से भरे हुए 360 सिलेंडर थे जिनकी कीमत लगभग 40 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने बंथला पुलिया से आरोपी नारायण पुत्र जानकी प्रसाद जिला मैनपुरी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस क्षेत्राधिकारी राजकुमार पांडे ने बताया कि तीन दिसंबर को भोपुरा लोनी रोड से गैस के सिलेंडरों से भरा एक ट्रक गायब हो गया था। घटना के बाद से ही पुलिस ट्रक को तलाश कर रही थी इसमें शनिवार को कामयाबी मिली।

सीओ ने बताया कि आरोपी नारायण को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर ट्रक बरामद कर लिया। उन्होंने बताया कि आरोपी चालक है तथा उसको पहले से ही जानकारी थी कि ट्रक का असली चालक खाना खाने के लिए कहां ट्रक खड़ा करता है और चाबी कहां पर रखता है।

घटना वाले दिन चालक ने जैसे ही ट्रक पेट्रोल पंप के पास खड़ा किया इसी बीच नारायण ट्रक को लेकर फरार हो गया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

लोगों ने जताया आक्रोश, कैंडल मार्च के दौरान पुलिस से हुई भिड़ंत

● बैरिकेड फांद रहे प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछार, कुछ लोगों को आई चोटें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देशभर में दुष्कर्म की बढ़ती वारदातों को लेकर लोगों में जबरदस्त गुस्सा है। नाराज युवक व युवतियां और महिलाएं अपने-अपने तरह से विरोध प्रदर्शन कर रही हैं।

इसी कड़ी में दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति जयहिंद भी आमरण अनशन कर रही हैं। उनके अनशन के पांचवें दिन राजघाट से इंडिया गेट तक कैंडल मार्च निकाल रहे समर्थकों को पुलिस ने बैरिकड लगाकर बहादुर शाह जफर मार्ग पर रोक लिया। इससे लोगों में आक्रोश बढ़ गया है और उनकी पुलिस ने भिड़ंत हो गई। इस दौरान कई लड़कियां बेहोश भी हो गई हैं व कुछ लड़कियों और महिलाओं को चोटें भी आई हैं। इस बीच कुछ प्रदर्शनकारी बैरिकेड फांदकर आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे तो पुलिस ने उन पर पानी की तेज बौछारें फेंककर खदेड़ दिया।

उन्नाव पीड़िता की शुक्रवार देर रात सफदरजंग अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इसके बाद दिल्ली समेत देश उबलने लगा। शनिवार सुबह से ही लोग प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ गुस्सा जाहिर करने लगे थे।

राजधानी में लोग दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति जयहिंद के आमरण अनशन के सहयोग के लिए शांति पूर्ण कैंडल मार्च निकाल रहे थे। जिसे पुलिस ने रोकने का प्रयास किया है। इसके बाद से लोग नाराज हो गए हैं। इधर दिल्ली में ही उत्तर प्रदेश भवन के आगे भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कैंडल जलाकर उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता को श्रद्धांजलि दी।

पुलिस और प्रदर्शनकारियों की भिड़ंत के दौरान कई लडकियां बेहोश हो गई हैं। कई प्रदर्शनकारी लड़कियों और महिलाओं को चोटें भी आई हैं। प्रदर्शनकारी हाथ में तख्तियां लिए हुए हैं और वी वांट जस्टिस के नारे लगा रहे हैं। लखनऊ से लेकर दिल्ली तक हो रहे प्रदर्शन को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर देश में कितना ज्यादा गुस्सा है।

आप सांसद संजय सिंह ने कहा की स्वाति सच्ची निष्ठा और श्रद्धा के साथ अपनी जान जोखिम में डालकर महिलाओं के लिए सदैव काम करती आई हैं। उनके द्वारा शुरू किए गए ऐसा अनशन को जहां पूरा देश का समर्थन मिल रहा है वहीं केंद्र में बैठी गूंगी बहरी सरकार के कानों में जूं भी नहीं रेंग रही। सिंह लोगों को आश्वासन दिया कि सोमवार से दोनों सदनों में स्वाति की मांगों को उठाने के लिए वह स्वयं और अन्य दल के भी वरिष्ठ नेताओं से बात करेंगे और उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाने के लिए पूरा दबाव बनाएंगे।

पूर्व मंत्री शरद यादव ने भी स्वाति का समर्थन किया और सरकार से अपील करी की मांगों पर विचार करें। शरद यादव ने स्वाति को अपनी सेहत का ध्यान रखने के लिए भी कहा। निर्भया की माँ आशा देवी भी राजघाट पहुंचीं। आशा ने कहा कि जहां एक तरफ वह स्वाति के अनशन का समर्थन करती हैं वहीं उन्हें ये भी दुख है कि स्वाति को इस प्रकार अपनी सेहत से खिलवाड़ करना पड़ रहा है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि आज 7 साल बाद भी संसद सड़क और न जाने कहां-कहां हाथ जोड़ने के बाद भी उनकी बेटी को न्याय नहीं मिला।

सरकार रेप पीड़िताओं के प्रति असंवेदनशील : स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली। उन्नाव बलात्कार पीड़िता की मौत के बाद डीसीडब्ल्यू प्रमुख स्वाति मालीवाल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह बहरी एवं असंवेदनशील है। बलात्कार पीड़िताओं की चीखें उसे सुनाई नहीं देती।

वह देश की सरकार पर शर्मिंदा है। इस बीच मालीवाल के अनशन 5वें दिन समर्थन में राजघाट पहुंची निर्भया की माँ, राज्यसभा सांसद संजय सिंह और पूर्व सांसद शरद यादव। मेडिकल बुलेटिन के मुताबिक पिछले 5 दिनों में उनका वजन 3 किलो से ज्यादा कम हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वाति जो पिछली बार अनशन पर बैठी थी तब देश में एक कानून तो बना दिया गया लेकिन आज तक एक भी बलात्कारी को फांसी नहीं दी गई। ना जाने ऐसे कितने अनशन स्वाति को करने पड़ेंगे जिसके बाद बलात्कारियों को फांसी होनी शुरू होगी। सोशल मीडिया पर खाली थाली अनशन के नाम के नाम से एक कैंपेन भी वायरल हो रहा है जिसमें लोग स्वाति के अनशन को अपना समर्थन देने के लिए खाली थाली पर स्वाति के नाम अपना संदेश लिख अपना समर्थन दे रहे हैं और 1 दिन का उपवास रख रहे हैं।

राजघाट से आज एक विशाल केंडल मार्च का भी आयोजन किया गया जिसका नेतृत्व खुद स्वाति मालीवाल ने किया। हजारों की तादाद में लोगों ने हाथ में मोमबत्ती और ष्उन्नाव के बलात्कारियों को फांसी दोष् लिखी तख्तियां लेकर इंडिया गेट तक मार्च किया। मार्च में शामिल लोगों ने उन्नाव की पीड़ित को एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी और सरकार से आरोपियों को जल्द से जल्द सजा देने की मांग भी करी।

स्वाति ने दुख जताते हुए कहा की आज हमारे आंदोलन से देशभर के लाखों.करोड़ों लोग जुड़ रहे हैं लेकिन फिरर भी सरकार की तरफसे कोई भी प्रतिनिधि इन मांगों पर बात करने नहीं आया। उवह अपना अनशन किसी भी हाल में तोड़ने वाली नहीं है जब तक इस देश में एक ऐसा सिस्टम नहीं बनाया जाएगा जिसमें बलात्कारियों को 6 महीने के अंदर फांसी दी जाएगी।

योगी सरकार दोषियों को फांसी दिलवाए : सीएम

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उन्नाव बलात्कार पीड़िता की मौत को हर भारतीय के लिए शर्मनाक बताया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि उत्तर प्रदेश सरकार दोषियों को फांसी की सजा दिलाकर समाज में एक मिशाल पेश करेगी।

केजरीवाल ने शनिवार को ट्वीट कर कहा कि उन्नाव की बेटी की दुखद मौत हर भारतीय को शर्मिंदा करती है। ईश्वर पीड़िता के परिवार को हौसला दे। पूरा देश इस लड़ाई में उनके साथ है। वह उम्मीद करते है उत्तर प्रदेश सरकार बेटी के हत्यारों को सूली पर चढ़ाने की न्यायिक प्रक्रिया जल्द पूरी करेगी। गत बृहस्पतिवार सुबह उन्नाव बलात्कार पीड़िता को कथित रूप से पांच लोगों ने जिंदा जला दिया था, जिसमें उससे बलात्कार करने के आरोपी भी शामिल थे। इस नृशंस घटना के बाद उसे विमान से दिल्ली लाया गया था।

इंसाफ मांग रही महिला ने बेटी पर छिड़का पेट्रोल, पुलिस ने बचाया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उन्नाव में जिंदा जलाई गई दुष्कर्म पीड़िता की मौत के बाद शनिवार दोपहर को एक महिला ने न्याय की मांग करते हुए सफदरजंग अस्पताल के बाहर अपनी नाबालिग बेटी पर संदिग्ध ज्वलनशील पदार्थ उड़ेल दिया। वहां मौजूद सतर्क पुलिस कर्मियों ने लड़की को बचा लिया और महिला सहित उसे अपने साथ थाना ले गई। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता की शुक्रवार देर रात सफदरजंग में इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

पुलिस के अनुसार उन्नाव गैंग रेप पीड़िता का शव पोस्टमॉर्टम के बाद सफदरजंग अस्पताल से उत्तर प्रदेश के गांव रवाना करने से करीब एक घंटे बाद यह घटना हुई।

सूत्रों ने बताया कि जब मीडिया कर्मी वहां मौजूद लोगों से बात कर रहे थे तभी हमें न्याय चाहिए का नारा लगाते हुए महिला वहां आई और तुरंत अपनी नाबालिग बेटी पर संदिग्ध ज्वलनशील पदार्थ उड़ेल दिया। यह देख वहां मौजूद पुलिस ने लड़की को बचा लिया और महिला को हिरासत में लेकिन पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई।

वहीं वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक महिला ने पूछताछ में बताया कि वह हाल में हुए उन्नाव दुष्कर्म एवं हत्याकांड से सदमे में थी और उसकी मौत की खबर सुनकर शनिवार को अस्पताल आई थी। अधिकारी ने कहा कि महिला के बेटी पर पर डाले गए ज्वलनशील पदार्थ को जांच के लिए भेजा गया है। मामला दर्ज हो गया है।

महिला पर फेंका केमिकल, अस्पताल में भर्ती

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हैदराबाद और उन्नाव में हुई दरिंदगी के सदमे से लोग उबर भी नहीं पाए थे कि दिल्ली में एक महिला पर केमिकल फेंकने का मामला सामने आया है। पीड़िता को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी वहां से भाग गए। पुलिस मामला दर्ज कर वारदात के कारण का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

महिला पर कौन सा कमिकल फेंका गया यह अभी पता नहीं चल सका है। इस वारदात को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अजमेरी गेट के पास अंजाम दिया गया। तेलंगाना की रहने पीड़िता अपने पति से अलग रहती है और उसका एक बेटा भी है। पिछले 6 महीने से वह पश्चिम बंगाल के एक शख्स के साथ रह रही थी।

इसी शख्स पर महिला पर केमिकल फेंकने का शक है। पीड़िता को पहले एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां से डॉक्टरों की सलाह पर उसे गुरु नानक देव आई हॉस्पिटल शिफ्ट कर दिया गया है।

दुष्कर्म के आरोप में कोर्ट ने किया पिता-भाई बरी

नई दिल्ली। अदालत ने एक लड़की से लगातार दुष्कर्म करने के आरोप से उसके पिता और भाई को बरी करते हुए कहा कि यह असंभव है कि परिवार के कई सदस्यों की मौजूदगी में उससे बलात्कार किया गया हो। अदालत ने लड़की द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराने में काफी देरी किए जाने को अपने फैसले का आधार बताया।

संक्षिप्त समाचार

इस्कॉन मंदिर में गीता जयंती का आयोजन

नई दिल्ली। द्वारका स्थित इस्कॉन मंदिर में गीता जयंती पर भव्य आयोजन किया जा रहा है। पहली दिसंबर से शुरू हुआ यह आयोजन आज संपन्न होगा। इसका लक्ष्य भगवद्गीता की शिक्षा के जरिये लोगों को यह समझाना है कि जीवन में कैसे स्थायी प्रसन्नता प्राप्त की जा सकती है। सप्ताह भर चलने वाले इस आयोजन में तुला दान, भगवद्गीता का वितरण, 4-5 हवन, भगवद्गीता के श्लोक का पाठ, भक्तों को भगवद्गीता प्रदान करने जैसे कार्यों के साथ-साथ मंदिर में अनूठे कटआउट व सेल्फी पॉइंट भी तैयार किए गए हैं। गीता की सीख है कि हमें हर परिस्थिति में प्रसन्न रहना चाहिए; यही स्थायी प्रसन्नता प्रदान करना मंदिर का लक्ष्य है। भगवद्गीता जयंती आयोजन का लक्ष्य गीता के श्लोकों के पाठ को बढ़ावा देना है।

एनबीसीसी की इमारत में आग लगी, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली के भीकाजी कामा प्लेस स्थित एनबीसीसी की इमारत में शुक्रवार देर रात आग लग गई। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रात साढ़े 12 बजे आग पर काबू पाया गया। इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने की सूचना रात 9.47 बजे मिली जिसके बाद कुल 25 दमकल गाड़ियों को आग बुझाने के लिए रवाना हुई।

युवाओं के उत्साह से संस्कृत को मिलती है ऊर्जा : भानु

नई दिल्ली। संस्कृत विश्व की सबसे प्राचीन भाषा के साथ साथ आधुनिक विज्ञान की भाषा है। ये विचार दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा गांधी मेमोरियल राजकीय सर्वोदय बाल विद्यालय शाहदरा दिल्ली में आयोजित उत्तर पूर्व मंडल की छह दिवसीय संस्कृत प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि शिक्षा निदेशालय के उप शिक्षा निदेशक डॉ. समरभानु ने व्यक्त किये । डा. समरभानु ने आगे कहा कि युवा वर्ग का आज जो उत्साह मुझे दिखई दे रहा इस उत्साह संस्कृत को नई ऊर्जा मिलेगी। अकादमी के सचिव डॉ. जीतराम भट्ट ने कहा कि संस्कृत में अनेक ज्ञान परक ग्रंथ लिखे गए हैं जो कि शुद्ध रूप से विज्ञान के प्रयोगों पर आधारित हैं। हमें निरन्तर अपने स्तर पर शोध कार्य करने की जरूरत है।

भाजपा का नारा अबकी बार, तीन पार होगा: मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली के आगामी विधानसभा चुनाव में उसका नारा अबकी बार, तीन पारै होगा। गौरतलब है कि भाजपा को 2015 के विधानसभा चुनाव में केवल तीन सीटों पर ही जीत मिली थी। केजरीवाल ने एक समिट में कहा कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी का नारा अबकी बार, 67 पार होगा। मनोज तिवारी के सवाल पर सीएम ने कहा कि चुनाव में प्रतिद्वंद्वी मानते हैं तो उन्होंने तिवारी की गायकी के लिए प्रशंसा की। केजरीवाल ने चुटकी लेते हुए कहा, क्या आपने उनका रिंकिया के पापा वाला गाना सुना है।

हरदयाल म्युनिसिपल लाइब्रेरी का उद्घाटन

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम एवं आस्था वैल्फेयर सोसायटी के सहयोग से रमेश नगर समुदाय भवन में हरदयाल म्युनिसिपल लाइब्रेरी, वरिष्ठ नागरिक केन्द्र एवं बर्तन बैंक का उद्घाटन विपिन मल्हौत्रा उपाध्यक्ष स्थाई समिति रेखा सिन्हा अवैतनिक सचिव हरदयाल म्यूनिशिपल हैरिटेज लाइब्रेरी एवं श्रीमति वीना विरमानी पूर्व अध्यक्षा स्थाई समिति के कर कमलों द्वारा किया गया। वीना विरमानी ने कहा 35 वर्ष पूर्व इसी स्थान पर लाइब्रेरी थी जिसे पुन: प्रारम्भ किया गया है और इसे प्रारम्भ करवाने में आस्था वैल्फेयर सोसायटी के चेयरमेन गुलशन विरमानी एवं उनकी पूरी टीम का विशेष योगदान रहा है। उन्होने इस लाइब्रेरी को खुलवाने में पूरा फर्नीचार उपलब्ध करवाया है और भविष्य में इस लाइब्रेरी को चलाने में आने वाले खर्च को वहन करने का आश्वासन दिया है।

निर्भया के दोषी ने दया याचिका वापस ली

अभियुक्त के वकील का आरोप, याचिका पर है फर्जी हस्ताक्षर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निर्भया दुष्कर्म केस में दोषियों की याचिका मामले में नया मोड आ गया है। अभियुक्त विनय शर्मा ने अपने वकील एपी सिंह के माध्यम से कहा है कि राष्ट्रपति के पास भेजी गई दया याचिका वापल ले ली जाए।

शर्मा का कहना है कि जो याचिका राष्ट्रपति को भेजी गई उस पर उसके हस्ताक्षर नहीं है। साथ ही आरोप लगाया गया है कि यह सब दिल्ली सरकार और तिहाड़ प्रशासन ने मिलकर यह खेल खेला है। शर्मा के वकील का यह भी दावा है कि यह चुनावी मौका है और चुनाव के लिए बली का बकरा बनाया जा रहा है।

इस मामले में सिंह ने राष्ट्रपति, गृहमंत्री, मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल को शिकायत देकर इस पूरे मामले में जांच कराने के लिए कहा है, ताकि यह साफ हो सके कि आखिर किस तरीके से इस फर्जी याचिका को दाखिल की है। वहीं तिहाड़ प्रशासन का कहना है कि दया याचिका विनय शर्मा ने ही लगाई है। विनय इस मामले का एक मात्र दोषी है, जिसने दया याचिका लगाई थी। अधिकारियों के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने दया याचिका पर अंतिम फैसले के लिए राष्ट्रपति को सिफारिश भेजी है। साथ ही केंद्र ने दया याचिका खारिज करने की अनुशंसा की है। ज्ञात हो कि दिसंबर 2012 में निर्भया दुष्कर्म और हत्या का मामला सामने आया।

चार दोषियों को फांसी की सजा सुनाई गई थी। 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत और हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था।

एनआरसी के खिलाफ आप का प्रदर्शन आज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने दावा किया कि पूरे देश में एनआरसी लागू करने की सरकार की योजना उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों को निशाना बनाने का षड्यंत्र है। उनकी पार्टी रविवार को यहां जंतर मंतर पर भाजपा नीत केन्द्र सरकार की इस योजना के खिलाफ प्रदर्शन करेगी।

प्रदर्शन का नेतृत्व आम आदमी पार्टी की पूर्वांचली इकाई के प्रमुख गोपाल राय करेंगे। पूर्वांचली पूर्वी यूपी और बिहार से आकर दिल्ली में बसे लोग हैं, जो यहां होने वाले चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा नेताओं ने भरी हुंकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में आगामी विधानसभा के चुनावों को लेकर भाजपा ने सत्ताधारी आम आदमी पार्टी के खिलाफ हुंकार भरी है। साथ की कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वो भाजपा की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाकर आप के झूठे प्रचार का पर्दाफाश करें।

इस बाबात तैयारियों को लेकर पार्टी की संगठनात्मक बैठक हुई। इस बैठक को केंद्रीय मंत्री एवं दिल्ली चुनाव प्रभारी प्रकाश जावडेकर और दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने संबोधित किया। जावड़ेकर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा मोदी सरकार ने अनधिकृत कालोनियों को नियमित करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। ये चुनावी फैसला नहीं है यह जनता के न्याय का फैसला है। अनधिकृत कालोनियों में रहने वाले 40 लाख लोगों के माथे पर पिछले 40 सालों से अनधिकृत का ठप्पा लगा था जिसको मोदी सरकार ने हटा दिया है।

केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के लोगों को हमेशा धोखे में रखा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि भाजपा की जीत कार्यकर्ताओं पर निर्भर करती है। दिल्ली की हवा दमघोंटू हो गई है, पानी जहरीला हो गया है लेकिन केजरीवाल सरकार ने दलगत राजनीति नहीं छोड़ी। प्रदेश महामंत्री रविन्द्र गुप्ता ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता नीतियों को घर-घर ले जाकर विस्तार से बताए।

दिल्ली छावनी में कार्यक्रम में जवानों से सलामी लेते केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

स्वच्छता बना जन आंदोलन : राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वच्छ भारत अभियान की सराहना करते हुए कहा कि देश में स्वच्छता एक जन आंदोलन बन गया है। यह मोदी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है। दिल्ली छावनी इलाके में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि बच्चे स्वच्छता के दूत बन गए हैं।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को विशेष प्लॉगिंग (सैर करते या दौड़ते वक्त कचरा बीनने) जागरूकता अभियान को भी हरी झंडी दिखाई और कहा कि लोग एकल इस्तेमाल में आने वाली प्लास्टिक के नकारात्मक प्रभाव को समझ गए हैं। बाद में उन्होंने इस अभियान में भाग भी लिया। सिंह ने दावा किया कि स्वच्छता अभियान में लोगों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

महात्मा गांधी ने देश की आजादी के लिए एक अभियान चलाया था जिसे हम सत्याग्रह आंदोलन के नाम से जानते हैं। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता का अभियान चलाया है जिसे स्वच्छाग्रह के तौर पर जाना जाता है और इसकी सफलता देशभर में देखी जा रही है।

नगर निगमों के स्कूलों में छात्रों और शिक्षक सीखेंगे आत्मरक्षा के गुर

नई दिल्ली। महापौर सुनीता कांगड़ा ने यह निर्देश दिये कि निगम के सभी विद्यालयों में छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जाए।

महापौर ने पश्चिमी जोन के निरीक्षण के दौरान यह कहा कि जैसा आजकल देश में लड़कियों की सुरक्षा चिंता का विषय बन गया है। निगम का यह दायित्व है कि वह सुरक्षा के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करें और उन्हें प्रेरित करे। कांगडा ने मादीपुर क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों का दौरा कर छात्राओं और अध्यापिकाओं को आत्मरक्षा के लिए प्रोत्साहित किया। महापौर ने राजा गार्डन और शिवाजी विहार क्षेत्र में पार्कों की स्थिति का जायजा लिया।

छह दिवसीय भारतेंदु नाट्य उत्सव मंडी हाउस स्थित कमानी ऑडिटोरियम आज से

नाटक मंचन के जरिए कलाकार देंगे सामाजिक संदेश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के कला और संस्कृति विभाग साहित्य कला परिषद 9 से 14 दिसंबर तक थिएटर फेस्टिवल 'भारतेंदु नाट्य उत्सव' का आयोजन करने जा रही है।

यह महोत्सव 12 तारीख तक मंडी हाउस स्थित कमानी ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। वहीं आखिरी दो दिन के नाटकों का आयोजन एलटीजी ऑडिटोरियम में होगा। छह दिवसीय इस लंबे उत्सव को पिछले 3 दशकों से अधिक समय से प्रतिवर्ष मनाया जा रहा है। यहां पर नई कलाकारों को एक मंच दिया जाता है। यहां मंचित होने वाले नाटक हमारे जीवन और समय का प्रतिनिधित्व करेंगे और प्रत्येक नाटक दर्शकों को एक सामाजिक संदेश देगा।

पहले दिन सदियां नाटक का मंचन होगा, जिसका निर्देशन अरविंद सिंह करेंगे। दूसरे दिन, प्रतिभा सिंह द्वारा निर्देशित नाटक राम की शक्ति पूजा का प्रदर्शन किया जाएगा। महान हिंदी कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने 1936 में प्रसिद्ध भारतीय महाकाव्य रामायण की युद्ध पृष्ठभूमि के साथ एक कविता प्रारूप में इसे लिखा है।

इसके बाद तीसरे दिन अ जर्नी ऑफ रोमियो जूलियट नाटक का मंचन होगा, जिसका निर्देशन मनोज कुमार त्यागी ने किया है। यह नाटक इस बात पर चर्चा करता है कि एक अभिनेता जीवन, मुक्ति, स्वतंत्रता इत्यादि की अवधारणाओं को कैसे मनाता है। चौथे दिन गोविंद सिंह यादव द्वारा निर्देशित शाशे के खिलौने का मंचन होगा। मूल रूप यह नाटक टेनेसी विलियम्स द्वारा लिखा गया है। पांचवें दिन काजल सोइस द्वारा निर्देशित नाटक अर्ध काव्य का प्रदर्शन किया जाएगा।

उत्सव छठे दिन प्रेम कबूतर नाटक के साथ समाप्त होगा। नाटक स्कूल के दिनों के बारे में है, स्कूल के दिनों के प्रेम को दर्शाते इस नाटक का निर्देशन समीप सिंह ने किया है।

नई प्रतिभाओं को मिलेगा मंच : सिसोदिया

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा, 'यह उत्सव तीन दशक से अधिक समय से मनाया जा रहा है और सभी लोगों के सहयोग और बेहतर प्रतिभाओं के साथ हम इस उत्सव को आने वाले दशकों तक जारी रहने की उम्मीद करते हैं। हमारा उद्देश्य हिंदी रंगमंच के क्षेत्र में आने वाली प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करना है। मैं हर एक कलाकार को शुभकामनाएं देता हूं। और उम्मीद करता हूं कि वह दुनिया भर में पहचाने जाएं।'

इंटीग्रेटिड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर जनता को समर्पित

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सेक्टर-44 में किया उद्घाटन

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम को सुपर स्मार्ट सिटी बनाने और यहां पर लोगों को जनसुविधाएं तकनीक के माध्यम से उपलब्ध कराने की दृष्टिगत मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को 38 करोड़ रुपये की लागत से सेक्टर-44 में आईआरसीटीसी बिल्डिंग में बनाए गए इंटीग्रेटिड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का उद्घाटन कर गुरुग्रामवासियों को समर्पित किया। ऐसी सुविधा वाला गुरुग्राम राज्य का पहला ऐसा शहर बन गया है।

इस मौके पर केन्द्रीय योजना, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री राव इन्द्रजीत सिंह भी उपस्थित थे। उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री व अन्य अतिथिगणों को अवगत कराया गया कि शहर के सभी सरकारी भवनों व पुलिस थानों को फाइबर नेटवर्क के

गुरुग्राम के सेक्टर-44 में इंटीग्रेटिड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का उद्घाटन के दौरान जानकारी लेते सीएम मनोहर लाल।

साथ जोड़ा जाएगा, लेकिन वर्तमान में शहर के 160 सरकारी भवनों व पुलिस थानों को फाइबर नेटवर्क के साथ जोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि शहर में अब तक विभिन्न तीन एजेंसियों द्वारा 400 किलोमीटर का आप्टीकल फाइबर बिछाया गया है और शहर के सभी सरकारी भवनों व आस-पास की ग्राम पंचायतों को डाटा सेंटर के क्लाउड नेटवर्क के साथ जोड़ा जाएगा। इस सेंटर में ऑनलाइन रियल टाइम एक्सेस, निगरानी के लिए डाटा का मूल्यांकन और रिपोर्ट, पेपरलैस कार्य, वाई-फाई के साथ हाई स्पीड बैंडविड्थ और इंटरनेट की सुविधा के साथ-साथ विभिन्न कार्यालयों में वीडियो कान्फ्रेंसिंग की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है।

सरकारी भवन होंगे वाई-फाई से लैस

मुख्यमंत्री को इस सेंटर में इंटीग्रेटिड स्मार्ट सर्विसेज के संबंध में बताया गया कि डाटा विश्लेषण व निगरानी के लिए सीसीटीवी प्रणाली, यातायात नियंत्रण व प्रबंधन, संपत्ति व भूमि रिकार्ड प्रबंधन, सार्वजनिक यातायात, स्ट्रीट लाइट निगरानी व नियंत्रण, ठोस कचरा प्रबंधन, एसटीपी पानी की गुणवत्ता की निगरानी, पेयजल आपूर्ति की निगरानी, पर्यावरण निगरानी, शहरी सेवा सहयोग केन्द्र और मेबाइल ऐप के माध्यम से नागरिक भागीदारी की भी सुविधा दी गई है ताकि गुरुग्राम को एक बेहतर स्मार्ट सिटी बनाया जा सकें। इस दौरान गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वी. उमाशंकर ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि आने वाले 6 से 9 माह के भीतर शहर के सभी सरकारी भवनों को पब्लिक वाई-फाई से सुसज्जित कर दिया जाएगा।

358 स्थानों पर लगेंगे 1200 सीसीटीवी कैमरे

मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि इस सेंटर की पहुंच बढ़ाने के लिए 358 इंटरसेक्शन प्वाईंट को चिह्नित कर योजना बनाई गई हैं और 1200 सीसीटीवी कैमरों को स्थापित किया जाएगा। फिलहाल वर्तमान में 50 इंटरसेक्शन प्वाईंट को कवर करके 250 सीसीटीवी कैमरों को संचालित किया है। उन्होंने बताया कि मार्च-2020 तक 222 चौराहों पर 1200 सीसीटीवी कैमरों को संचालित कर दिया जाएगा। शहर के 28 चौराहे ऐसे हैं जहां पर अधिकतम 24 कैमरे लगाए गए हैं और वहां पर हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर नजर रखी जा सकेगी। सेंटर में गाड़ी की स्पीड, पहचान, नंबर प्लेट, रंग की पहचान के अलावा हेलमेट रहित दोपहिया चालकों की पहचान की जा सकेगी। यही नहीं कैमरों के मदद से सड़कों के गड्ढे, जलभराव और धरना प्रदर्शन की स्थिति में भीड़ की गणना सुविधा के साथ-साथ चेहरे की पहचान भी संभव हो पाएगी।

महिलाओं की सुरक्षा में कमी नहीं आने देगी सरकार : मनोहर लाल

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा में सरकार की ओर से किसी भी तरह की कमी नहीं आने दी जायेगी। मेन पावर से लेकर तकनीकी वस्तुओं तक को अपडेट रखा जा रहा है। साथ ही देश में हो रही रेप की घटनायें दुखद हैं। ऐसे अपराधियों के साथ कानूनी रूप से सख्ती के साथ निपटा जायेगा। यह बात उन्होंने शनिवार को गुरुग्राम के स्वतंत्रता सेनानी हॉल में गीता जयंती पर आयोजित समारोह के दौरान मीडिया से बातचीत में कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई प्रोजेक्ट महिला सुरक्षा को लेकर सरकार ने चला रखे हैं। हर जिला में पुलिस प्रशासन को दुरुस्त रखा गया है। उन्होंने अधिक जानकारी देते हुये बताया कि हर जिला में महिला थानों की संख्या बढ़ाई गई है। सुरक्षा के मद्देनजर दुर्गा शक्ति वाहिनी यूनिट भी बनाई गई है। जिसमें पीसीआर में महिला पुलिस कर्मचारियों की मौजूदगी रहती है। स्कूल, कालेजों के आसपास भी इनकी तैनाती रहती है। महिला सुरक्षा को मोबाइल ऐप भी तैयार की गई है। इसके अलावा अब 112 डायल प्रोजेक्ट भी पाइपलाइन में है। इसके अस्तित्व में आने के बाद फायदा यह होगा कि इस प्रोजेक्ट के लिए 450 वाहन इसके बेड़े में शामिल होंगे।

सीएम ने किया विधायक सुधीर के कार्यालय का उद्घाटन

सीएम के स्वागत को उमड़े शहरवासी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शनिवार दोपहर को विधायक सुधीर सिंगला के कार्यालय का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने विधायक को कार्यालय की बधाई दी और उनकी पीठ थपथपाई। विधायक सुधीर सिंगला ने सादगी का परिचय देते हुये अपनी उम्र में बड़े मुख्यमंत्री मनोहर लाल से आशीर्वाद भी लिया। इस दौरान उनकी पत्नी सुनीता सिंगला भी साथ रही। इस उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी पहुंचे और विधायक को बधाई दी।

दोपहर को शमा पर्यटक केंद्र के सामने स्थित विधायक सुधीर सिंगला

गुरुग्राम स्थित नागरिक अस्पताल के पास विधायक सुधीर सिंगला के कार्यालय के उद्घाटन के बाद कार्यालय में मुख्यमंत्री मनोहर लाल को कन्हैया जी की मूर्ति भेंट करते विधायक सुधीर सिंगला एवं उनकी धर्मपत्नी सुनीता सिंगला।

के कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर काफी में समाज के अग्रणी लोगों, व्यापारियों, कार्यकर्ताओं की खूब भीड़ रही। भव्य तरीके से पूरे कार्यालय की सजावट की गई थी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के आगमन से करीब दो घंटे पहले ही कार्यालय परिसर लोगों से खचाखच भर गया। मुख्यमंत्री दोपहर को यहां पहुंचे और विधायक सुधीर सिंगला के कार्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने विधायक को इसके लिए बधाई भी दी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल कार्यालय के अंदर पहुंचे और विधायक के कार्यालय में सीएम विधायक सुधीर सिंगला के साथ मजाक के मूड में भी नजर आये। कार्यालय में विधायक सुधीर सिंगला ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को शॉल ओढ़ाकर कन्हैया जी की मूर्ति भेंट की। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने खुशी-खुशी वही शॉल वापस सुधीर सिंगला को ओढ़ाकर उनका स्वागत कर दिया। इस दौरान लोगों ने खूब तालियां बजाई और उनके जयकारे लगाये।

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत भी पहुंचे

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत भी विधायक के कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर पहुंचे। हालांकि वे मुख्यमंत्री के जाने के कुछ समय बाद यहां पर पहुंचे। उन्होंने विधायक सुधीर सिंगला को बधाई दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि यहां से शहर के विकास की योजनाओं पर वे भी कभी-कभी यहां आकर बात करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यालय की लोकेशन सही है, शहर के बीच में है।

गीता महोत्सव से अब तक जुड़े 20 देश

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को कला व आस्था के संगम गीता महोत्सव के दूसरे दिन लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न धार्मिक व स्वयंसेवी संस्थाओं और सरकारी विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में खासी रुचि दिखाई।

मुख्यमंत्री के सामने राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम से प्रसन्न होकर प्रतिभागी विद्यार्थी को 5100 रुपये की राशि पुरस्कार स्वरूप देने की घोषणा की। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भागवतगीता की शिक्षाएं जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में गीता महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले केवल कुरुक्षेत्र जिला में गीता जयंती का आयोजन किया जाता था लेकिन गीता में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा मानवता को दिए गए संदेश के महत्व को देखते हुए सन् 2016 से प्रदेश के सभी जिलों में इसका आयोजन शुरू किया गया है ताकि यह संदेश जन जन तक पहुंचे। मनोहर लाल ने कहा कि अब कुरुक्षेत्र में आयोजित किए जा रहे अंतराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में 20 देश भाग ले रहे हैं और यह कार्यक्रम वहां पर अब 16 दिनों तक चलाया जाता है। इस महोत्सव में भाग लेने वाले देशों का कहना है कि गीता के संदेश को केवल कुरुक्षेत्र तक ही सीमित न रखा जाए बल्कि दुनिया भर में पहुंचाया जाना चाहिए।

सोहना में वन-वे प्रक्रिया शुरू यातायात व्यवस्था में सुधार

सोहना में शनिवार से बाजार की सड़कों को वन-वे के इरादे से लगाया गया बैरिकेड।

सोहना। सोहना शहर को जाम से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से वन-वे प्रणाली को लागू किया गया है। पुलिस ने शहर के बीचों-बीच स्थित पुरानी तहसील परिसर के बाहर नाकाबंदी की गई है।

तीन दिन पहले एसडीएम डॉक्टर चिनार ने शहर में लगने वाले जाम से निपटने के लिए परिषद, पुलिस और व्यापार मंडल पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी। बैठक में शहर के बाजारों में बड़े वाहनों पर रोक और शहर में बैरिकेडिंग लगाए जाने का फैसला लिया था। जिसमें शहर की सड़कों को वन-वे किया जा सके। इस उद्देश्य से शनिवार को पुरानी तहसील परिसर के सामने नाकाबंदी की गई। वहां तैनात पुलिस कर्मी वाहनों को बाजार में जाने से रोकते देखे गए। पुरानी तहसील परिसर को पार्किंग के रूप में उपयोग किया जा रहा है।

क्या कहना है थाना प्रभारी का

सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवेन्द्र कुमार ने बताया कि सड़क, गलियां, चौक-चौराहे और बाजार के रास्तों में खड़े होने वाले वाहनों के चालान काटने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जा रही है, लेकिन शनिवार से शहर की सड़कों को वन-वे कर दिया है। शहर में बैरिकेड स्थापित किए गए हैं।

रास्ते में लगाई घटिया ईंटें ग्रामीणों ने किया विरोध, काम बंद

फरूखनगर। खंड के गांव सैदपुर से मोहम्मदपुर के बीच पंचायत द्वारा बनाये जा रहे रास्ते में लगाई जा रही घटिया ईंटों का ग्रामीणों ने विरोध किया। विरोध होता देख सरपंच ने घटिया ईंटों को वापिस ट्रैक्टर में लोड करके वापस भिजवाया।

ग्रामीणों ने पंचायत प्रतिनिधियों को चेतावनी दे डाली की अगर रास्ते निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग कराया गया तो वह विरोध ही नहीं, बल्कि प्रदर्शन करने से भी पीछे नहीं हटेंगे। पंच राकेश यादव ने बताया कि रास्ते के निर्माण में सरपंच इंद्रजीत द्वारा पीली ईंटों का प्रयोग कराया जा रहा है। मोहम्मदपुर के जोहड़ से सैदपुर का रास्ता बनाया जा रहा है। सरपंच अपनी मनमानी चला रहा है। दो व तीन नंबर की ईंटें लगाई जा रही है। इन ईंटो से बनाया रास्ता ज्यादा समय तक नहीं चल सकता है। इसलिए ग्रामीणों ने विरोध किया है। उन्होंने जिला उपायुक्त से मांग करते हुए कहा कि गांव के विकास के लिए 5-5 आदमियों की कमेटी का गठन करके उनकी निगरानी में कार्य राने चाहिए।

परिषद के अतिक्रमण अभियान से थर्राए दुकानदार

सोहना। नगरपरिषद के अतिक्रमण हटाओ से घबराए दुकानदारों और व्यापारियों ने व्यापार मंडल संघ से रोकने की गुहार लगाई है। व्यापार मंडल संघ ने रविवार को आपात बैठक बुलाई है। जिसमें विधायक को भी विशेष रूप से बुलाया गया है।

अतिक्रमण के खिलाफचलाए जा रहे अभियान का असर मात्र दूसरे दिन ही शहर के दुकानदारों और व्यापारियों के चेहरे पर दिखने लगा है। अभियान से डरे और भयभीत दुकानदारों ने अभियान को रोकने के लिए व्यापार मंडल संघ का सहारा लिया है। व्यापार मंडल संघ ने भी परिषद प्रशासन का अभियान रोकने के लिए रविवार को आपातकाल बैठक बुलाई है। व्यापारियों की यूनियन के पदाधिकारी और सोहना विधायक कंवर संजय सिंह को भी बुलाया है। ताकि विधायक के माध्यम से अधिकारियों पर अपना दबाव बनाया जाहिए। विधायक से मांग करेंगे कि शहर की सड़कों और रास्तों पर पट्टी खींची जाएगी। जो भी दुकानदार पट्टी से बाहर सामान रखता है, उसका चालान काटा जाना चाहिए। बताया कि शहर के दुकानदार ही अतिक्रमण के खिलाफ नीति तय करेगा।

विधायक की योजना पर सवाल

सोहना विधायक कंवर संजय सिंह ने पार्षदों के साथ परिषद कार्यालय में बैठक कर शहर को साफ-सुथरा बनाने की योजना पर अमल करने का कहा था। विधायक ने सप्ताह में दो दिन सामूहिक रूप से सफाई अभियान और शहर को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए एसडीएम के माध्यम से परिषद को आदेश जारी किए थे, लेकिन अब विधायक की योजना पर ही सवाल उठने लगे हैं।

परिषद ने दिए नोटिस

सोहना नगरपरिषद ने सरकारी दुकानों में बैठे करीब 150 दुकानदारों को अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी कर दिए हैं। जिसके लिए दुकानदारों को दो दिन का समय दिया है। यदि दुकानदार दो दिन में अतिक्रमण नहीं हटाते हैं तो उससे दुकान खाली कराने की चेतावनी दी है।

मांगों को लेकर दिन-रात धरना देने को मजबूर

गुरुग्राम। विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में चल रहे श्रमिक विवादों को लेकर श्रमिक संगठन ट्रेड यूनियन काउंसिल द्वारा सिविल लाईन क्षेत्र स्थित कार्यालय में इंटक के प्रदेशाध्यक्ष अमित यादव की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें काउंसिल के पदाधिकारी व श्रमिक नेता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

एटक के जिला महासचिव कामरेड अनिल पंवार ने बताया कि बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रुपरेखा तय की गई और श्रमिक विवादों को लेकर चर्चा की गई। श्रमिक नेता कामरेड सतबीर सिंह, सुरेश गौड़, कुलदीप जांघू ने कहा कि होण्डा मोटर्स, शिव ऑटो टेक, नपीनो ऑटो, मुंजाल शोवा, बेलसोनिका, कपारो मारुति सहित अन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों में श्रमिक व प्रबंधन के मध्य विवाद चलता आ रहा है। प्रबंधन व श्रम विभाग इन विवादों को सुलझाने में कोई पहल नहीं कर रहा है। श्रमिक जहां अपनी मांगों को लेकर दिन-रात धरना प्रदर्शन करने को मजबूर हैं, वहीं श्रमिकों में प्रबंधन के प्रति रोष व्याप्त होता जा रहा है।

कला उत्सव में बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सेक्टर-10 स्थित एल्पाइन स्कूल में दो दिवसीय कला उत्सव शुरू हुआ। इस उत्सव की शुरुआत समाजसेवी त्रिलोक शर्मा, मंजू भारती और कर्नल कुंवर प्रताप सिंह ने दीप प्रज्वलित करके की। इस कार्यक्रम में सैंकड़ों बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई।

चित्रकला प्रतियोगिता में लगभग 700 बच्चों ने भाग लिया। यहां दिए गए विषय पर मनमोहक चित्र बनाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। रंगोली एवं क्ले मॉडलिंग में 70 बच्चों ने भाग लिया। रंगोली के माध्यम से बच्चों ने मन के भाव को भी प्रदर्शित किया। संचालन करते हुए मदन साहनी ने कहा कि हमारा उद्देश्य बच्चों में सुरुचि को विकसित करना

गुरुग्राम के सेक्टर-10 स्थित एल्पाइन स्कूल में आयोजित दो दिवसीय कला उत्सव में भाग लेते बच्चे।

है। एकल देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता के समय सभागार देशभक्तिमय हो गया। मेरा कर्मा भी तू-मेरा धर्मा भी तू, ऐ वतन तेरे लिए, मैं रहूं या न रहूं-भारत ये रहना चाहिये जैसे गीतों से सभागार गुंजायमान हो उठा। प्रतिभागियों में उत्साह व राष्ट्र भावना देखते ही बन रही थी। देशभक्ति गीत के बाद आनंदित कर देने वाले भजन की प्रस्तुति बच्चों ने दी। लोकगीत गायन में भी बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। गायन प्रतियोगिताओं में कुल 90 बच्चों ने प्रतिभागिता की।

चित्रकला प्रतियोगिता प्राथमिक स्तर में जियान इंटर नेशनल की उपधृति सिंह, माध्यमिक स्तर में श्रीश्याम स्कूल की एकता ने, विद्यालय स्तर में यूरो इंटरनेशनल ने, उच्चतर विद्यालय स्तर में एसएन सिद्धेश्वर सेक्टर-9 के निखिल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

रंगोली प्रतियोगिता में लार्ड जीसस के अनुज व हर्षिता की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता में लार्ड जीसस स्कूल के जितेश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एकल सुधीर त्रिपुरारी, त्रिलोक कौशिक, एसके रोहिल्ला, अंजलि श्रीवास्तव ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस अवसर पर अरुण माहेश्वरी, कुलदीप हिंदुस्तानी वीणा अग्रवाल, लाडो कटारिया अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज की। हरीन्द्र यादव, आरएस पसरीचा, नरोत्तम शर्मा, सुनील पुजारी, टीआर मलिक, सुरिंदर मनचन्दा ने भी सहयोग किया।

गीता कहती है कर्म कर फल की इच्छा न रख : विधायक

नूंह। नूंह में गीता जयंती कार्यक्रम के दूसरे दिन सोहना के विधायक कंवर संजय सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर भगवत गीता ग्रंथ का को नमन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया तथा विभिन्न भागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी स्टालों का रिबन काटकर अवलोकन किया।

मौके पर उपमंडल अधिकारी नागरिक प्रदीप अहलावत, जिला शिक्षा अधिकारी सूरजभान, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कपिल पूनिया, जिला सूचना जनसंपर्क अधिकारी सुरेश कुमार गुप्ता सहित इन विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे। विधायक ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि गीता एक ग्रंथ ही नहीं बल्कि बेहतर जीवन जीने का एक सिद्धांत भी है। उन्होंने कहा कि भगवत गीता भारतीय संस्कृति धर्म एवं दर्शन पर गहरा प्रभाव रहा है। गीता किसी विशेष धर्म व समुदाय के लिए नहीं बल्कि पूरी मानव जाति के लिए एक ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार गीता के संदेश को घर-घर तक पहुंचाने के लिए बेहतर रूप से कार्य कर रही है। आज पूरे विश्व में गीता का ज्ञान लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। गीता के संदेश में लोगों को बेहतर जीवन जीने और समाज निर्माण करने का संदेश मिलता है। गीता में कर्म करने की जो शिक्षा दी गई है उसके आधार पर व्यक्ति को कर्म करते रहना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

हैदराबाद रेपिस्ट के एंकाउंटर पर महिला ने बांटे लड्डू

गुरुग्राम। हैदराबाद रेप व हत्याकांड के आरोपियों को पुलिस हिरासत से भागने के दौरान एनकाउंटर में मार गिराये जाने की खुशी अभी कम नहीं हुई है। कल से रात भर भी देश में जश्न का माहौल रहा। शनिवार को भी गुरुग्राम में पुलिस की कार्यप्रणाली से खुश होकर लड्डू बांटे गये। यहां राजेंद्रा पार्क में जन सेवा समिति की ओर से समिति की अध्यक्ष रूपा पटेल ने कहा कि पुलिस ने यह अच्छा कार्य किया है। हालांकि यह काम पुलिस को मजबूरी में करना पड़ा। उन्होंने कहा कि बेटियों के साथ इस तरह के जघन्य अपराधों की सजा अदालतों में भी जल्दी से दी जानी चाहिये। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसी मानसिकता के लोगों की पहचान बहुत जरूरी है। चाहे राज्य कोई भी हो, ऐसी प्रवृति के लोग हर जगह होते हैं। हमें खुद भी संभलना होगा। सरकार को भी चाहिये कि देश में महिलाओं, बेटियों को अगर आगे बढ़ते देखना है तो फिर उन्हें सुरक्षित माहौल देना होगा। रूपा पटेल ने हैदराबाद एनकाउंटर की खुशी यहां स्कूल बच्चों के बीच लड्डू बांटकर मनाई। उन्होंने कहा कि महिला डॉक्टर के साथ हुये अपराध का उन्हें दुख है लेकिन अपराधियों के मारे जाने की खुशी भी है। इस मौके पर पूजा, रिया, रश्मि, हर्षिता, नेहा, छोटी, श्वेता आदि बच्चियों ने भी सरकार से मांग की है कि बेटियों को अच्छा माहौल दिया जाये, ताकि वे देश की तकदीर लिख सकें।

जाम से निपटने के लिए चौक-चौराहों पर पुलिस कर्मी तैनात

नूंह। नूंह जिले के पिनगवां कस्बे में आए दिन लगने वाले जाम से लोगों को मुक्ति दिलाने के लिए पिनगवां थाना प्रभारी ने एसपी के आदेशानुसार कस्बे में जगह-जगह चौक-चौराहों पर पुलिस के जवानों को तैनात कर एक नई पहल शुरू कर दी है। ताकि लोगों को जाम निजात मिल सके। कस्बे में तैनात पुलिस कर्मी दिन भर लोगों को जाम की समस्या से निजात दिलाने का काम करते हैं। थाना प्रभारी चंद्रभान ने बताया कि कस्बे में जाम लगने पर लोगों की कई बार शिकायतें आई थीं, जिन पर कार्रवाई करते हुए पहले तो अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाकर कस्बे को अतिक्रमण से मुक्त कराया, उसके बाद सभी रेहडी, ठेला व दुकानदारों को थाने में बुलाकर एक मीटिंग ली, जिसमें सभी को अतिक्रमण न करने को कहा है। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी लोगों को जाम की समस्या से दो चार न होना पड़े इसके लिए कस्बे में ढाणा मोड़, शिकरावा मोड़ व लडकियों की सुरक्षा के लिए गर्ल्स स्कूल पर जवानों को तैनात कर दिया है, ताकि जाम से निजात मिलने के साथ-साथ लड़कियां भी सुरक्षित रहें। उन्होंने बताया कि नाकों पर तैनात पुलिस कर्मी दिन भर लोगों की सेवा में तत्पर रहते हैं। ताकि किसी को भी जाम की परेशानी से न गुजरना पड़े।

पुलिस ने मोबाइल छीनकर भाग रहे दो आरोपी दबोचे

नूंह। पिनगवां कस्बे में लालदास मंदिर के पास से बाइक सवार दो युवकों ने एक व्यक्ति से मोबाइल छीन लिया और भागने लगे। युवक ने इसकी शिकायत पिनगवां थाने में दर्ज करा दी। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए घटना से कुछ समय बाद ही दोनों आरोपियों को कस्बे से ही गिरफ्तार कर लिया, जिनसे पुलिस ने मोबाइल भी बरामद कर लिया है। जांच अधिकारी ओमबीर ने बताया कि आरोपी शकील पुत्र यासीन व तौफिक पुत्र आस मोहम्मद निवासी रायपुर सहित दोनों आरोपियों ने कस्बे के लाल दास मंदिर के पास से एक व्यक्ति से झपटकर मोबाइल छीन लिया, जैसे ही पीड़ित व्यक्ति ने शोर मचाया तो आरोपी बाइक को लेकर भागने लगे। इसके तुरंत बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी, जिस पर संज्ञान लेते हुए पुलिस ने नाका बंदी करके आरोपियों को कस्बे में घूमते हुए दबोच लिया। जिनके खिलाफ मामला दर्ज कर अदालत में पेश कर दिया गया है।

ढाई करोड़ की लागत से बनेगा स्वतंत्रता सेनानी स्मारक

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने यहां सिविल लाइन्स स्थित स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद् भवन परिसर में स्वतंत्रता सेनानी स्मारक का शिलान्यास किया। यह स्मारक नगर निगम गुरुग्राम द्वारा बनाया जाएगा, जिसके निर्माण पर लगभग ढाई करोड़ रुपये की राशि खर्च होगी। यह स्मारक लगभग छह महीनों में बनकर तैयार होगा। इस स्मारक पर जिला भर के लगभग 250 स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखे जाएंगे। इसके अलावा यहां एक डिजीटल लाइब्रेरी भी बनाई जाएगी जहां पर स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़ा साहित्य रखा जाएगा। इस स्मारक पर 1857 की क्रान्ति से लेकर अब तक के स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र भी लगे होंगे। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अमित खत्री, एडिशनल म्युनिसिपल कमीश्नर वाईएस गुप्ता, चीफइंजीनियर एन डी वशिष्ठ, एक्सईएन अमित शांडिल्य, स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी समिति के जिलाध्यक्ष कपूर सिंह दलाल, सूबेदार बिजेन्द्र सिंह ठाकरान, जिला सैनिक बोर्ड के सचिव विंग कमांडर एनसी शर्मा, कर्नल केएस भारद्वाज, लेखराज राघव, रोशनलाल यादव, विरेन्द्र यादव, मनोज यादव, बलराज अहलावत, सुबेदार सज्जन सिंह, मास्टर माताद्दीन यादव सहित कई गणमान्य अधिकारी उपस्थित थे।

सरपंच के घर ग्रामीणों ने किया पथराव, बेटे को लाठी-डंडों से पीटा

सोहना। भोंडसी थाना के गांव हरियाहेड़ा में रंजिश के चलते सरपंच के घर के बाहर पत्थर बरसाए। 10 से 15 लोगों पर लाठी-डंडा व कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हरियाहेड़ा के सरपंच पुत्र इरशाद ने बताया कि शनिवार सुबह आठ बजे गांव के ही निवासी करीब 15 लोगों ने उनके घर पर पथराव कर दिया। साथ ही उसके ऊपर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। उसने अपने घर में छिप कर जान बचाई। इरशाद ने बताया कि उसके परिजन भी कमरों में छिप गए। सूचना मिलने पर भोंडसी पुलिस ने मौका मुआयना किया। एएसआई प्रमोद ने बताया कि रंजिश के चलते हमलावरों ने झगड़ा किया है। पहले भी दोनों गुटों में झगड़े हुए हैं। इरशाद को सोहना के नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया है। जांच पूरी होने पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया जाएगा।

फरुखनगर में स्ट्रीट लाइट्स खराब, चोरी का सता रहा डर

फरूखनगर। भले ही प्रदेश के गृह मंत्री अनिल विज किसी भी समस्या का समाधान मात्र फोटो खींच करके भेजने मात्र से 24 घंटे में हल करने का दावा कर रहे हो। लेकिन फरूखनगर कस्बा में नपा कर्मचारी मंत्री की मुहिम पर कार्य न करके लोगों की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दे रहे। नपा कर्मचारियों व अधिकारियों की लापरवाही के चलते कस्बा फरुखनगर के बस

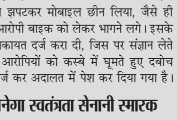

अड्डे, बाजार, पटौदी रोड, झज्जर रोड, गुरुग्राम रोड पर लगाई गई हाई मास्ट व फैंसी लाइट आदि स्ट्रीट लाइटें पिछले एक पखवाड़े से खराब पड़ी है। कर्मचारी शिकायतों पर ध्यान नहीं दे रहे है। नगरपालिका पार्षद मुरारी लाल सैनी, दीपक यादव, ज्योति सैनी, सुंदर लाल गोयल, पूर्व नगर पार्षद नीरू शर्मा, चंद्रभान सैनी, अनु जैन, गरुड़ रोहिल्ला, राहुल तायल, आशु जैन, पप्पू सैनी, धर्मपाल सैनी आदि का कहना है कि हरियाणा के पूर्व लोक निमार्ण मंत्री राव नरबीर सिंह ने फरुखनगर के बस स्टेंड से झज्जर, पटौदी, गुरुग्राम रोड पर लाखों रुपए की लागत से पूरे हरियाणा की सबसे सुंदर लाइटें करीब दो साल पहले लगवाई थी। लेकिन पिछले एक पखवाड़े से मंत्री द्वारा लगाई गई लाइटें ही नहीं, बल्कि हाइमास्ट और अधिकांश गलियों में लगाई गई लाइट्स बंद पड़ी हुई है।

गोरक्षकों पर ताबड़तोड़ फायरिंग पशु तस्कर गाड़ी छोड़कर भागे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मोहना गांव निकट बीती रात लगातार पीछा करने पर पशु तस्करों ने हत्या करने के इरादे से गोरक्षकों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। गाड़ी के शीशे पर गोली लगने के बावजूद गौरक्षक पीछा करते रहे। यमुना नदी के पुल पर पुलिस का नाका देखकर पशु तस्कर अपनी स्कॉर्पियो छोड़ कर अंधेरे में भागने लगे। गोरक्षकों और पुलिस ने एक आरोपी को तो दबोच लिया, लेकिन अन्य भागने में कामयाब हो गए है। तस्करों की गाड़ी से पुलिस ने चार गाय बरामद की है।, जिन्हें पुलिस ने गौशाला भेज दिया है।

थाना छांयसा में दर्ज मामले के मुताबिक गऊ रक्षा युवा वाहिनी ट्रस्ट के सदस्य अशोक उर्फ बाबा ने अपनी शिकायत में कहा है कि शुक्रवार रात को उन्हें सूचना मिली कि मोहना गांव में कुछ लोग पशु चोरी करने के लिए आ रहे हैं। गोरक्षकों ने पुलिस कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दे दी। सूचना के बाद पुलिस भी सक्रिय हो गई। अशोक उर्फ बाबा ने अपने साथी विकास, मोहन और पवन को साथ लेकर स्कॉर्पियो गाड़ी का पीछा शुरू कर दिया। सभी लोग मोहना गांव के निकट पेट्रोल पंप के पास आकर खड़े हो गए। तभी उन्हें काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी आती दिखाई दी। ट्रस्ट के सदस्यों ने गाड़ी को रुकने का इशारा किया, लेकिन उन्होंने गोड़ी रोकने की बजाय रफ्तार बढ़ा दी।

अशोक उर्फ बाबा ने भी अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी को उनके पीछे लगा दिया। गाड़ी पीछे आते देख पशु चोरों ने पथराव व फायरिंग शुरू कर दी। गोली अशोक बाबा की गाड़ी के शीशे पर आकर लगी, लेकिन उन्होंने पीछा जारी रखा। तभी पशु चोरों ने अपनी गाड़ी को यमुना पुल की ओर मोड़ दिया। जहां पर पुलिस का नाका लगा हुआ था। पुलिस को देखकर पशु चोर अपनी गाड़ी को छोड़कर अंधेरे में भागने लगे।

इस दौरान एक आरोपित को पकड़ लिया गया, जिसकी पहचान पलवल के खटैला गांव निवासी सलाउद्दीन के रूप में हुई है। आरोपियों की गाड़ी से पुलिस को चार जीवित गाय मिलीं। इसके अलावा गाड़ी से एक रस्सी व दो जिंदा कारतूस भी मिले। आरोपी युवक की तलाशी लेने पर उसके पास से एक देसी पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस व दो खाली कारतूस बरामद हुए। थाना छांयसा प्रभारी सुभाष ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस चौकी की नाक के नीचे दुकान से लाखों की चोरी

बल्लभगढ़। यहां के मैन बाजार स्थित अग्रसेन पुलिस चौकी के निकट स्थित एक दुकान की छत का दरवाजा तोड़कर बीती रात अज्ञात चोर एक लाख रुपये की नकदी और अन्य कीमती सामान चुरा कर फरार हो गए।

थाना शहर पुलिस के मुताबिक चावला कॉलोनी के मुकेश मंगला ने अपनी शिकायत में कहा है कि उनका बोहरा मिल्स के सामने प्रोविजन स्टोर है। शनिवार सुबह जब वह दुकान पर आए, तो देखा कि गल्ले में रुपये नहीं थे। इस पर उन्होंने तलाश की, तो पाया कि छत का दरवाजा खुला हुआ था, जिसे वह बंद करके गए थे। रात को चोरों ने दरवाजे को तोड़कर दुकान में प्रवेश कर लिया। चोर करीब एक लाख रुपये की नकदी के अलावा करीब एक लाख रुपये से अधिक के ड्रा फ्रूट भी चोरी कर ले गए हैं। चोरी की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी व अपराध शाखा की टीम पहुंच गई। इस दौरान बाजार के व्यापारी भी इकट्ठे हो गए, जिन्होंने पुलिस की कार्यशैली को लेकर रोष जताना शुरू कर दिया। एसएचओ राजीव कुंडू ने आश्वासन दिया कि चोरों की तलाश में थाना पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीम लगाई गई हैं।

ईएसआई मेडिकल कॉलेज में जल्द बनेगा ट्रामा सेंटर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

घायलों को इलाज में राहत देने के उद्देश्य से एनएच तीन स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में ट्रॉमा सेंटर बनाया जा रहा है। इसके लिए कॉलेज प्रबंधन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। ट्रॉमा सेंटर की फिजीबिलिटी रिपोर्ट तैयार की जा रही है। जल्द इस रिपोर्ट को मंजूरी के लिए मुख्यालय भेजा जाएगा। वहां से मंजूरी मिलने के बाद इस पर काम शुरू कर दिया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक करीब 30 लाख से ज्यादा की आबादी वाले इस जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर कहीं पर भी फिलहाल ट्रामा सेंटर नहीं है। इस वजह से सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं में लोगों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता है। सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं के अभाव के कारण मजबूरी में दुर्घटना के शिकार लोगों को निजी अस्पतालों में दाखिल कराया जाता है। निजी अस्पतालों का खर्च वहन करना आम व्यक्ति के बस की बात नहीं होती है। होडल से बदरपुर तक के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग पर होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के शिकार लोगों को सुविधाओं के अभाव में गंभीर रूप से घायल होने वाले व्यक्तियों को यहां से तुरंत दिल्ली रेफर कर दिया जाता है। इस समस्या को देखते हुए ईएसआई प्रशासन ने ट्रामा सेंटर की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। मृत्यु दर में कमी लाने और सड़क दुर्घटना में घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध करवाने के लिए मेडिकल कॉउसिंल ऑफ इंडिया (एमसीआई) ने ट्रॉमा सेंटर बनाने के निर्देश जारी किए गए है। एमसीआई से मिले निर्देश के बाद मुख्यालय स्तर पर ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में ट्रॉमा सेंटर बनाने की योजना तैयार की गई है।

फिजीबिलिटी रिपोर्ट तैयार करेंगे

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल के रजिस्ट्रार अनिल पांडे ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में ट्रॉमा सेंटर बनाने की योजना पर बनाई गई है। इस योजना पर काम शुरू कर दिया गया है। ट्रॉमा सेंटर की फिजीबिलिटी रिपोर्ट तैयार कर जल्द मुख्यालय को भेजी जाएगी। मंजूरी मिलने के बाद इस पर काम शुरू कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने त्रिखा परिवार को ढाढस बंधाया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर शनिवार की सुबह बड़खल की विधायक सीमा त्रिखा की सास सुशीला त्रिखा के निधन पर शोक जताने उनके घर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय सुशीला त्रिखा के चित्र पर फूल चढ़ाकर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए और शोक संतप्त परिवार को ढाढस बंधाया। स्वर्गीय सुशीला त्रिखा की आयु लगभग 77 वर्ष थी और वे पिछले कुछ समय से बीमार चल रही थीं। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

मुख्यमंत्री के आने के समय विधायक सीमा त्रिखा के निवास पर उनके पति अश्वनी त्रिखा, देवर अतुल त्रिखा, जेठ दीपक त्रिखा, भाई मोहित मल्होत्रा, बहन प्रिया बब्बर के अलावा आनंद कांत भाटिया भी उपस्थित थे। शोक व्यक्त करने वालों में केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा, विधायक नरेन्द्र गुप्ता, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार अजय गौड़, भाजपा प्रवक्ता राजीव जेटली, मेयर सुमन बाला, उपायुक्त अतुल कुमार, एमसीएफ कमिश्नर सोनल गोयल, ज्ञानचंद आहूजा, श्याम सुंदर कपूर सहित कई समाज सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

शनिवार शाम को लखानी धर्मशाला में भी एक शोक सभा आयोजित की गई, जिसमें शहर के नेताओं, उद्यमियों, पत्रकारों, शिक्षाविदों, डॉक्टरों, वकीलों और अन्य गणमान्य लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

निजी स्कूलों के खिलाफ एसएफआरसी में शिकायत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केजी में दाखिले के लिए एनसीईआरटी ने गाइडलाइन बनाई हुई हैं, लेकिन स्कूल प्रबंधक इनका पालन नहीं कर रहे हैं। अभिभावक एकता मंच ने चेयरमैन फीस एंड फंड रेगुलेटरी कमेटी कम मंडल आयुक्त को पत्र लिखकर स्कूल प्रबंधकों द्वारा नर्सरी और केजी के लिए किए जा रहे दाखिले में इन गाइडलाइन के विपरीत कार्य करने की शिकायत की है।

मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा ने कहा है कि एनसीईआरटी ने 2018 में ही नर्सरी में एडमिशन के लिए सभी राज्यों को गाइडलाइन जारी की थीं, जिसको हरियाणा के मौलिक शिक्षा निदेशक ने 20 दिसंबर 2018 को सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी को भेजकर उनका सभी प्राइवेट स्कूलों से पालन करवाने के निर्देश दिए थे, लेकिन जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी फरीदाबाद ने एनसीईआरटी की इन गाइडलाइन को आगे स्कूल प्रबंधन के पास पालन करने के लिए नहीं भेजा, जिसके चलते स्कूल प्रबंधकों की मनमानी शिक्षा सत्र 2019-20 में जारी रही और अब आगामी शिक्षा सत्र 2020-21 में भी मनमानी जारी है। मंच ने छह दिसंबर को इसकी शिकायत मय सबूतों के चेयरमैन एफएफआरसी से की है। मंच ने कहा है कि एनसीईआरटी की गाइड लाइन के अनुसार नर्सरी में दाखिले के लिए बच्चे की उम्र कम से कम तीन साल होनी चाहिए। शिक्षक और छात्रों का रेशो 1:25 होना चाहिए। शिक्षक के पास प्री स्कूल एजुकेशन में डिप्लोमा होना चाहिए। कक्षा एक से पहले प्री स्कूल एजुकेशन सिर्फ दो साल की होनी चाहिए, जबकि स्कूल प्रबंधकों ने नर्सरी, केजी, एलकेजी, यूकेजी नाम से 4-4 कक्षाएं बना रखी हैं।

शिक्षा नियमावली के नियम के अनुसार आगामी शिक्षा सत्र में नर्सरी, केजी में किए जाने वाले दाखिले में एडवांस के रूप में कोई फीस नहीं लेनी चाहिए, सिर्फ टोकन रजिस्ट्रेशन फीस लेनी चाहिए। पढ़ाई की अवधि चार घंटे तय की गई है। अभिभावक एकता मंच ने इन गाइडलाइन का स्वागत किया है, लेकिन उसका कहना है कि स्कूल प्रबंधक इनका पालन नहीं कर रहे हैं और न ही स्थानीय शिक्षा विभाग के अधिकारी इनका पालन करवाने के लिए कोई प्रयास कर रहे हैं।

युवती से रेप, अश्लील वीडियो वायरल की धमकी

बल्लभगढ़। यहां की एक कॉलोनी में रहने वाली युवती से दुष्कर्म करने और अश्लील वीडियो वायरल कर जान मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

पीड़िता ने पुलिस में शिकायत की है कि शिव हरिजन कॉलोनी निवासी मनोज नामक युवक उसे करीब डेढ़ साल से लगातार परेशान कर रहा है। वह पापा, भाई और जीजा को जान से मारने की धमकी देता रहता है। अक्टूबर 2018 में उसने उससे दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने लगा। वह वीडियो को सोशल साइटों पर वायरल करने की धमकी देकर परेशान करता रहता है। एक सप्ताह पहले भी उसने जान से मारने की धमकी देकर दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

पिस्तौल के बल पर बदमाशों ने मिनी बैंकर को लूटा

फरीदाबाद। संजय कॉलोनी स्थित एक दुकान पर बीती रात बाइक सवार तीन अज्ञात बदमाशों धावा बोल दिया। एक बदमाश बाहर खड़ा रहा। जबकि दो अन्य पिस्तौल और चाकू लेकर दुकान में जा घुसे। बदमाशों ने जान से मारने की धमकी देते हुए दुकानदार से 40 हजार रुपये की नकदी व मोबाइल फोन लूट लिया और धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित व्यक्ति मनी ट्रांसफर का काम करता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

थाना मुजेसर में दर्ज मामले के मुताबिक सेक्टर 22 में रहने वाले विपुल अग्रवाल ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह संजय कॉलोनी की दुकान में एक मिनी बैंक का संचालन और मनी ट्रांसफर करने का काम करते हैं। अन्य दिनों की तरह शुक्रवार की रात को भी वह अपनी दुकान पर बैठ कर अपना काम कर रहे थे। तभी रात करीब साढ़े आठ बजे एक बाइक ठीक उनकी दुकान के सामने आकर रुकी। एक युवक बाइक स्टार्ट किए बाहर खड़ा रहा। जबकि अन्य दोनों धड़धड़ाते हुए अंदर घुस आए।

अंदर आने पर एक युवक ने पिस्तौल और दूसरे ने चाकू तान दिया। दोनों जान से मारने की धमकी देते हुए उसे नकदी सौंपने की मांग करने लगे। विरोध करने पर बदमाशों ने गल्ले में रखे करीब 40 हजार रुपये और एक मोबाइल फोन लूट दिया। फिर बदमाश पुलिस को शिकायत करने पर उसे जान से मारने की धमकी देते हुए बाहर निकल गए और अपने साथी की बाइक पर सवार होकर मौके से फरार हो गए। उसने मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दे दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस द्वारा उस मोबाइल नंबर पर फोन करने पर बदमाश उसे नव चेतना अस्पताल के पास फेंक कर फरार हो गए। जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। पुलिस ने लूटपाट करने का मामला दर्ज कर अज्ञात बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

पूर्व मंत्री विपुल गोयल के कार्यालय से शिरडी धाम के लिए बस रवाना

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पूर्व मंत्री विपुल गोयल के बड़े भाई ओर वरिष्ठ समाजसेवी विनोद गोयल द्वारा कार्यालय सागर सिनेमा, सेक्टर 16 फरीदाबाद से श्रद्धालुओं की बस को शिरडी साईं धाम के लिए किया रवाना किया और तीर्थ यात्रियों को मंगलमय यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।

इससे पहले गोयल जब कार्यालय पर पहुंचे, तो उनके सभी कार्यकर्ताओं ने अपने नेता के जयकारे लगाए और चुनाव न लड़ने पर भी यात्राओं के दौर को जारी रखने पर प्रशंसा करते नजर आए। गोयल ने कहा की इस तरह की तीर्थ यात्राएं वो हर महीने भेजते हैं और पिछले पांच सालों से हजारों लोगों को शिर्डी साईं के अलावा हरिद्वार, वैष्णो देवी माता के आशीर्वाद ओर दर्शन हेतु भेजते आये हैं। गोयल ने कहा कि उनके लिए मानव सेवा ही परम धर्म है और वह इस तरह के कार्य अपने जीवन काल में पहले से ही करते आ रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने हर श्रद्धालु से फरीदाबाद और हरियाणा में तरक्की और अमन के लिए प्रार्थना करने की अपील की।

इस कायक्र म में प्रवीण चौधरी, विजय शर्मा, नरेश नंबरदार, पं. सुरेंद्र बबली, मनीष राघव, सुरजीत अधाना, विनोद प्रधान, कोमल पंडित, सुभाष भगत, गौरव ठाकुर, चंचल दांगी, मीना कुमारी व अन्य कार्यकर्ता बंधु मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

नेत्र जांच शिविर में 263 मरीजों की जांच

फरीदाबाद। सेक्टर 46 स्थित कम्युनिटी सेंटर में आश्रम कंत दर्शन दरबार द्वारा सतगुरु दर्शन दास के जन्म दिवस के मौके पर निशुल्क नेत्र जांच शिविर, मोतियाबिंद आपरेशन व एक्यूप्रेशर व कलर थैरेपी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सेंटर फॉर साइट की द्वारका सेक्टर-9 से आई योग चिकित्सकों की टीम द्वारा कुल 263 मरीजों की जांच की। इसमें 100 मरीजों को चश्मों की आवश्यकता महसूस हुई, जिनको नंबर के चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे तथा 40 मरीजों का नेत्र आपरेशन हेतु चयनित किया गया। उनका रजिस्ट्रेशन कर आपरेशन की तिथि दे दी गई। सभी मरीजों व उनके तीमारदारो को खाद्य सामग्री वितरित की गई। टीबी (तपेदिक) के मरीजों को कंबल भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में महाराज दर्शन दास चैरीटेबल ट्रस्ट के बाबा गुरुदित्ता मल, हरियाणा रेडक्रास की सदस्य सुषमा गुप्ता व जिला रेडक्रास सोसायटी के सदस्य पुरुषोत्तम सैनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सायंकाल सतगुरु दर्शनदास के आगमन दिवस के उपलक्ष्य में रुहानी सत्संग का आयोजन किया गया, जिसमें महाराज घसीटा राम कंत द्वारा श्रद्धालुओं को प्रवचन दिए गए। श्रद्धालुओं को नाम दान भी दिए गए तथा शानदार मुशायरा का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रधान चरणजीत सिंह, उपप्रधान दास हजारी लाल, सचिव अनिल पोपली व राजीव कोचर, लोकेश शर्मा, वीरेंद्र सेनी, मनीष, सुबोध तथा टीबी कोडीनेटर मधु भाटिया आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विभिन्न दुर्घटनाओं में दो व्यक्तियों की मौत, एक घायल

फरीदाबाद। गुरुग्राम रोड पर तेज रफ्तार से दौड़ रही एक बाइक का अचानक संतुलन बिगड़ गया। इस दुर्घटना में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। एक अन्य सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। सूत्रों के मुताबिक वाईएससीए के निकट स्थित इंदिरा कॉलोनी निवासी मुरारी लाल राजमिस्त्री है। उनकी बेटी का विवाह गुरुग्राम निवासी बिजेंद्र के साथ हुआ था। गतदिवस मुरारी लाल का बेटा महेश अपनी बहन से मिलने के लिए गुरुग्राम गया था। रात को वहां रुकने के बाद महेश सुबह अपने जीजा बिजेंद्र के साथ बाइक पर घर लौट रहा था। तभी गुरुग्राम रोड पर चौधरी ढाबे के पास अचानक महेश की बाइक का संतुलन बिगड़ गया और बाइक से गिर कर दोनों घायल हो गए। दोनों को पुलिस ने अस्पताल पहुंचा दिया। जहां जांच के बाद डाक्टरों ने महेश को मृत घोषित कर दिया। एक अन्य मामले में गांव झाड़सेतली निवासी 50 वर्षीय दिनेश दो नवंबर को बाइक पर सवार होकर काम से लौट रहे थे। बाइपास रोड पर किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारकर उन्हें घायल कर दिया था। उन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया। जहां इलाज के दौरान बीती रात उनकी मौत हो गई। दोनों शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिए गए हैं। पुलिस ने मामले दर्ज कर लिए हैं।

डबुआ सब्जी मंडी में उड़ाई जा रहीं नियमों की धज्जियां

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रदेश भर में पॉलीथिन मुक्त अभियान चलाया जा रहा है और जगह-जगह निगमायुक्त, मंत्री, विधायक और नेता व अधिकारी खुद कपड़े से बने थैले बांटकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं, लेकिन शहर की सबसे बड़ी डबुआ सब्जी मंडी में पॉलीथिन मुक्त अभियान की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। दुकानदार पॉलीथिन बेच रहे हैं। मार्केट कमेटी के अधिकारियों ने भी इसे अनदेखा कर रखा है। वहीं निगम के अधिकारी भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे है, जिसके कारण लगातार वातावरण को हानि हो रही है।

नहीं है पॉलीथिन मुक्त

शहर की सबसे बड़ी मंडी होने के बावजूद भी डबुआ मंडी पॉलीथिन मुक्त नहीं है। यहां रोजाना करोड़ों का व्यापार किया जाता है, लेकिन यहां बिक्री होने वाले खाद्य पदार्थों व सब्जियों को बेचने के लिए पॉलीथिन का इस्तेमाल धड़ल्ले से किया जा रहा है। निगम के अधिकारी छोटी मंडियों और बाजारों में जाकर वहां विक्रेताओं को पॉलीथिन मुक्त का संदेश देकर वातावरण साफ रखने की गुहार लगाते हुए, थैले बांटकर पॉलीथिन विरोधी अभियान को बढ़ावा देने का नाटक कर रहे है। मंडी में पॉलीथिन का इस्तेमाल सरेआम किया जा रहा है।

उप सचिव का कथन

डबुआ मंडी के मार्केट कमेटी के उपसचिव रणधीर सिंह ने कहा कि मार्केट कमेटी की ओर से समय-समय पर पॉलीथिन जांच अभियान चलाया जाता है। कई बार भारी मात्रा में पॉलीथिन जप्त भी की गई है, अगर कोई दुकानदार लगातार लापरवाही बरत रहा है, तो उसकी पॉलीथिन जप्त करने के साथ सख्त कार्रवाई की जाएगी। भारी जुर्माना लगाया जाएगा।

रेहड़ियों पर बिकती हैं पॉलीथिन

फल व सब्जियों की बिक्री के लिए रोजाना डबुआ मंडी में हजारों किसान आते है। यहां मौजूद दुकानदार सब्जियों व फलों की खरीद व बिक्री के लिए पॉलीथिन का इस्तेमाल कर रहे है। दुकानदारों की सहूलियत के लिए मंडी के प्रवेश द्वार पर ही पॉलीथिन की रेहड़ियां लग रही ही है। इसी तरह मंडी के अंदर जगह-जगह पॉलीथिन की दुकाने खुली हुई है। मंडी में सुबह से मार्केट अधिकारियों का घूमना शुरू हो जाता है। फल और सब्जियों की आवक की जांच करते हैं, मगर पालिथिन बेच रहे दुकानदारों पर कोई कार्रवाई नहीं करते हैं। अधिकारियों की नाक तले बिक रही पॉलीथिन से शहर की स्वच्छता को दाग लग रहा है।

चिकित्सक सरकारी ड्यूटी पर गए, मरीज हुए परेशान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बीके अस्पताल में सुबह नौ बजे ओपीडी खुल चुकी थी, लेकिन शनिवार को कुछ कक्ष दस बजे तक खाली पड़े थे। ओपीडी में मरीजों के कार्ड बने। मरीज कमरों के बाहर पहुंचकर अपना इलाज करवाने के लिए खड़े रहे, क्योंकि अधिकांश डॉक्टर सरकारी ड्यूटी पर गए हुए थे।

सवा नौ बजे तक आधे से ज्यादा डॉक्टर अपनी सीटों पर नहीं पहुंचे। करीब 9.20 बजे पर सभी कक्षों में चिकित्सक पहुंचे, लेकिन कमरा नंबर आठ के चिकित्सक राउंड लेने के लिए अस्पताल के वार्डों में निकल गए। दस बजे तक कमरा नम्बर-19 खाली पड़ा रहा। इसी तरह 18 नंबर में पायनियर संवाददाता ने जाकर देखा, तो वहां मरीज खड़े थे, लेकिन चिकित्सक के बजाय सर्जन के स्थान पर एक ट्रेनी डॉक्टर मरीजों के कार्डों पर कुछ लिखकर दे रही थी। इस विषय में जब कर्मचारियों से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि चिकित्सकों की ड्यूटी सेक्टर 12 में चल रहे गीता महोत्सव में लगी है। इसलिए मरीजों को इस कारण यहां से वहां धक्के खाकर मजबूरन लौटना पड़ा। जब जिला सिविल सर्जन कार्यालय में देखा गया, तो वहां भी शनिवार होने के कारण ताला जड़ा था। ऐसे में मरीज अधिकारियों से शिकायत भी न कर सके। जबकि नियमानुसार अवकाश के दिन एक कर्मचारी की तैनाती सीएमओ और पीएमओ दफ्तर में होनी चाहिए।

विकास में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका

लातूर में भयानक विनाशकारी भूकंप आने के 25 साल बाद त्रासदी से प्रभावित हजारों महिलाओं को आज परिवर्तनकारी नेताओं के रूप में पहचाना जाता है। इससे विकास में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका स्पष्ट है।

मोइन काज़ी
(लेखक नीति आयोग की एक समिति के सदस्य हैं)

लगभग 26 साल पहले 30 सितंबर, 1993 को महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र के लातूर जिले में भयानक भूकंप आया जिसके कारण बड़े पैमाने पर विनाश हुआ। इससे सैकड़ों गांव नष्ट हो गए तथा अनेक लोग अपनी जड़ों से उखड़ गए।

आज इस त्रासदी से अत्यधिक प्रभावित कई हजार महिलाओं की पहचान परिवर्तनकारी नेताओं की है। इन अर्ध-साक्षर और गरीब महिलाओं द्वारा विपरीत स्थितियों को अवसरों में बदलने तथा समृद्धि तक पहुंचने की कथा साहस और दृढ़ता का उदाहरण है। इन महिलाओं को एकसाथ लाने तथा आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रेरित करने में अथक सामाजिक उद्यमी प्रेमा गोपालन की भूमिका है। आपदा प्रबंधन में शिक्षित एवं प्रशिक्षित प्रेमा गोपालन ने इन महिलाओं के साथ मिल कर पुनर्वास व पुनर्निर्माण कार्य की शुरुआत की तथा 1998 में अंततः स्वयं शिक्षण प्रयोग-एसएसपी की औपचारिक शुरुआत की। इसका व्यापक व दीर्घकालीन उद्देश्य सशक्तीकरण के लिए स्वयं-शिक्षा तथा स्वयं-शिक्षा से स्वयं-सशक्तीकरण है। संकट के बाद घरों के निर्माण के लिए सामाजिक लामबंदी ने लोगो को अवसर दिए तथा समुदाय केन्द्रित प्रयासों से समुदाय मजबूत करने के माडल विकसित हुए। एसएसपी की शुरुआत स्वयंसेवी संस्था के रूप में हुई जिसने समुदाय तथा सरकार के बीच खाई पाटने में योगदान किया। इससे समुदाय की महिलायें सशक्त हुईं, उन्होंने राहत कार्यों की निगरानी की तथा निर्माण कार्य के बारे में सरकार को फीडबैक दे कर मध्यस्थ की भूमिका निभाई। उसने लाभार्थियों के चयन के साथ ही जमीन पर वांछित काम के बारे में भी जानकारी दी।

प्रेमा ने ग्रामीण महिलाओं की क्षमता समझी तथा विश्वास किया कि वे स्थानीय विकास व प्रशासन में नियोजक के रूप में विकसित हो सकती हैं। उनकी क्षमताओं का निर्माण करते हुए उन्होंने आर्थिक व सामाजिक सशक्तीकरण की व्यापक विकास रणनीति बनाई। इससे एसएसपी के व्यापक दृष्टिकोण की अवधारणा तैयार करने में उनको सहायता मिली।

एसएसपी का लक्ष्य कम आय वाली महिलाओं में समावेशी व टिकाऊ सामुदायिक विकास सुनिश्चित करना है। यह ऐसे क्षेत्रों के लिए था जहां परिस्थितिकी खतरे में थी। एसएसपी की योजना से उनके कौशल विकास प्रशिक्षण, वित्तीय व डिजिटल साक्षरता तथा तकनीक व मार्केटिंग मंच विकसित करने में सहायता मिली। वे जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक विभीषिकाओं, कृषि, स्वास्थ्य एवं सफाई में चुनौतियों से निपटने में सक्षम हुईं। उन्होंने सरकारी एजेंसियों से व्यवहार करने तथा स्थानीय स्वशासी संस्थाओं से व्यवहार का कौशल भी विकसित किया। महिलायें एसएसपी के काम के केन्द्र में हैं। वे उपकरणों और सेवाओं का विकास करने के साथ संजाल बनाती हैं जिससे गरीबी की जटिल स्थितियों के साथ जलवायु परिवर्तन की विभीषिका से निपटने में सहायता मिलती है। इसकी साझेदारी का उद्देश्य उद्यमिता विकास, स्वास्थ्य, कृषि, तकनीक तथा वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में टिकाऊ समाधान निकालना है जिनका क्रियान्वयन महिलाओं, खासकर गरीब व ग्रामीण महिलाओं की बेहतरी के लिए हो सकता है।

प्रेमा का विश्वास है कि ग्रामीण महिलाओं को उनकी वास्तविक स्थितियों के साथ स्वीकार किया जाना चाहिए। नई पीढ़ी के गतिशील उद्यमी, रोजगार सर्जक व अर्थव्यवस्था के संचालक समुदाय में परिवर्तन के लिए प्रतिबद्ध योगदान कर सकते हैं। उन्होंने सर्वाधिक जोखिमग्रस्त समुदायों की हजारों महिलाओं तथा सूखा व बाढ़ प्रभावित गांवों में महिलाओं की साझेदारी स्थानीय व वैश्विक बिजनेसमैनों से करा कर टिकाऊ सामाजिक उद्यमों की नीव डाली। ये स्वच्छ ऊर्जा, सफाई, मूलभूत स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण तथा सुरक्षित कृषि में काम करते हैं। उन्होंने स्व-रोजगार से आगे बढ़ते हुए अपने उद्यमों को विविधता प्रदान की तथा उनको मूल्य श्रृंखलाओं से जोड़ कर हजारों अन्य महिलाओं को उद्यमिता विकास के रास्ते पर डाला। प्रेमा को श्वाबे फाउंडेशन से 2018 का सोशल इटरप्रीन्योर आफ द इयर पुरस्कार मिला है। इसके साथ ही एसएसपी को अनेक वैश्विक व राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं जिनमें यूएनडीपी से 2017 का इक्वेटर पुरस्कार, यूएनएफसीसीसी का मोमेंटम फार चेंज पुरस्कार तथा 2016 में समुदायों व जलवायु परिवर्तन पर पुरस्कार शामिल हैं।

प्रेमा और उनकी टीम जलवायु परिवर्तन पर केन्द्रित है तथा उन्होंने 6 प्रभाव क्षेत्रों की पहचान की है। वे कृषि, जल एवं ऊर्जा संसाधन, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन संबंधी प्राकृतिक आपदायें तथा जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाला विस्थापन है। प्रेमा का कहना है कि 'महिलायें सामने आ कर नेतृत्व करते हुए गरीबों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव उलट सकती हैं।' गरीब महिलाओं पर जलवायु परिवर्तन से पड़ने वाले प्रभावों का खतरा अधिक होता है क्योंकि वे ऊर्जा, पानी, भोजन तथा आवश्यक सेवाओं की मुख्य प्रबंधक होती हैं। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा उत्पाद इन महिलाओं के सोशल बिजनेस में मुख्य स्थान पर हैं। प्रेमा की टीम हजारों महिलाओं को सुदूर बाजारों में सब कुछ बेचने में सक्षम बनाती है जिसमें मोबाइल फोन के सोलर चार्जर तथा ज्यादा सक्षम खाना बनाने के स्टोव शामिल हैं। इससे ग्रामीण परिवारों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला जा सकता है। ग्रामीण महिलाओं की उद्यमिता में बिजनेस स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों के बारे में जागरूकता फैलाने तथा उत्पादों व सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने पर केन्द्रित है।

एसएसपी माडल में चार प्रकार के उद्यम शामिल हैं। महिला नेतृत्व वाले बिजनेसों के लिए फंड बनाया गया है, फेडरेशनों के माध्यम से 5,000 स्वयं सहायता समूहों को जोड़ा गया है तथा महिलाओं में उद्यमिता व नेतृत्व विकास के लिए एक ग्रामीण उद्यमिता स्कूल की स्थापना की गई है जो उनको बिजनेस, फाइनेंस व मार्केटिंग कौशलों में दक्ष बनाता है। इसके साथ ही एक बाजार समन्वयक की स्थापना भी की गई है जो वेयरहाउसिंग, ब्रांडिंग, मार्केटिंग व वितरण सेवाओं को बिजनेस करने वाली महिलाओं तक पहुंचाता है। यह संजाल मूल्य श्रृंखला तथा उद्यमिता परिस्थितियों को मजबूत करता है ताकि महिलायें ग्रामीण व अपारदर्शी बाजारो में सफल हो सकें।

ग्रामीण महिलायें गरीबी और विकास का मानवीय चेहरा हैं। वे खेतों पर मेहनत करती हैं, पर उनको भूमि स्वामित्व अधिकार नहीं मिले हैं और इस कारण उनको किसानों के रूप में मान्यता नहीं मिलती है। इसके कारण उनको फार्मों में उच्चीकरण के लिए वित्त, प्रशिक्षण तकनीक तथा बाजारें नहीं मिलती हैं। एसएसपी की महिला उद्यमी समुदायों को आगे ले जा रही हैं, स्थानीय अर्थव्यवस्था बदल रही हैं, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर रही हैं, स्थानीय पहलों का संचालन कर रही हैं, संकट के समय आय बढ़ाने व रोजगार सृजन हेतु प्रमुख संसाधनों तक पहुंच बढ़ाती हैं तथा एक दीर्घकालीन प्रभाव छोड़ती हैं। इसके परिणामस्वरूप उनको लाभार्थी की तरह नहीं देखा जाता है, बल्कि वे साझीदार के रूप में उभरी हैं।

पिछले दशक में कृषि रणनीति भी विफल हुई है तथा धीरे-धीरे गन्ना जैसी नकदी फसलों के लिए खाद्यान्न फसलों को छोड़ा गया है। ये ज्यादा मुनाफा देती हैं, पर पानी के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हैं। ऐसे परिदृश्य में टिकाऊ व विविधतापूर्ण कृषि एकमात्र समाधान है जिससे भारत में गहराता कृषि संकट रोका जा सकता है। यह खासकर इसलिए जरूरी है क्योंकि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव अब स्पष्ट दिख रहा है। पानी की असुरक्षा संकट के केन्द्र में है। मृदा की उर्वरता बढ़ाने वाली आर्गेनिक खेती के माध्यम से सूखा-प्रतिरोधी किस्में उगाने से अतिरिक्त आमदनी होती है तथा इससे परिवार की पोषण सुरक्षा बढ़ती है। इसके साथ ही जैव-विविधता को बढ़ावा देना भी उचित विकल्प है।

एसएसपी का एक सर्वाधिक क्रान्तिकारी योगदान टिकाऊ कृषि तथा जल व प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण है। पुरुष जहां खेती में दिलचस्पी खो रहे हैं, वहां महिलायें खेतों में लगातार काम कर रही हैं। एसएसपी ने जलवायु-हितैषी कृषि व्यवहारों से महिला किसानों का सशक्तीकरण किया है। ये महिलायें अब फसलें उगाने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा जैव-विविधता बढ़ाने आदि प्रमुख क्षेत्रों में सक्रिय रूप से निर्णय करती हैं। महिला समूहों ने खेती में नए प्रयोगों को संभव बनाया है। पिछले वर्षों में एसएसपी ने विकास पर लक्षित बड़े पैमाने के कार्यक्रम बनाए हैं जो महिला सहभागिता व नेतृत्व पर केन्द्रित हैं। एसएसपी ने ग्राम स्तरीय उद्यमी सहायता नेटवर्क भी बनाए हैं जिनको सखी का नाम दिया गया है। ग्रामीण स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र में एक अनोखी पहल की गई है। एसएसपी उन भूमिहीन महिलाओं का चयन व प्रशिक्षण करती है जो मूलतः शिक्षित तथा स्वास्थ्य रक्षा व सामुदायिक सेवाओं में दिलचस्पी लेने वाली होती हैं। ये आरोग्य सखी समुदाय की सदस्य होती हैं तथा उनको अपने समुदायों में रहने और काम करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है।

प्रेमा बताती हैं, 'ये महिलायें मोबाइल स्वास्थ्य उपकरणों के माध्यम से अनेक प्रकार के रोग-निवारक परीक्षण करती हैं, एक टेबलेट पर डेटा एकत्र करती हैं तथा उनको तकनीकी सहयोगियों की मदद से विकसित क्लाउड सर्वर पर अपलोड कर देती हैं।' इसके बाद इस डेटा पर डाक्टर की राय ली जाती है जो इसका विश्लेषण कर रिपोर्ट तैयार करता है तथा क्लाउड पर ही अपनी सलाह देता है। इसके बाद सखी रोगियों को चिकित्सा तथा सावधानी संबंधी निर्देश देती हैं। आवश्यकता होने पर उनको इलाज के लिए अस्पतालों में भेजा जाता है।

सरकार ने भी इन पहलों से समुचित सबक सीखे हैं और इनके आधार पर सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता हमारी सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं जिनमें आशा व एएनएम शामिल हैं। उन्होंने इन सेवाओं की सफलता में अपना योगदान दिया है और मातृ व शिशु मृत्यु दर घटाई है। मातृ एवं बाल स्वास्थ्य सुधार की भारतीय रणनीति में आशा की केन्द्रीय भूमिका है और उनको संबंधित गांव से ही चुना जाता है।

महाराष्ट्र के हित में लिया गया निर्णय

शिवेसना-राकांपा-कांग्रेस गठबंधन के पीछे विचार है महाराष्ट्र को प्राथमिकता और भारत के संविधान को सर्वोपरि रखना। तीनों दल यह सुनिश्चित करने के लिए एकजुट हुए हैं कि राज्य वह सुशासन मिले जिसके वह योग्य है।

प्रियंका चतुर्वेदी
लेखिका शिवसेना की वरिष्ठ नेता हैं।

राजनीति उसे संभव बनाने की कला है जो कभी असंभव लगता था। यह महाराष्ट्र में सच साबित हुआ है क्योंकि देश ने देखा कि किस तरह भाजपा की प्रदेश इकाई सत्ता पर कब्जा बनाए रखने के लिए सरकार बनाने की इच्छा से सारे नियम तोड़ने का प्रयास कर रही थी। इन नियम भंजकों को मीडिया के कुछ तबकों का समर्थन प्राप्त था जो उन्हें सत्ता छोड़ने को कहने के बजाए, ऐसे असंवैधानिक कदमों को चाणक्य नीति का हिस्सा और मास्टरस्ट्रोक की संज्ञा दे रहे थे।

शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के एकसाथ गठबंधन में शामिल होने के पीछे विचार है महाराष्ट्र को प्राथमिकता और भारत के संविधान को सर्वोपरि रखना। तीनों दल यह सुनिश्चित करने के लिए एकजुट हुए हैं कि राज्य वह सुशासन मिले जिसके वह योग्य है। जो लोग लगातार संदेह जता रहे हैं उन्हें महसूस करना होगा कि जो कुछ भी चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद महाराष्ट्र में हुआ उसका राजनीतिक मोड़, घुमाव अथवा वैचारिकता से कोई लेना-देना नहीं था। इसका सरोकार राज्य, देश और उसकी आधारशिला अर्थात लोकतंत्र से था। जिस तरह भाजपा सरकार ने प्रातःकाल गोपनीय ढंग से शपथ ले ली, वो भी बहुमत होने संबंधी पार्टी के दावों का परीक्षण किए बगैर, उससे उन विविध व्यक्तियों की भूमिका पर सवाल खड़े होते हैं जिन पर उन्हें सौंपी गई संस्थाओं की जिम्मेदारी को अक्षुण्ण रखने का भरोसा किया जाता है।

यह सीख आश्चर्यजनक थी कि किस तरह राज्यपाल ने शपथ लेने वाले मुख्यमंत्री के पास दावों के अनुरूप पर्याप्त संख्या बल होने का परीक्षण किए बगैर एक सरकार बनवाने के लिए रातभर काम किया। उनके पक्ष में बोलने वालों का यह कहना था कि यह परीक्षण करना राज्यपाल महोदय का काम नहीं है, मगर उन्हें पहले सफाई देनी चाहिए कि दूसरे दलों को समय देने से इनकार करके गुपचुप से ढंग से किसी दल को शपथ दिला देना राज्यपाल का काम कैसे हो जाता है? यह लोकतंत्र में राज्यपाल की भूमिका का गंभीरता से परीक्षण किए जाने का समय है।

जबकि राज्यपालों द्वारा केंद्र सरकार के हित के लिए काम करना अब एक मानक बन गया है, बड़ा झटका है राष्ट्रपति पद का रबर स्टैम्प बन जाना। राष्ट्रपति द्वारा कभी कभार ही प्रयुक्त होने वाले नियम12 का इस्तेमाल करना आहत करने वाला था जिसके तहत राष्ट्रपति शासन हटाने के लिए संघीय मंत्रिमंडल की मंजूरी लेने की आवश्यकता नहीं होती। अतः यह जल्दबाजी में किया गया था और इस हद तक कि अधिसूचना राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बगैर की जारी कर दी गई थी। ऐसा ही अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, मेघालय और कर्नाटक में हो चुका है। प्रत्येक गैर-भाजपा सरकार को सत्तासीन होने के लिए अपने अधिकार हेतु सर्वोच्च न्यायालय का द्वार खटखटाकर संघर्ष करना पड़ता है और यह प्रवृत्ति हतोत्साहित किए जाने की आवश्यकता है।

इस कथानक ने देश को यह दिखाया है कि जब कभी भी हमारे लोकतंत्र के समक्ष सरल का इम्तेहान आया है, लोकतंत्र के सिद्धांतों को अक्षुण्ण रखने के दायित्व वाली सभी संस्थाएं ध्वस्त हो गई हैं और व्यक्तियों ने समझौते किए हैं। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के चलते संविधान का उल्लंघन नहीं होने पाया और देवेंद्र फड़नवीस को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा।

ऐसे समय पर, जब चुनाव परिणामों ने सभी राजनीतिक दलों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था, तब शिवसेना अध्यक्ष और वर्तमान महाराष्ट्र मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, ने सरकार बनने हेतु संख्या बल जुटाने के मामले में भाजपा की अजेयता को खत्म करने का आह्वान किया, जबकि भाजपा साम, दाम, दंड, भेद की नीति अपनाती है। चुनाव परिणाम घोषणा पश्चात राज्यपाल द्वारा आमंत्रित किए जाने पर भाजपा द्वारा सरकार बनाने में असमर्थता जाहिर किए जाने के बाद, शिवसेना ने त्वरित कदम उठाया और राकांपा व कांग्रेस के साथ गठबंधन की संभावनाओं पर चर्चा की। सारे मतभेदों को दरकिनार करके, उसने राकांपा व कांग्रेस अध्यक्ष, यथा शरद पवार और सोनिया गांधी, की राजनीतिक इच्छा शक्ति के बल पर एक ऐसा ऐतिहासिक गठबंधन बनाया जो राज्य में भाजपा सरकार का विकल्प बन सके।

सरकार बनाने के लिए भिन्न विचारधाराओं के एकसाथ आने पर अन्य बहस भी अंतरनिहित रूप से गलत है क्योंकि तीनों दल निर्धारित साझा न्यूनतम कार्यक्रम के आधार पर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रदेश की जनता के प्रति प्रतिबद्ध होकर, यह गठबंधन महाराष्ट्र की जनता को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखता है।

क्योंकि भाजपा देख रही है कि विविध राज्यों में उसकी पकड़ दिसंबर 2017 में 71 प्रतिशत से घटकर नवंबर 2019 में 40 प्रतिशत रह गई है, उसे निश्चित रूप से अपने उस राजनीतिक जोड़-तोड़ पर आत्मपरीक्षण करना होगा जो लंबे समय से उसके सहयोगी दलों के दूर हो जाने का कारण बन रहा है।

यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसने महाराष्ट्र के विकास को सर्वोपरि माना है इसमें कोई संदेह नहीं है। सरकार की शीर्ष प्राथमिकता होगी यह सुनिश्चित करना कि किसानों का ध्यान रखा जाए, युवाओं को नौकरियों के अवसर मिलें, महिलाएं सुरक्षित हों, साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सभी को आवास मिले। इस प्रकार एक गठबंधन का एकजुट होना उन सभी पर नियंत्रण लगाता है जो अपनी विरोधी सभी पार्टियों का खात्मा करने का राजनीतिक विमर्श चला रहे हैं, जिस पर अमल करने के लिए सहयोगी दलों को खतम करने के प्रयास किए जाते हैं।

एकाधिकारवादी राजनीतिक दल बनने के इस प्रयास को भारत व उसकी जनता ने विफल कर दिया है। समय-समय पर हमारे लोकतंत्र ने दर्शाया है कि एकल दलीय वर्चस्व के लिए कोई स्थान नहीं है और यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि विरोध व असहमति के लिए पर्याप्त स्थान रहे। यह गठबंधन न केवल राज्य में सत्ता संरचना में बदलाव का परिचायक बनेगा बल्कि भारत की राजनीतिक गत्यात्मकता में भी बड़ा बदलाव नजर आएगा। सरकार चलाने के लिए शिवसेना और कांग्रेस का गठबंधन में साझीदार होना इस दिशा में पहला कदम हो सकता है। हालांकि, दो पक्षों के बीच सहयोग का इतिहास है। शिवसेना ने मेयर के चुनाव में कांग्रेस के मुरली देवड़ा का समर्थन किया था और संप्रग की ओर से राष्ट्रपति प्रत्याशी प्रणब मुखर्जी और प्रतिभा पाटिल का समर्थन किया था। कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री एआर अंतुले और स्वर्गीय बाला साहब ठाकरे के बीच संबंध सर्वज्ञात थे और अंतुले ने एक बार स्वयं को शिव सैनिक कहा था। बालासाहब के मन में इंदिरा गांधी के प्रति काफी सम्मान था। शिवसेना ने देश में कम्प्यूटर को प्रोत्साहन का समर्थन किया था जिसका भाजपा विरोध करती थीं।

शिवसेना विमुद्रीकरण, कृषिक संकट तथा वस्तु एवं सेवाकर संबंधी कुछ पहलुओं पर काफी मुखर रही थी। केंद्र में भाजपा की सहयोगी होने के दौरान, उसके कांग्रेस के साथ साझा आधार थे। सेना के लिए, उसकी राजनीति में जनता सर्वोपरि है। यद्यपि राकांपा और शिवसेना ने कभी भी राजनीतिक रूप से एकसाथ काम नहीं किया लेकिन दोनों दलों के अध्यक्षों एवं उनके परिवारों के बीच निकटतम मित्रता रही है। 2006 में, जब सुप्रिया सुले को राज्यसभा का चुनाव लड़ना था, बालासहब ने उनके खिलाफ कोई प्रत्याशी खड़ा नहीं किया था। जब उद्धव ठाकरे को शपथ लेनी थी, सुप्रिया ने एक ट्वीट में माना था कि उस अवसर पर उन्हें बालासाहब और मीनाताई ठाकरे की कमी खलेगी। दो महत्वपूर्ण क्षेत्रीय खिलाड़ी यह सुनिश्चित करने के लिए एकजुट हुए हैं कि महाराष्ट्र को वह शासन मिले जिसके वह योग्य है।

जिस पार्टी को अपनी वैचारिकता पर आत्मनिरीक्षण करने की आवश्यकता है वह है भाजपा। यद्यपि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनता के बीच भारी लोकप्रियता है, अपवित्र रूप से सत्ता का लोभ उनकी पार्टी के लिए अच्छा नहीं है। देवेंद्र फड़नवीस द्वारा सत्ता हथियाने के लिए पीएम कार्यालय को खींचना दुर्भाग्यपूर्ण और भ्रामक है। फड़नवीस की अगुवाई में विश्वास मत के दिन भाजपा का सदन से बाहर होना, सदन के वेल में बार-बार आने और नारेबाजी के बाद, उस बात के विपरीत है जो मोदी ने संविधान दिवस पर कही थी।

चुनाव के बाद महाराष्ट्र में भाजपा का आचरण दंभपूर्ण और निर्लज्जता से भरा था। अब विपक्षी दल के तौर पर गरिमा व सज्जनतापूर्ण आचरण के द्वारा वह अपनी खोयी हुई विश्वसनीयता वापस पा सकती है। आज जब भाजपा संख्याबल के अभाव व योग्यता को लेकर अन्यों पर आरोप लगाती है, उसे संख्या बल न होने पर भी अन्य राज्यों में सरकार बनाने संबंधी अपने इतिहास पर नजर डालनी चाहिए।

क्योंकि भाजपा देख रही है कि विविध राज्यों में उसकी पकड़ दिसंबर 2017 में 71 प्रतिशत से घटकर नवंबर 2019 में 40 प्रतिशत रह गई है, उसे निश्चित रूप से अपने उस राजनीतिक जोड़-तोड़ पर आत्मपरीक्षण करना होगा जो लंबे समय से उसके सहयोगी दलों के दूर हो जाने का कारण बन रहा है। जो लोग यह कहते हैं कि यह गठबंधन लंबे समय तक नहीं चलेगा वे गलती कर रहे हैं। जो यह कहते हैं कि इस गठबंधन का परिणाम कर्नाटक जैसा होगा वे राज्य की जमीनी हकीकत को नहीं समझते। कर्नाटक में, गठबंधन के पक्ष में स्थानीय नेता नहीं थे। हालांकि, महाराष्ट्र में सभी राजनीतिक दलों के विजयी विधायक, कुछ को छोड़कर, व्यापक रूप से मानते हैं कि पार्टियां एकसाथ आएं और एक स्थायी सरकार सुनिश्चित करने की दिशा में काम करें।

इस गठबंधन को लंबा चलना होगा क्योंकि यह लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के फलने-फूलने का मार्ग प्रशस्त करने वाला है और सत्ता संतुलन कायम करने वाला है। सदन पटल पर मतदान ने सरकार की स्थिरता को दर्शाया है, आरे मेट्रो कार शेड पर मुख्यमंत्री का निर्णय एवं सदन में उनके भाषणों ने गठबंधन सरकार के इरादे जाहिर कर दिए हैं। यह जनता की, जनता के द्वारा और जनता के लिए सरकार होगी।

निगरानी तंत्र करें विकसित: प्रसाद

भाषा। जोधपुर

केंद्रीय विधि मंत्री रविशंकर प्रसाद ने शनिवार को कहा कि देश की महिलाएं पीड़ा और तनाव में हैं तथा न्याय की गुहार लगा रही हैं जिसे ध्यान में रखते हुए अदालतों में मामलों के तेजी से निपटारे पर निगरानी की कोई व्यवस्था बनाना बहुत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, देश की महिलाएं तनाव और दबाव में हैं। वे न्याय की गुहार लगा रही हैं। जघन्य तथा अन्य अपराधों के लिए हमारे यहां 704 फास्ट ट्रैक अदालतें पहले ही हैं तथा हम पोक्सो और बलात्कार से जुड़े अपराधों के लिए 1123 विशेष फास्ट ट्रैक अदालत स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं। वह जोधपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय के नए भवन के उद्घाटन के समारोह में बोल रहे थे। प्रसाद ने कहा, मैं प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) और अन्य वरिष्ठ न्यायाधीशों से आग्रह करूंगा कि अब इन मामलों के निपटारे पर निगरानी के लिए कोई तंत्र होना चाहिए ताकि विधि शासित गर्वित देश के रूप में भारत के कद को जल्द से जल्द बहाल किया जा सके। उन्होंने इसके लिए सरकार की ओर से पर्याप्त धन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, महिलाओं के खिलाफ हिंसा से जुड़े कानून में हमने सुनवाई दो महीने में पूरी करने सहित मृत्युदंड और अन्य कड़े दंडों का प्रावधान पहले ही किया है। केंद्रीय विधि मंत्री ने कहा कि चाहे उच्चतम न्यायालय हो या उच्च न्यायालय, देश की न्यायपालिका ने विधि सम्मत सिद्धांतों को हमेशा ऊंचा रखा है। उन्होंने अधीनस्थ न्यायपालिका में और अधिक प्रतिभाओं को आकर्षित करने की जरूरत बताई और कहा कि हमारे पास अच्छी संख्या में न्यायाधीश होने चाहिए।

न्यायिक सेवा के गठन की आवश्यकता जताई

जोधपुर। केंद्रीय विधि मंत्री रविशंकर प्रसाद ने देश में अखिल भारतीय न्यायिक सेवा गठित करने की आवश्यकता पर शनिवार को जोर दिया। वह यहां राजस्थान उच्च न्यायालय के नए भवन के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, अखिल भारतीय न्यायिक सेवा का समय आ गया है। हमारे पास राष्ट्रीय लॉ स्कूल हैं जहां से बच्चें पढ़ लिखकर बाहर आ रहे हैं। विचार यही है कि सर्वोच्च न्यायालय की समग्र निगरानी में संघ लोक सेवा आयोग एक समुचित अखिल भारतीय न्यायिक सेवा परीक्षा आयोजित करे। इसके साथ ही प्रसाद ने कहा कि अधीनस्थ न्यायपालिका में और अधिक प्रतिभाओं को आकर्षित करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और देश के प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे भी मौजूद थे।

पुणे में सशस्त्र झंडा दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

वर्तमान में नाजुक दौर में है सिविल सेवाएं: रॉय

जयपुर। सूचना के अधिकार के राष्ट्रीय अभियान की संस्थापक सदस्य अरुणा रॉय का कहना है कि सिविल सेवाएं इस समय नाजुक दौर से गुजर रही हैं। यहां जारी एक बयान के अनुसार रॉय शनिवार को यहां एम. एल. मेहता मेमोरियल व्याख्यान दे रही थीं। उन्होंने कहा, एक ओर जहां सिविल सर्विसेज के प्रति अभी भी आकर्षण बना हुआ है तो वहीं कार्यरत आईएएस अधिकारी यह कहते हुए सिविल सर्विस से इस्तीफा दे रहे हैं कि सरकार द्वारा उनके संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन किया जा रहा है। रॉय ने कहा कि सिविल सेवाओं में अनेक लेटरल एंट्रीज भी हुई हैं और ऐसी चर्चा है कि यूपीएससी की संरचना को बदल दिया जाएगा जिससे इसकी स्वतंत्रता में कमी आएगी। इस अवसर पर 10 छात्रों को 10,000 और 6,000 रुपए की राशि की छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

कश्मीर में हिरासत में लिए गए एनआरआई कारोबारी को तीन महीने के लिए किया गया रिहा

● पीएसए के तहत सात अगस्त को लिया गया था हिरासत में

भाषा। नई दिल्ली, आगरा

जम्मू-कश्मीर में जन सुरक्षा कानून (पीएसए) के तहत सात अगस्त को हिरासत में लिए गए प्रवासी भारतीय (एनआरआई) कारोबारी मुबीन शाह को शनिवार को आगरा जेल से तीन महीने के लिए अस्थाई रूप से रिहा कर दिया गया। विवादास्पद पीएसए के तहत आरोपित किए गए शाह संभवत: ऐसे पहले व्यक्ति हैं कि जिन्हें बगैर किसी अदालती निर्देश के केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर प्रशासन ने रिहा किया है। पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाने और उसे दो केन्द्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के केंद्र सरकार के पांच अगस्त के फैसले के बाद शाह को हिरासत में लिया गया था। उनके अलावा वहां कई उद्योगपतियों, नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया था। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के गृह सचिव द्वारा जारी आदेश मेंण कहा गया है, सरकार डॉ मुबीन शाह की अस्थाई तौर पर रिहाई का आदेश देती है...सात दिसंबर 2019 से छह मार्च 2020 तक के लिए...जो (शाह) अभी हिरासत में हैं...यह (अस्थाई रिहाई) जमानत में मौजूद शर्तों के साथ है। आदेश में कहा गया है कि शाह को सात मार्च 2020 को जिला मजिस्ट्रेट श्रीनगर के समक्ष पूर्वाह्न 11 बजे आत्मसमर्पण करना होगा। शाह के आगरा केंद्रीय कारागार से बाहर निकलने पर उनके भाई नियाज ने उनकी अगवानी की, जो उच्चतम न्यायालय में उनकी रिहाई के लिए कानूनी लड़ रहे थे। शाह के परिवार ने उन पर लगाए गए पीएसए को रद्द करने की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। इस मामले में सुनवाई शुरू होने पर जम्मू कश्मीर प्रशासन बचाव की मुद्रा में आ गया और शाह को रिहा करने का भरोसा दिलाया। मामले की सुनवाई अब नौ दिसंबर के लिए सूचीबद्ध है। गौरतलब है कि शाह के नाम का जिक्र पिछले महीने दक्षिण एशिया मानवाधिकारों पर अमेरिकी संसद की सुनवाई के दौरान आया था। इस सुनवाई के केंद्र में कश्मीर में भारत की कार्वाई थी। डेमोक्रेटिक पार्टी से भारतीय मूल की नेता प्रमिला जयपाल ने उनकी हिरासत का मुद्दा उठाया था। मलेशिया में रहने वाले शाह का वहां (मलेशिया में) दस्तकारी का कारोबार है। वह कश्मीर चैम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रमुख भी रह चुके हैं। वह इस साल मई में मलेशिया से कश्मीर आए थे।

सीएम कार्यालय से जवाब नहीं आया: धनखड़

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से संपर्क के सभी प्रयास विफल हो गए क्योंकि बातचीत के उनके अनुरोध पर मुख्यमंत्री के कार्यालय से कोई जवाब नहीं आया। उन्होंने कहा कि बतौर मुख्यमंत्री उन्हें राज्यपाल के साथ नियमित रूप से संपर्क में रहना चाहिए। धनखड़ ने कहा कि उन्हें अब भी बनर्जी से सकारात्मक जवाब मिलने की उम्मीद है। धनखड़ ने ट्वीट किया, पिछले दरवाजों से संपर्क की कोशिशें विफल रहने के बाद मैंने बतौर राज्यपाल मुख्यमंत्री को सार्वजनिक रूप से उनकी पसंद की जगह, समय और दिन की सुविधा से चर्चा और संवाद के लिए आमंत्रित किया क्योंकि यही एकमात्र संवैधानिक तरीका था। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री को राज्यपाल से संपर्क खत्म नहीं करना चाहिए। मुझे यकीन है कि उनसे जरूर सकारात्मक जवाब आएगा।

राजनीतिक दलों को दो नंबर का पैसा मिलना बंद हो: अशोक गहलोत

भाषा। जोधपुर

राजनीतिक चंदे में दो नंबर के धन के इस्तेमाल का जिक्र करते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को कहा कि राजनीति का पूरा खेल कालेधन पर टिका है और जब तक राजनीतिक दलों को ऐसा पैसा मिलना बंद नहीं होगा तब तक भ्रष्टाचार खत्म करने की बात भी नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री यहां राजस्थान उच्च न्यायालय के नए भवन के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। देश में भ्रष्टाचार के मुद्दे का जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा, जब तक राजनीतिक रूप से फंडिंग... राजनीतिक पार्टियों की फंडिग, दो नंबर के पैसों से बंद नहीं होगी तब तक भ्रष्टाचार खत्म करने की बात करना बेकार है, कोई मायने नहीं रखता है।

गहलोत ने कहा, राजनीति का पूरा खेल कालेधन पर टिका हुआ है। चाहे चुनावी बांड हो, चाहे चेक हो या कैश। मुझे 45 साल हो गए है राजनीति करते हुए और मैं देख रहा हूं कि राजनीतिज्ञों की शुरूआत ही काले धन से शुरू होती है। गहलोत ने कहा कि दो नंबर के पैसे चंदे के रूप में लेकर कालेधन से शुरुआत करने वाले लोग देश से भ्रष्टाचार कैसे मिटा सकते हैं यह उनकी समझ से परे है। उन्होंने कहा, जो कालाधन लेकर चुनाव जीतकर जाएगा उससे देश कैसे उम्मीद करेगा? न्यायपालिका कैसे उम्मीद करेगी कि वह पारदर्शिता के साथ में काम कर सके और भ्रष्टाचार मिटा सके। ए असंभव है, जो आज देश में हो रहा है। चुनावी बांड को बड़ा घोटाला बताते हुए गहलोत ने कहा, मैं चाहूंगा कि प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) साहब बैठे हुए है कोई ऐसी पीआईएल दायर हो या स्वत: संज्ञान करो। गहलोत ने कहा कि वह किसी एक राजनीतिक दल की बात नहीं कर रहे बल्कि तमाम राजनीतिक दल जो चंदा लेते हैं, तमाम राजनीतिक पार्टियां जो चंदा लेती हैं वह चंदा ब्लैक मनी है दो नंबर का पैसा होता है इसमें कोई दोराय नहीं है।

जयपुर के अमर दुर्ग में हाथी पर बैठकर किले का भ्रमण करते हुए पर्यटक

ऑटो रिक्शा चालक ने किया पांच वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म

दरभंगा (बिहार)। दरभंगा में एक ऑटोरिक्शा चालक ने पांच वर्षीय एक बच्ची से कथित तौर पर बलात्कार किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बाबू राम ने शनिवार को यहां बताया कि शुक्रवार देर रात सदर पुलिस थाने के खारुआ मोड़ इलाके में यह वारदात हुई। उन्होंने कहा कि बच्ची को बेहोशी की हालत में एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि बच्ची तीन वर्षीय एक अन्य बच्ची के साथ एक ऑटोरिक्शा के पास खेल रही थी। दोनों बच्चियां ऑटो में चढ़ गई जिसके बाद ऑटोरिक्शा चालक साहनी ने वाहन चला दिया। अधिकारी ने बताया कि साहनी ने बच्चियों से कहा कि वह उन्हें घुमाने ले जाएगा लेकिन उसने तीन वर्षीय बच्ची को पास के एक स्थान पर छोड़ दिया और इसके बाद पांच वर्षीय बच्ची को सुनसान जगह ले जाकर बलात्कार किया। उल्लेखनीय है कि यह घटना ऐसे समय में हुई है जब बक्सर एवं समस्तीपुर जिलों में इस सप्ताह की शुरुआत में अज्ञात महिलाओं के शव मिले थे। ऐसा संदेह है कि इन महिलाओं की बलात्कार के बाद हत्या की गई। उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने इस घटना पर पटना में पत्रकारों का सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया। राजद नेताओं लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव ने महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

जीएफपी नेता ने पीएम मोदी को मादक पदार्थों से जुड़ी सांठगांठ पर गोपनीय रिपोर्ट सौंपी

● पलियंकर ने लगाया आरोप कि सिंडिकेट से जुड़े हैं नेताओं और पुलिस अधिकारियों के तार

भाषा। पणजी

गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) के एक नेता एवं राज्य के पूर्व मंत्री ने शनिवार को दावा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मादक पदार्थों से जुड़ी सांठगांठ पर एक गोपनीय रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें उन्होंने कई नेताओं और पुलिस अधिकारियों के नामों का जिक्र किया है। जीएफपी विधायक विनोद पलियंकर ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने पिछले हफ्ते यह रिपोर्ट मोदी को सौंपी। उन्होंने कहा, मैंने प्रधानमंत्री को एक गोपनीय रिपोर्ट सौंपी है। मैं इसके विषयवस्तु का खुलासा नहीं कर सकता, लेकिन मैंने इसमें कई नेताओं और पुलिस अधिकारियों के नामों का उल्लेख किया है जिनकी मादक पदार्थों के तस्करों के साथ सांठगांठ है।

पलियंकर ने आरोप लगाते हुए कहा, स्थानीय पुलिस निरीक्षक और उप निरीक्षक का मादक पदार्थ तस्करों के साथ साठगांठ है। नेताओं और पुलिस के सरंक्षण में गोवा में मादक पदार्थों का धंधा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में गत कुछ महीनों में विदेशियों की संलिप्तता वाले मादक पदार्थ कई बार जब्त किए गए। उल्लेखनीय है कि पलियंकर गोवा के जल संसाधान मंत्री थी लेकिन कांग्रेस के 10 विधायकों के भाजपा में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने उन्हें, जीएफपी प्रमुख विजय सरदेसाई और विधायक जएश सलगांवकर को जुलाई महीने में अपने मंत्रिमंडल से बाहर कर दिया था। पलियंकर ने हाल में आयोजित होने वाले सनबर्न इलेक्ट्रॉनिक डांस- म्यूजिक फेस्टिवल पर भी रोक लगाने की मांग की। यह उत्सव 27 से 29 दिसंबर तक आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को शास्त्रीय संगीत को प्रोत्साहन देना चाहिए न कि ट्रांस संगीत को, जो असुरो का संगीत है।

पेज एक का शेष

सीएम ने ...

तथा प्राविधिक शिक्षा मंत्री कमल रानी वरुण ने उन्नाव स्थित पीड़िता के घर पहुंच कर परिजनों से मुलाकात की और ढाढस बंधाया। सरकार के दोनों मंत्रियों ने परिजनों को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। इधर पीड़िता की मौत के बाद विपक्षी दलों के हंगामे के बीच मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने कहा कि उन्नाव की घटना दुर्भाग्यपूर्ण और पीड़िता की मौत दुखद है। सरकार और उनकी मृतक के परिवार के प्रति पूरी संवेदना है। सीएम ने कहा कि सभी अपराधी पुलिस द्वारा गिरफ्तार किये जा चुके हैं। मुकदमे को फार्स्ट ट्रैक कोर्ट में ले जाकर कड़ी सजा दिलाने की बात मुख्यमंत्री ने कही है। इस बीच सीएम ने घटनास्थल पर गये सरकार के मंत्रियों तथा अधिकारियों से ताजा जानकारी ली और परिवार की सुरक्षा के निर्देश दिये।

विधानभवन पर ...

चाहिए। यह हमारे समाज के लिए काला दिन है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार के कार्यकाल में यह कोई पहली घटना नहीं है। उन्होंने कहा कि वह समय याद कीजिए जब मुख्यमंत्री आवास के सामने एक बेटी ने न्याय के लिए आत्मदाह की कोशिश की तब जाकर मामला दर्ज किया गया। उन्नाव की एक और बेटी ने तो पूरा परिवार खो दिया। उसके लिए भाजपा की सरकार दोषी थी और आज जिस बेटी की जान गई उसके लिए भी योगी सरकार ही कसूरवार है। अखिलेश यादव ने करीब एक घंटे तक विधानभवन के सामने अपने सहयोगी नेताओं के साथ धरना दिया और मौके पर ही दो मिनट का मौन धारण कर मृतका को श्रद्धांजलि भी दी।

राज्यपाल को ...

कारणों से दश व दुनिया में काफी बदनाम हो रहा है। यूपी में कानून का राज स्थापित करने की सख्त जरूरत है ताकि प्रदेश की जनता को घोर अराजकता के जीवर से बचाया जा सके। उन्होंने राज्यपाल से कहा है कि वह जनचिंता का उचित संज्ञान लेकर इनके प्रति राज्य सरकार को सचेत करें तथा खासकर अपराध नियंत्रण व कानून व्यवस्था को व्यापक जनहित में बनाने के लिए यथाशीघ्र जो भी संभव है जरूर संवैधानिक दखल व पहल करें। यूपी को आज इसकी सख्त जरूरत आ पड़ी है।

मूल चरित्र ...

रूप नहीं लेना चाहिए। मेरा मानना है कि न्याय उस वक्त अपनी विशेषता खो देता है जब यह प्रतिशोध का रूप धारण कर लेता है। हैदराबाद में एक महिला पशु चिकित्सक से बलात्कार और उसकी हत्या के सभी चारों आरोपियों के पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारे जाने के तेलंगाना पुलिस के दावे के एक दिन बाद सीजीआई ने यह टिप्पणी की। इस घटना ने 16 दिसंबर 2012 के निर्भया मामले की यादें ताजा कर दी। हैदराबाद की घटना को लेकर बलात्कार के दोषियों को शीघ्रता से सजा देने की मांग शुरू हो गई। पुलिस मुठभेड़ में आरोपियों के मारे जाने की घटना की समाज के कुछ हिस्सों में प्रशंसा की गई, जबकि अन्य ने न्याएतर कार्रवाई को लेकर चिंता जताई। सीजेआई ने इस बात पर जोर दिया कि एक संस्था के तौर पर न्यायपालिका को अवश्य ही न्याय तक सभी लोगों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए, जिसके लिए मौजूदा ढांचे को मजबूत किया जाए तथा विवादों का वहनीय, त्वरित एवं संतोषजनक समाधान के नए तरीके तलाशने चाहिए। सीजेआई ने कहा कि इसके साथ-साथ हमें बदलावों और न्यायपालिका के बारे में पूर्वधारणा से भी जरूर अवगत रहना चाहिए। सीजेआई ने कहा, हमें न सिर्फ मुकदमे में तेजी लाने के लिए तरीके तलाशने होंगे, बल्कि इन्हें रोकना भी होगा। ऐसे कानून हैं जो मुकदमे से पूर्व की मध्यस्थता मुहैया करते हैं। उन्होंने कहा कि मुकदमा-पूर्व अनिवार्य मध्यस्थता पर विचार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आश्चर्य है कि मध्यस्थता में डिग्री या डिप्लोमा का कोई पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं है। प्रधान न्यायाधीश ने शीर्ष न्यायालय के चार वरिष्ठतम न्यायाधीशों द्वारा पिछले साल किए गए संवाददाता सम्मेलन को महज खुद में सुधार करने का एक उपाय भर बताया। गौरतलब है कि एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे चेलमेश्वर, न्यायमूर्ति रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति एमबी लोकुर और न्यायमूर्ति कुरियन जोसफ ने 12 जनवरी 2018 को संवाददाता सम्मेलन किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि शीर्ष न्यायालय में सबकुछ ठीकठाक नहीं है और कई ऐसी चीज़ें हुई हैं जो अपेक्षित से कहीं कम हैं। बाद में, उसी साल न्यायमूर्ति रंजन गोगोई तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) दीपक मिश्रा के सेवानिवृत्त होने पर इस शीर्ष पद पर नियुक्त हुए थे। सीजेआई ने कहा, मेरा मानना है कि इस संस्था (न्यायपालिका) को खुद में सुधार करना चाहिए और नि:संदेह यह उस समय किया गया, जब संवाददाता सम्मेलन किया गया था जिसकी काफी आलोचना हुई थी। यह खुद में सुधार करने के एक उपाय से ज्यादा कुछ नहीं था और मैं इसे उचित ठहराना नहीं चाहता। उन्होंने कहा, खुद में सुधार लाने के उपायों की न्यायपालिका में जरूरत है लेकिन उन्हें प्रचारित किया जाए या नहीं, यह बहस करने का विषय है। सीजेआई ने कहा, सभी न्यायाधीश प्रतिष्ठित थे और विशेष रूप से न्यायमूर्ति (रंजन) गोगोई ने काफी क्षमता का प्रदर्शन किया तथा न्यायपालिका का नेतृत्व किया।

न्याय प्रक्रिया...

करते हुए हम सबको अपने आप से यह सवाल पूछना चाहिए: क्या प्रत्येक नागरिक को न्याय सुलभ हो पाया है? उन्होंने कहा, लेकिन अगर हम गांधीजी की प्रसिद्ध कसौटी को ध्यान में रखते हैं, अगर हम सबसे गरीब और कमजोर व्यक्ति का चेहरा याद करते हैं तो हमें सही राह नज़र आ जाएगी। मिसाल के तौर पर, हम निशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराके जरूरतमंदों की मदद कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि उनके सुझाव के बाद, उच्चतम न्यायालय ने अपनी वेबसाइट पर नौ भाषाओं में अपने निर्णयों की प्रमाणित प्रतियां उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि कई उच्च न्यायालय भी स्थानीय भाषाओं में अपने निर्णयों का अनुवाद उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा, न्याय व्यवस्था से जुड़ी मेरी बातें यहां के लोगों तक आसानी से पहुंच सकें, इसीलिए मैंने यह सम्बोधन हिन्दी में किया है।

इलेक्टोरल बांड...

कोष जुटाने के लिए सबसे आसान और लोकप्रिय चैनल साबित हुआ है। इन पार्टियों द्वारा कुल 141.038 करोड़ रुपये या कुल आय का 12.13 फीसदी सदस्यता फीस के जरिये जुटाया गया। बीजद की आय सबसे ज्यादा 249.31 करोड़ रुपये थी जो कुल आय का 21.43 फीसदी था। तृणमूल ने कुल आय 192.65 करोड़ रुपये की घोषणा की है जो कुल आय का 16.56 फीसदी है। जबकि टीआरएस ने 88.71 करोड़ या 16.22 फीसदी बताया है।

दूसरे चरण में...

मुरारीलाल मीणा ने बताया कि सिसई में सुबह ग्रामीणों और सुरक्षाकर्मियों में किसी बात को लेकर झड़प हो गई जिसका लाभ उठाकर कुछ असामाजिक तत्वों ने बूथ नंबर 36 पर आरपीएफ के जवानों से हथियार छीनने की कोशिश की जिसके बाद आरपीएफ की गोलीबारी में एक ग्रामीण की मौत हो गई जबकि दो अन्य व्यक्ति घायल हो गए जिनका इलाज अस्पताल में किया गया। घायल दोनों लोगों की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। उन्होंने बताया कि एक घायल व्यक्ति जिसके पैर में गोली लगी है उसे इलाज के लिए रांची के रिम्स लाया गया है। चौबे ने बताया कि खूंटी के तमाड़ विधानसभा क्षेत्र के मारंगबुरू में मतदान केन्द्र संख्या 132 पर मतदान कराकर वापस लौट रहे मतदान दल पर घात लगाए बैठे नक्सलियों ने अटकी के गितिल बेड़ा में हमला बोल दिया लेकिन मतदान दल की सुरक्षा में चल रहे सुरक्षा कर्मियों ने जब नक्सलियों पर जवाबी गोलीबारी की तो नक्सली जंगल में भाग निकले। इस घटना में मतदान दल या ईवीएम को किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है और वह अपने गंतव्य तक पहुंच गए हैं। उन्होंने बताया कि सिसई के मतदान केन्द्र संख्या 36 पर इस घटना केचलते मतदान बाधित हो गया और यहां पुनर्मतदान कराए जाने की संभावना है। संबद्ध विधानसभा क्षेत्र के जिला निर्वाचन पदाधिकारी की घटना के बारे मेंमें जांच रिपोर्ट की प्रतीक्षा की जा रही है। उन्होंने बताया कि एक अन्य घटना में लोगों को डराने के लिए नक्सलियों ने हताशा में चाईबासा में मतदान केन्द्र संख्या 84 पर मतदान कर्मियों की खाली खड़ी एक बस को आग लगाकर जला दिया लेकिन इसका चुनाव पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उन्होंने बताया कि आज मतदान समाप्ति के समय शाम पांच बजे तक सबसे अधिक मतदान 75.36 प्रतिशत नक्सल प्रभावित बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र में दर्ज किया गया।

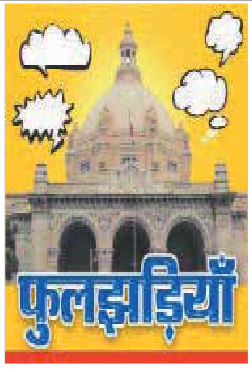

अपने हुए पराए....

भाजपा के इस वरिष्ठ नेता के लिये उसके अपने ही बेगाने बनते जा रहे है। हालांकि भाजपा के यह नेता केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह के बेहद करीबी है और संगठन में भी जिम्मेदारी संभाल रखी है लेकिन अपनों के बदले व्यवहार के चलते पार्टी का राज्य मुख्यालय इन्हें किसी विरोधी दल का दफ्तर लगने लगा है। पिछले लम्बे अर्से से इस नेता ने भाजपा मुख्यालय की चौखट पर कदम नहीं रखा है। पार्टी के लिये रात-दिन एक करने वाले भाजपा के इस वरिष्ठ नेता की पीड़ा भी जायज है। दरअसल पार्टी के कई नेता इनके संरक्षण में पले हैं और राजनीति का सफर भी इन्ही के कंधों पर तय किया है लेकिन बदले माहौल में अब यही नेता अपने संरक्षक से दूरी बनाकर रखते है। अपनी पीड़ा को भाजपा के यह नेता अपने करीबियों के साझा करने से नहीं चूकते। इनका तो कहना है कि अनुशासित पार्टी के नये सिपाही पुरानों का सम्मान करना जानते ही नहीं हैं। अपनी पीड़ा रखते-रखते यह नेता पुरानी यादों में खो जाते हैं।

चिट्ठी न कोई संदेश...

सूबे की नौकरशाही में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। किसी को अपने पद की स्थायी चिट्ठी का इंतजार है तो किसी को क्रीम पोस्टिंग का। कुछ ऐसे हैं जो अपनी तलवार की धार से छोटी मछलियों का शिकार कर रहे हैं। बेचारे चीफ साहब पिछले तीन माह से अधिक समय से स्थायी पत्र का इंतजार कर रहे हैं ताकि वह अपनी हनक का चाबुक अधीनस्थ अधिकारियों पर चला सकें। रोज वह नियुक्ति विभाग के अपने गुप्तचरों से पूछते हैं कि कोई चिट्ठी तो नहीं जारी हो रही है लेकिन अफसोस उनके गुप्तचर चीफ साहब को मनपसंद खुशखबरी नहीं दे पा रहे हैं। इन सबके बीच एक लंबे साहब हैं जो प्रदेश के एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य की जिम्मेदारी उठाने को बेताब हैं लेकिन उनके लिए भी खुश खबरी नहीं आ रही हैं। वजह चाहे कुछ भी हो लेकिन कुछ लोग इस सरकार में मुख्य रेस में आने को बेताब दिख रहे हैं।

सूरज की गरमी से...

खेती-किसानी पर राज करने वाले सिंह साहब को ठंडे मौसम में भी सूर्य की धूप अखरने लगी है। एक समय था जब गर्मी की तपिश में भी सूर्य की किरने उन्हें अच्छी लगती थी। सूर्य कितनी भी तेज रोशनी दे उन्हें उससे ऊर्जा मिलती थी लेकिन अब जब दिसम्बर का महीना आ गया है तो वही सूर्य की रोशनी उनके लिए सिरदर्द बन गई। बात-बात पर सूर्य का कहर सिंह साहब पर बरस पड़ता है। इसका कारण सिंह साहब भी नही समझ पा रहे हैं। अब तो आलम यह है कि सिंह साहब सूर्य के नजीक आते ही खुद ही किनारा करने लगते हैं और ऐसा कोना ढूंढते हैं कि सूर्य की रोशनी उनपर न पड़ने पाए। खेती किसानी में जुटे अन्य लोग भी इस बात को समझ नहीं पा रहे हैं कि जब शुरू में सूर्य प्रकट हुए थे तो सिंह साहब सूर्य की ही सेवा में लगे रहते थे। आलम यह था कि सिंह साहब की सुबह और शाम सूर्य के उगने और अस्त होने पर ही निर्भर थी, लेकिन अब स्थिति यह है कि सूर्य को देखकर सिंह साहब भाग खड़े होते हैं। लोग समझ नही पा रहे हैं कि हाल के दिनों में ऐसा क्या हो गया कि सूर्य और खेती-किसानी करने वाले सिंह साहब के बीच इतनी दूरियां बन गई हैं कि दोनों अब एक दूसरे के सामने नही पड़ रहे हैं।

चतुर चिकित्सक

सुई-दवाई वाले विभाग की एक शाखा के एक ऐसे साहब हैं, जिनकी चतुरता जितनी बखान की जाए कम ही है। सेरल और सौम्य दिखने वाले साहब अपने काम निपटाने के मामले में काफी चतुर हैं। बीते कई साल से अधिकारी की कुर्सी पर जमे साहब इस सरकार में अपने संबंधों का बखूबी इस्तेमॉल कर रहे हैं। पहले तो साहब ने अपनी नजदीकियों का फायदा उठाते हुए सेवा विस्तार ले लिया। सेवा विस्तार के बाद जमे साहब सरकारी खर्च पर ही अपने परिवार के सदस्य के नाम पर शिविर का आयोजन करते रहते हैं। तारीफ की बात शिविर का फीता भी किसी न किसी मंत्री से ही कटवाते हैं। दूसरे दिन अखबारों में भी शिविर की चर्चा देखने को मिल जाती है। अभी पिछले दिनों तो साहब की चतुरता परिसर तक पहुॅच गई। साहब ने अपने बेटे के शादी की खुशी में परिसर में ही दावत ए महफिल का आयोजन कर दिया। दूसरे दिन पता चला कि किसी ने साहब के इस कारनामें की शिकायत ऊपर कर दी है। ऐसे में शिकायत आने के बाद अधिकारियों ने स्पष्टीकरण तो मांग लिया मगर अब खबर है कि साहब की चतुरता के आगे सब कुछ ठंडा पड़ गया है।

दो पाटन के बीच में ...

कबीर की बहुप्रचलित साखी 'दो पाटन के बीच में साबुत बचा न कोय' इस समय खाकी वाले महकमे के एक एडीजी साहब पर हूबहू चरितार्थ हो रही है। कप्तान से लेकर डीआईजी और आईजी तक के सफर में विभिन्न अहम पदों पर जलवा फरोश रहे यह अधिकारी एडीजी पद पर प्रोन्नत होने के बाद भी महत्वपूर्ण पद पर तैनाती पाने में सफल हो गए थे। भगवा सरकार ने अपराधियों को कैद रखने वाले महकमे का मुखिया बना दिया था। अच्छी-भली नौकरी चल रही थी लेकिन इसी बीच खाकी वाले महकमे के मुखिया और शासन में उच्च पद पर आसीन आईएएस के बीच ठन गयी। खाकी के साथ ही साथ इन आईएएस के पास एडीजी साहब के महकमे का भी प्रभार था। लिहाजा एडीजी साहब का झुकाव उनके प्रति ज्यादा होना लाजिमी था। खाकी वाले महकमे के मुखिया को यह नागवार गुजरा। पहले तो आईएएस महोदय का महकमा बदल गया, फिर उनके हटने के बाद एडीजी साहब को महकमे के सबसे महत्वहीन पद पर भेज दिया गया। अब बेचारे उस दिन को कोस रहे हैं जब उन्होंने मुखिया से दूरी बनाते हुए आईएएस महोदय से निकटता बढ़ायी थी।

उन्नाव कांड को लेकर गरमाई राजनीति

उन्नाव कांड के विरोध में विधानसभा के सामने धरने पर बैठे सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव

राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल से मुलाकात के बाद मीडिया से मुखातिब बसपा प्रमुख मायावती

जीपीओ पर धरने पर बैठे कांग्रेस के नेता जितिन प्रसाद, पीएल पुनिया व अन्य

प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस के कार्यकर्ता को घसीट कर ले जाती पुलिस

बहू-बेटियों को सुरक्षा दे पाने में सरकार विफल: अखिलेश

- उन्नाव कांड को लेकर सपा आज समस्त जिला मुख्यालयों पर करेगी शोकसभा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में शनिवार को उन्नाव की रेप पीड़िता के निधन पर विधानभवन के मुख्यद्वार के समक्ष तथा पार्टी मुख्यालय पर शोकसभा के आयोजन में दो मिनट का मौन रहकर श्रद्धांजलि दी गई। शोकसभा में पार्टी के कई विधायक व बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए। शोक प्रस्ताव में रेप पीड़िता की दर्दनाक मौत पर आक्रोश व्यक्त करते हुए मृतक आत्मा की शांति तथा परिवार को यह दु:ख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की गई। इस मौके पर अखिलेश यादव ने ऐलान किया कि रविवार 8 दिसम्बर को समाजवादी पार्टी प्रदेश के समस्त जिला मुख्यालयों पर शोकसभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित करेगी। प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था, महिलाओं के प्रति अपराध में वृद्धि एवं उन्नाव कांड मामले को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव शनिवार की सुबह विधानभवन के समक्ष धरने पर बैठ गए। अखिलेश के साथ धरने पर सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल एवं पूर्व मंत्री राजेन्द्र चौधरी मौजूद थे।

अखिलेश यादव जिस समय विधानभवन के सामने धरना दे रहे थे उस दौरान पूरे विधानभवन के आस-पास के क्षेत्र को पुलिस ने पूरी तरह से छावनी में तब्दील कर दिया था। विधानभवन के सामने का यातायात पूरी तरह से बंद कर दिया गया था। वहीं दूसरी ओर अखिलेश के विधानभवन के समक्ष धरने पर बैठने की खबर लगते ही बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के नेता मौके पर पहुंच गए और अखिलेश तक पहुंचने के लिए उनकी पुलिस के साथ झड़प भी हुई। कुछ नेता तो पुलिस को चकमा देकर अखिलेश तक पहुंच भी गए और विधानभवन के सामने जमकर प्रदेश सरकार के खिलाफ नारे बाजी की। अखिलेश यादव ने करीब एक घंटे तक विधानभवन के समाने अपने सहयोगी नेताओं के साथ बैठकर धरना दिया और मौके पर ही दो मिनट का मौन धारण कर मृतका को श्रद्धांजलि भी दी। इसके उपरान्त करीब अपराह्न 12 बजे अखिलेश यादव विधानभवन पर धरने के उठने के बाद अपने लाव-लश्कर के साथ ही पार्टी मुख्यालय पहुंच गए। अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी मुख्यालय में उपस्थित सैकड़ों कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि उन्नाव की रेप पीड़िता को हम बचा नहीं पाए, यह दु:ख की बात है।

सरकारी महकमों के विलय का मामला फिर लटका

- सीएम दफ्तर से बैरंग लौटी विलय की प्रस्तावित पत्रावली

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सरकारी महकमों के आपस में विलय का मामला फिर लटका गया है। विलय की प्रस्तावित पत्रावली मुख्यमंत्री दफ्तर से फिर बैरंग लौट आयी है। सूत्रों का कहना है कि प्रस्तावित विलय के कई बिन्दुओं पर सवाल उठाये गये हैं। मुख्यमंत्री ने इससे पहले भी विलय के प्रस्ताव पर अधिकारियों की लम्बी बैठक ली थी। अधिकारियों ने विलय का जो खाका तैयार किया था, उससे सीएम संतुष्ट नहीं थे और कई नये निर्देशों के साथ संशोधित प्रस्ताव मांगा था। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि विलय के प्रस्ताव पर सीएम द्वारा दिये गये निर्देशों को शामिल करते हुये सचिवालय प्रशासन की उच्चस्तरीय कमेटी ने नया प्रस्ताव सीएम आफिस भेजा था, जिसे परीक्षण के बाद लौटा दिया गया है। पत्रावली के साथ कमेटी को कुछ नये निर्देश दिये गये हैं। विदित हो कि राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद नीति आयोग ने यूपी में सरकारी कामकाज को सुधारने तथा रफ्तार देने के लिये लम्बा मंथन किया था। जिसके बाद आयोग ने राज्य सरकार को अपने सुझाव दिये थे। सुधार के लिये एक अल्पकालीन तथा दूसरा दीर्घकालीन प्लान था। नीति आयोग के इसी प्लान में एक तरह के विभागों का आपस में विलय करके चालीस के आसपास विभागों को रखने की सिफारिश की गई थी। नीति आयोग की सिफारिशों को जमीन पर उतारने के लिये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपर मुख्यसचिव सचिवालय प्रशासन की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया था। इस समिति ने नब्बे से अधिक विभागों का परीक्षण करके चालीस विभाग बनाने का ब्लूप्रिन्ट तैयार किया था। जिसे लेकर लगभग तीन माह पहले सीएम ने अधिकारियों के साथ बैठक की थी। सीएम योगी विलय के इस ब्लूप्रिन्ट से सहमति नहीं थे। उन्होंने अधिकारियों को कई बिन्दुओं पर खामियां गिनाते हुये नया प्रस्ताव बनाने को कहा था।

गजट नोटिफिकेशन जारी कर भुगतान की मांग

- पीएफ घोटाले के मामले में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर पुन: मांग की है कि पावर सेक्टर इम्पलाइज ट्रस्ट में जमा धनराशि के भुगतान के बारे में विगत 23 नवम्बर को प्रमुख सचिव ऊर्जा द्वारा जारी आदेश पर वित्त विभाग का अनुमोदन लेते हुए गजट नोटिफिकेशन जारी किया जाए।

समिति ने कहा कि गजट नोटिफिकेशन से बिजली कर्मचारी बिना तनाव के पूर्ण निष्ठा से बिजली आपूर्ति के अपने कार्य मे जुटे रह सकेंगे। घोटाले के दोषी पावर कारपोरेशन के पूर्व चेयरमैनों को घोटाले की तह तक जाने के लिए गिरफ्तार किया जाना जरूरी है। संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री की 2 नवम्बर की घोषणा के बावजूद एक माह से अधिक समय व्यतीत हो जाने के बाद भी सीबीआई जांच शुरू न होने पर आक्रोश व्यक्त किया है। संघर्ष समिति ने कहा कि डीएचएफएल के रीजनल हेड की घोटाले में गिरफ्तारी से स्पष्ट हो गया है कि घोटाले में पावर कारपोरेशन और डीएचएफ एल के शीर्ष अधिकारी सम्मिलित हैं। ऐसे में घोटाले की अवधि में जो लोग भी पवार कारपोरेशन के चेयरमैन और एमडी रहे हों उन्हें तत्काल गिरफ्तार किया जाना जरूरी है। पीएफ घोटाले में आगे की रणनीति तय करने के लिए संघर्ष समिति की 10 दिसम्बर को मीटिंग बुलाई गई है। समिति के शैलेंद्र दुबे और सुहेल आबिद ने कहा कि ट्रस्ट के माध्यम से कर्मचारियों के जीपीएफ व सीपीएफ की धनरशि गैरकानूनी ढंग से अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक की सूची में न आने वाले डीएचएफएल कम्पनी में निवेश की गयी जिसकी जिम्मेदारी पावर कारपोरेशन व ट्रस्ट के चेयरमैन की है। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि डीएचएफएल में निवेश करना ही गलत था किन्तु यह निवेश एफडी में किया गया जो और भी असुरक्षित था जिसके लिए सबसे अधिक दोषी तत्कालीन चेयरमैन हैं।

सेनाओं के प्रति देशवासियों में गौरव का भाव: राज्यपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर निदेशक सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास बिग्रेडियर रवि तथा अन्य ने झण्डा पिन किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर निदेशालय की स्मारिका तथा उत्तर प्रदेश सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास निधि की वेबसाइट का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने परंपरा के अनुरूप अंशदान भी किया। इस धन का उपयोग भूतपूर्व सैनिकों तथा उनके परिवारों के आर्थिक कष्ट निवारण एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये किया जाता है।

राज्यपाल ने कहा कि सेनाओं की प्रति देशवासियों के मन में गौरव का भाव है। युद्ध में अपंग हुये सैनिकों को मंच प्रदान कर उनके अनुभव साझा करने चाहिए कि कैसे उन्होंने देश की सुरक्षा में अपना योगदान दिया है। हमारा कर्तव्य है कि सैनिकों और उनके आश्रितों की सहायता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अंशदान से हम देश की सशस्त्र सेनाओं के सैनिकों एवं उनके परिवार के साथ भावनात्मक संबंध स्थापित कर सकते हैं तथा उनके प्रति कृतज्ञता और आत्मीयता भी प्रकट कर सकते हैं। श्रीमती पटेल ने कहा कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस में निधि में दान के कार्य में विद्यालयों के बच्चों को भी सम्मिलित किया जाये। राज्यपाल ने कहा कि वेबसाइट के होने से सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास निधि अधिक सक्रियता से कार्य कर सकेगा तथा इसका लाभ पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को मिलेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि वेबसाइट में उत्तर प्रदेश के 45 लाख से अधिक पूर्व सैनिकों का विवरण भी उपलब्ध कराया जाये। निदेशक सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास बिग्रेडियर रवि ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस वर्ष 2 से 8 दिसम्बर के मध्य सशस्त्र सेना झण्डा सप्ताह मनाया जा रहा है।

मांगों को लेकर आंदोलन करेगी संयुक्त कर्मचारी परिषद

लखनऊ। उप्र राज्य सेतु निगम संयुक्त कर्मचारी परिषद की बैठक प्रान्तीय केन्द्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में ऐशबाग केन्द्रीय कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि आठ सूत्रीय मांगों के निस्तारण के लिए प्रस्ताव सरकार को भेजा जाएगा। इसके उपरान्त अगर एक माह में मांगों की प्रतिपूर्ति न की गई तो जनवरी में सेतु निगम संयुक्त कर्मचारी परिषद प्रान्तीय स्तर पर आन्दोलन शुरू कर देगा। तिवारी ने संयुक्त रूप से बताया कि परिषद की मुख्य मांगों में छठे वेतनमान का एरियर जिससे लगभग 3500 कर्मचारी वंचित हैं, का तत्काल भुगतान कराया जाए। वार्षिक चिक्तिसा प्रतिपूर्ति को तत्काल बहाल किया जाए। 2001 तक के दैनिक वेतन भोगी ग्रुप बी के लगभग 125 कर्मचारियों का विनियमितिकरण शासनादेश के अनुसार किया जाए। फील्ड के लगभग 2000 कर्मचारियों को अतिकाल भुगतान कराया जाए। ग्रैच्युटी का भुगतान कराया जाए। कार्यानुरूप पदनाम दिया जाए। उत्तर प्रदेश जनहित गारंटी अधिनियम का अनुपालन किया जाए। बैठक में संयोजक सुधीर शुक्ला, प्रहलाद निषाद, अरूण श्रीवास्तव, विकास तिवारी, शिवकुमार, राम गोपाल शुक्ला, मुरारी लाल, ऊषा तिवारी, अभिषेक पाण्डेयसहित प्रदेश पदाधिकारी मौजूद थे।

लूट की सनसनीखेज वारदातों में शामिल गिरोह का सरगना गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रयागराज व प्रतापगढ़ में लूट की कई सनसनीखेज घटनाओं को अंजाम देने वाले गिरोह के सरगना व 25 हजार के ईनामी अपराधी गुलजार को एसटीएफ ने प्रयागराज के थाना मऊआइमा क्षेत्र से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक अवैध पिस्टल और कारतूस बरामद हुए।

गुलजार ने पूछताछ पर बताया कि प्रतापगढ़ व प्रयागराज में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर कई लूट की घटनाओं को अन्जाम दिया है। अगस्त 2017 में उसने, जुनैद पुत्र शकील तथा शादाब बाबा निवासी जफरापुर ने मिलकर जगदीशपुर के पास पेट्रोल पम्प मैनेजर को गोली मारकर उससे 3,85,000 रुपए लूट लिया था। ईशा निवासी मिश्रपुर, मान्धाता ने मैनेजर के आने जाने की जानकारी व रेकी का काम किया था। सितम्बर 2018 में खड़गपुर लीलापुर की टाइनी शाखा में उसने तथा मुजीब, शेखनपुर तथा साहिल उर्फ चिंगारी के साथ मिलकर शाखा में घुसकर 45,000 रुपए, पेट्रोलपम्प मैनेजर से 3,63,000 रुपए तथा 1,75,000 रुपए का चेक उसने तथा साहिज व मुजीब उपरोक्त ने मिलकर लूट लिया था। नवम्बर 2018 में उसने तथा नावेद और नवरेज ने मिलकर शीतलमऊ की टाइनी शाखा में घुसकर 1,35,000 रुपए की लूट की थी। अक्टूबर 2019 में उसने तथा बिलाल व मुक्तदीर ने मिलकर शेखनपुर नहर पटरी (रानीगंज) के पास रानीगंज के टाइनी शाखा संचालक से 1,90,000 रुपए की लूट की थी।

लूट में वांछित बरेली का ईनामी पटियाला से गिरफ्तार

लखनऊ। बरेली से वांछित 25 हजार रुपए के ईनामी अपराधी अवनीश उर्फ टिंकू पंडित को एसटीएफ ने पंजाब प्रदेश के पटियाला से गिरफ्तार किया। फरार ईनामी अपराधियों की तलाश में जुटी एसटीएफ को सूचना मिली कि टिंकू पंजाब के पटियाला में फैक्ट्री व दुकानों में मजदूरी कर रहा है। इस जानकारी के बाद एसटीएफ की टीम पटियाला रवाना की गयी। पंजाब पुलिस की मदद से एसटीएफ ने सटीक सूचना के आधार पर पटियाला के दौलतपुर से टिंकू पंडित को गिरफ्तार कर लिया।अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि उसने बीती 14 जून को थाना हाफिजगंज, बरेली के राजघाट पुलि के पास एक पिकअप गाड़ी का अपने साथी मनोज, ओमवीर, वीरेंद्र, अजय, रवि, राजा उर्फ जितेंद्र के साथ मिलकर मोटरसाइकिल से पीछा कर उस पर सवार जायसवाल बैट्री वाले के मुनीम से एक लाख 87 हजार रुपया लूट लिया था। टिंकू ने बताया कि लूट की रकम से उसे बीस हजार रुपया मिला था। उसके बाद वह वहां से भागकर अपने परिवार को लेकर पंजाब के पटियाला चला आया। यहां रहकर मजदूरी करने लगा और उसके हिस्से में जो पैसा आया उसे खर्च कर दिया। इस घटना के संबंध में बरेली के थाना हाफिजगंज में डकैती का मुकदमा दर्ज है। एसटीएफ के अनुसार टिंकू को ट्रांजिट रिमांड पर लाकर बरेली पुलिस के सुपुर्द किया जाएगा।

पाक के खिलाफ चौकन्ना रहने की जरूरतः राजनाथ

भाषा। देहरादून

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को सशस्त्र बलों से पाकिस्तान से चौकन्ना रहने को कहा जो आतंकवाद की सरकारी नीति पर चलता है। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत की कोई अतिरिक्त क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाएं नहीं हैं। सिंह ने यहां भारतीय सैन्य अकादमी की पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए सशस्त्र बल में शामिल हुए कैडटों से सेवा एवं शांति का संदेश दुनिया तक ले जाने लेकिन साथ ही पाकिस्तान जैसे पड़ोसी से निपटने के लिए भी तैयार रहने को कहा।

सिंह ने कहा, कई युद्धों में भारत के हाथों शिकस्त खाने के बावजूद पाकिस्तान आतंकवाद की सरकारी नीति पर चलता है। पाकिस्तान में चरमंपथी तत्व इतने मजबूत हैं कि राजनीति के केंद्र में बैठे लोग उनके हाथों की कठपुतलियों से ज्यादा कुछ नहीं लगते। उन्होंने कहा, इतिहास गवाह है कि भारत की अतिरिक्त क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाएं नहीं रही हैं। वह अपने पड़ोसी के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों में यकीन रखता है लेकिन हमें पाकिस्तान जैसे पड़ोसी से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। रक्षा मंत्री ने 9।11 और 26।11 के सरगनों के पाकिस्तान में पाए जाने का जिक्र करते हुए कहा, 26।11 के दोषियों को तब न्याय मिलेगा जब आतंक के सरगनों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत और चीन की क्षेत्रीय अवधारणाएं एक-दूसरे से अलग हो सकती हैं लेकिन चीन आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में बाकी दुनिया के साथ खड़ा है। उन्होंने चीन के साथ डोकलाम गतिरोध के दौरान संयम के साथ-साथ इच्छाशक्ति दिखाने के लिए भी भारतीय सुरक्षा बल की प्रशंसा की। सशस्त्र बलों में शामिल हुए कैडटों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा, आपके प्रशिक्षण ने न केवल आपको शक्ति दी है बल्कि आपके जीवन को भी नया अर्थ दिया है। रक्षा मंत्री ने इलाके में यातायात की भीड़भाड़ को कम करने के लिए आईएमए के उत्तर, दक्षिण और मध्य परिसरों को जोड़ने के लिए दो अंडरपास के निर्माण की भी घोषणा की। सिंह ने कहा कि इन परियोजनाओं के लिए 30 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। रक्षा मंत्री ने अकादमी का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार स्वॉर्ड ऑफ ऑनर और स्वर्ण पदक एकेडमी अंडर ऑफिसर विनय विलास गराद को और रजत पदक सीनियर अंडर ऑफिसर पीकेंद्र सिंह तथा कांस्य पदक बटालियन अंडर ऑफिसर ध्रुव मेहला को दिया।

आंध्र सरकार ने मुख्यमंत्री आवास के लिए प्रस्तावित कार्यों को रद्द करने का दिया आदेश

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी के आवास पर 3.10 करोड़ रूपए के प्रस्तावित कार्यों को रद्द कर दिया है। विपक्ष ने उन पर व्यर्थ का व्यय का आरोप लगा कर हमला बोला था। परिवहन, सड़क और भवन विभाग के प्रमुख सचिव एम टी कृष्णा बाबू ने शुक्रवार देर रात औपचारिक आदेश जारी कर पिछले दो महीनों में स्वीकृत कार्यों के प्रस्ताव को रद्द कर दिया। पिछले महीने सरकार ने एक आदेश जारी किया था जिसमें ताडेपल्ली स्थित मुख्यमंत्री के अस्थाई आवास पर फर्नीचर उपलब्ध कराने के लिए 39 लाख रुपए की मंजूरी दी गई थी। एल्यूमीनियम के दरवाजे-खिड़कियां लगाने और कई अन्य विविध कार्यों के लिए 73 लाख रुपए की मंजूरी मिली थी। साथ ही अस्थाई आवास के वार्षिक रखरखाव के लिए 1.2 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की गई थी। अस्थाई निवास के आसपास मोबाइल टॉयलेट, कूलर, पीवीसी रेनप्रूफ पैगोडा जैसी कथित अस्थाई व्यवस्थाएं करने के लिए 22.50 लाख रुपए मंजूर किए गए थे। हैदराबाद के लोटस पॉन्ड स्थित जगन निवास की सुरक्षा व्यवस्था के लिए 24.50 लाख रुपए मंजूर किए गए थे। विपक्ष ने मुख्यमंत्री पर व्यर्थ व्यय करने का आरोप लगाते हुए कहा था कि राज्य वित्तीय संकट से गुजर रहा है और मुख्यमंत्री आवास पर 17 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। प्रमुख सचिव ने बिना कोई आधिकारिक कारण बताए शुक्रवार देर रात प्रस्तावित कार्यों को रद्द करने का आदेश जारी कर दिया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर काम को रद्द कर दिया गया।

राहुल गांधी ने महिलाओं विरोधी हिंसा के लिए मोदी सरकार की आलोचना की

वायनाड (केरल) में एक कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स के साथ कांग्रेस नेता राहुल गांधी

भाषा। सुल्तान बाथरी (केरल)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश में हिंसा की बढ़ती घटनाओं खासकर महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों के लिए शनिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की। गांधी ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के सम्मेलन में यहां कहा, आपने देश भर में हिंसा के बढ़ते मामलों को देखा। अराजकता, महिलाओं के खिलाफ ज्यादती के मामले बढ़े हैं। हर दिन हम पढ़ते हैं कि लड़कियों से दुष्कर्म हो रहा है, उनसे छेड़छाड़ की जा रही है। अल्पसंख्यक और दलित समुदायों के खिलाफ हिंसा के मामले भी बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि इस बढ़ती अराजकता की वजह संस्थागत ढांचों का टूटना है। गांधी ने आरोप लगाया, ऐसा इसलिए है क्योंकि जो व्यक्ति देश चला रहा है वह हिंसा और सत्ता के विवेकहीन इस्तेमाल में विश्वास रखता है। उन्होंने कहा, दुनिया भारत की तरफ देखती थी ताकि उसे दिशा मिल सके लेकिन अब वो हमारी तरफ देखते हैं और कहते है कि यह देश नहीं जानता की महिलाओं से कैसे पेश आना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी उन्नाव में दुष्कर्म के बाद जलाई गई पीड़िता की दिल्ली के अस्पताल में एक दिन पहले हुई मौत और हैदराबाद में एक पशु चिकित्सक को चार लोगों द्वारा दुष्कर्म के बाद जलाए जाने की घटनाओं के बाद सामने आई है। वायनाड से सांसद ने कहा कि देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी अर्थव्यवस्था हुआ करती थी, अब यह सबसे बड़ी कमजोरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास देश को आगे ले जाने की परिकल्पना नहीं है।

पुरी सामूहिक दुष्कर्म मामले में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

भाषा। पुरी (ओडिशा)

ओडिशा के पुरी शहर में एक लड़की से कथित सामूहिक दुष्कर्म मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। घटना दो दिसंबर की है जिसके बाद से आरोपी फरार था। उसे शुक्रवार रात को ब्रह्मागिरी पुलिस थाना क्षेत्र के तहत एक गांव से गिरफ्तार किया गया।

चार आरोपियों में से दो को तीन दिसंबर को पुरी में गिरफ्तार किया गया था। 17 साल की नाबालिग से बलात्कार के आरोपियों में एक बर्खास्त पुलिस कांस्टेबल भी शामिल है। पूर्व पुलिस कांस्टेबल समेत दो लोगों ने शहर के झड़ेस्वरी क्लब के पास एक पुलिस क्वार्टर के अंदर लड़की से कथित रूप से सामूहिक बलात्कार किया। सूत्रों ने बताया कि जिस पुलिस क्वार्टर में अपराध को अंजाम दिया गया, वह बर्खास्त कांस्टेबल की पत्नी को आवंटित था जो खुद भी एक कांस्टेबल है। आरोपियों के खिलाफ आईपीसी के अलावा पॉक्सो (यौन अपराध से बच्चों की सुरक्षा) कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुरी से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर नीमापाड़ा बस स्टैंड पर इंतजार कर रही पीड़िता को बर्खास्त कांस्टेबल और उसके दोस्तों ने लिफ्ट देने की पेशकश की थी।

मुझे भाजपा नेताओं का नहीं, मप्र की जनता का प्रमाणपत्र चाहिए

भाषा। इंदौर

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में साल भर का कार्यकाल पूरा करने जा रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने शनिवार को कहा कि उन्हें मुख्य विपक्षी दल भाजपा के नेताओं का नहीं, बल्कि राज्य की जनता का प्रमाणपत्र चाहिए।

कमलनाथ ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि साल भर के हमारे कार्यकाल में से ढाई महीने तो लोकसभा चुनावों की आदर्श आचार संहिता के कारण निकल गए। इस तरह हमें काम करने के लिए केवल साढ़े नौ महीने मिले। इस अवधि में हमने सूबे में विकास की नई शुरूआत करते हुए अपनी सही नीतियों और नीयत का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि हम सूबे के नौजवानों और किसानों के भविष्य की चुनौतियों के मुताबिक विकास का नया नक्शा बनाएंगे। हम रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए निवेश का वातावरण बनाएंगे, ताकि उद्योगपति पूंजी लगाने के लिए अपने आप मध्यप्रदेश आएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फिलहाल सूबे के कृषि क्षेत्र में फसलों के बम्पर उत्पादन की चुनौती है। ऐसे में हम कृषि क्षेत्र को नए नजरिए से देखते हुए किसानों की क्रय शक्ति बढ़ाएंगे, ताकि बाजारों में आर्थिक हलचल तेज हो। पिछले साल नवंबर में संपन्न विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस 15 साल के लम्बे अंतराल के बाद सूबे की सत्ता में लौटी थी। कमलनाथ ने 17 दिसंबर 2018 को राज्य के नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। मुख्यमंत्री ने भाजपा नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं कोरी घोषणाओं में विश्वास नहीं करता। घोषणा करने वाले लोग (भाजपा नेता) तो 15 साल तक घोषणा ही करते रह गए। जब राज्य की जनता ने इन घोषणाओं से परेशान होकर उन्हें सत्ता से बाहर कर दिया, तो अब उन्होंने हमारी आलोचना करनी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि मुझे उनकी (भाजपा नेताओं की) आलोचना की चिंता नहीं है। मुझे उनका प्रमाणपत्र नहीं चाहिए। मुझे तो प्रदेश की जनता से प्रमाणपत्र चाहिए। प्रशासन के जरिए कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने पर जोर देते हुए कमलनाथ ने कहा कि सूबे में असुरक्षा के वातावरण को जरा भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कमलनाथ ने यहां ई-सवारी योजनौ की शुरूआत की और इसे देश में अपनी तरह का पहला सरकारी कार्यक्रम करार दिया। इस योजना के जरिए पहले चरण में 100 महिला ड्राइवरों को ई-रिक्शा प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर की जरूरतों के मुताबिक इन शहरों में भी महिला ड्राइवर वाले ई-रिक्शा चलाए जाएंगे।

चुनावों से पहले कैब को लेकर भाजपा के खिलाफ माहौल बनाएगी तृणमूल कांग्रेस

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में हालिया उपचुनाव में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ प्रचार कर जीत हासिल करने से उत्साहित तृणमूल कांग्रेस की निगाहें अब 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले नागरिकता संशोधन विधेयक (कैब) के मुद्दे पर भाजपा के खिलाफ माहौल बनाने पर टिकी हैं।

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि पार्टी चुनाव के दौरान विवादित विधेयक के खिलाफ प्रचार पर ध्यान केन्द्रित करेगी, जिसे पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने दूसरा स्वतंत्रता संग्राम करार दिया है। इन नेताओं को लगता है कि आगामी चुनाव में 120 सीटें निर्णायक साबित होंगी, जहां अल्पसंख्यक और शरणार्थी आबादी अच्छी खासी तादाद में है। नागरिकता संशोधन विधेयक में पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से शरणार्थी के तौर पर आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता प्रदान करने की बात कही गई है जिन्हें धार्मिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा हो। छह दशक पुराने नागरिकता अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन के बाद इन्हें अवैध प्रवासी न मानकर भारतीय नागरिकता दी जाएगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता में एक रैली में कहा था कि वह इस विधेयक का समर्थन करेंगी अगर हर शरणार्थी को नागरिकता दी जाए।

बेंगलुरु में सेना पुलिस की पासिंग आउट परेड के दौरान आग के छल्लों के बीच से छलांग लगाता सेना पुलिस का जवान

चिदंबरम ने केंद्र को बताया पीछे ले जाने वाली सरकार

भाषा। चेन्नई

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने केन्द्र को पीछे ले जाने वाली सरकार करार देते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि कश्मीर घाटी के 75 लाख लोगों को स्वतंत्रता नहीं दी जा रही है। आईएनएक्स मीडिया मामले में दिल्ली की एक जेल में 106 दिन रहने के बाद पहली बार यहां पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह खुली हवा में सांस लेकर बेहद खुश हैं। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, लेकिन इसी समय, देश के कुछ हिस्सों में आजादी छीनी जा रही है और स्वतंत्रता की आवाज दबाई जा रही हैं और आपको यह भूलना नहीं चाहिए।

चिदंबरम ने आरोप लगाया, जब हम बोल रहे हैं तो कश्मीर घाटी में 75 लाख लोगों को आजादी नहीं दी जा रही। उन्होंने कहा अगर एक व्यक्ति को आजादी नहीं दी जा रही इसका मतलब है कि सभी के लिए आजादी नहीं है। उन्होंने कहा, आजादी को अलग नहीं किया जा सकता, आपकी आजादी मेरी है और मेरी आजादी आपकी। अगर में आपकी स्वतंत्रता की रक्षा नहीं करता हूं तो आप मेरी स्वतंत्रता को नहीं बचा सकते। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, इस देश में, एक दक्षिणपंथी, पीछे की ओर ले जाने वाली (सरकार) फासीवादी सरकार की और आगे बढ़ रही है जो आजादी हड़प रही है, हमें बेहद सतर्क रहना होगा। उन्होंने दावा किया कि देश वास्तव में तभी आजाद होगा जब देश के बाकी हिस्सों के लोग भी दक्षिण भारत की तरह सजगता दिखाएंगे और खास तौर पर भाजपा का विरोध करने में तमिलनाडु की सजगता को अपनाएंगे। राज्य के लोगों की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के लोगों ने भगवा पार्टी का जमकर विरोध किया और इस तरह का विरोध देश भर में फैलना चाहिए और यह उनकी इच्छा है।

बलात्कारी के लिए मृत्युदंड से सख्त सजा कुछ नहीं हो सकती, पालक भी जिम्मेदारी समझेंः ईरानी

भाषा। इंदौर (मध्य प्रदेश)

सामूहिक बलात्कार के बाद युवतियों को जिंदा जलाए जाने की दो हालिया घटनाओं पर देशभर में आक्रोश के बीच केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने शनिवार को कहा कि आधी आबादी की सुरक्षा के लिए सरकार ने दुष्कृत्य के मामलों में मृत्युदंड तक का कानूनी प्रावधान किया है और इससे सख्त सजा कुछ नहीं हो सकती।

उन्होंने कहा कि समाज को भी चाइल्ड पोर्नोग्राफी जैसी चुनौतियों से निपटने पर विचार करना होगा और पालकों को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए बच्चों को सिखाना होगा कि महिलाओं से सही बर्ताव किया जाए। ईरानी ने यहां रोटरी इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान दोतरफा संवाद के सत्र में कहा कि चर्चा यह भी हो रही है कि बलात्कार के मुजरिमों के लिए और सख्त सजा का प्रावधान किया जाना चाहिए। ऐसे मामलों में सरकार की ओर से सजा-ए-मौत तक का कानूनी प्रावधान किया गया है। अब सजा-ए-मौत से ज्यादा सख्त सजा और कुछ नहीं हो सकती। उन्होंने बताया कि सरकार ने बलात्कार के मुकदमों की तेज सुनवाई के लिए देशभर में 1,023 फास्टट्रैक कोर्ट स्थापित करने के लिए वित्तीय मदद देनी शुरू कर दी है। बलात्कार के मामलों में अदालतों से सजा पाने वाले सात लाख से ज्यादा यौन अपराधियों का राष्ट्रीय डेटाबेस भी बनाया गया है, ताकि इन लोगों पर नजर रखी जा सके। ईरानी ने अपील की कि बलात्कार पीड़िताओं की कानूनी मदद के लिए समाज को भी जिला स्तर पर आगे आना होगा, ताकि उन्हें इंसाफ मिल सके। उन्होंने कहा कि हम एक नागरिक के तौर पर इंसाफ के लिए (सरकारी) संस्थाओं की ओर देखते हैं। बलात्कार की घटनाओं के लिए संस्थाओं, मीडिया, फिल्मों और साहित्य को जिम्मेदार ठहराया जाता है। लेकिन हमें खासकर पालकों के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए ख्याल रखना चाहिए कि हम अपने बच्चों के सामने महिलाओं की कैसी छवि पेश कर रहे हैं। ईरानी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि मैं कल (शुक्रवार) संसद में महिला उत्पीड़न के बारे में बोल रही थी, तब दो पुरुष सांसद मुझे मारने के लिए आगे बढ़े। इसका कारण बस यह था कि मैं बोल रही थी। क्या महिलाओं के लिखने और बोलने से भी दूसरी महिलाओं का उत्पीड़न होता है? केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लैंगिक समानता और महिलाओं के अधिकारों के लिए सरकारी संस्थाएं तो अपने कई प्रयास कर ही रही हैं।

राइफल चुराकर भागे दो बदमाशों के बारे में पुलिस को कुछ सुराग मिले

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश में होशंगाबाद जिले के प्रसिद्ध पर्वतीय पर्यटन स्थल पचमढ़ी में स्थित भारतीय सेना के एक शिविर की चौकी पर तैनात संतरियों को झांसा देकर उनकी दो इंसास राइफल और 20 कारतूस चोरी करने वाले दो अज्ञात बदमाशों के बारे में पुलिस को घटना के एक दिन बाद शनिवार को कुछ सुराग मिले हैं।

होशंगाबाद के पुलिस अधीक्षक एम एल छारी ने बताया, चोरी करने से पहले बदमाशों ने पचमढ़ी के एक ढाबे से खाना पैक कराया था। हमें ढाबे से आरोपियों के सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। इसमें एक आरोपी काले रंग का हुड शर्ट और दूसरा पीले रंग का हुड शर्ट पहना हुआ है। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने पिपरिया रेलवे स्टेशन से पचमढ़ी में सेना शिविर तक जाने के लिए जिस एसयूवी वाहन को किराए पर लिया था। उन्होंने बताया कि उसके चालक ने हमें बताया कि वे पंजाबी लहजे में बात कर रहे थे। पिपरिया रेलवे स्टेशन से पचमढ़ी लगभग 55 किलोमीटर दूर है। एसपी ने बताया कि हम वाहन चालक से पूछताछ कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिपरिया रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। इसलिए पिपरिया से बदमाश आगे कहां और कैसे गए यह पता नहीं चल पा रहा है। छारी ने बताया कि दोनों बदमाश बृहस्पतिवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात लगभग डेढ़ बजे सेना के शिविर में पहुंचे और लगभग तीन बजकर 13 मिनट पर वहां से निकल गए। उन्होंने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए कई एजेंसियां काम कर रही हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (खुफिया) डॉ. एस डब्ल्यू नकवी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से हमें पता चला है कि दोनों बदमाश ट्रेन से जबलपुर से पिपरिया आए थे। अभी यह पता नहीं चला है कि वे पिपरिया से कैसे भागे। उन्होंने कहा कि बदमाशों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। क्या एजेंसियां आरोपियों को पकड़ने के करीब हैं, के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस पर कुछ कहना अभी जल्दबाजी होगी।

केरल पुलिस ने उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की सुरक्षा अचानक हटाई

कोच्चि। केरल पुलिस ने उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बी. केमल पाशा की सुरक्षा शनिवार को अचानक वापस ले ली। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सेवानिवृत्त न्यायाधीश विभिन्न मामलों से निपटने में माकपा के नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार की नाकामी को लेकर मुखर रहे हैं। न्यायाधीश केमल पाशा ने कहा कि उनकी निजी सुरक्षा में तैनात चार सशस्त्र पुलिसकर्मियों को सरकार ने हटा दिया है। उन्होंने कहा, शुक्रवार को गृह सचिव स्तर पर यह फैसला लिया गया। पुलिसकर्मी आज (शनिवार) अपना कार्य पूरा कर चले गए। सेवानिवृत्त न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे समय में अचानक सुरक्षा हटा ली गई है जब वह केरल में इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों की धमकी का सामना कर रहे हैं। हाल ही में अट्टापाडी में पुलिस द्वारा मुठभेड़ में चार माओवादियों की कथित हत्या समेत विभिन्न मुद्दों पर सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए सुरक्षा वापस लिए जाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि वह सरकार की गलत नीतियों का विरोध करते रहेंगे।

जम्मू कश्मीर, लद्दाख में रात को पारा गिरने का सिलसिला जारी, द्रास में जबरदस्त ठंड

भाषा। जम्मू

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर और लद्दाख में रात का तापमान गिरने का सिलसिला जारी है तथा ही द्रास क्षेत्र का सबसे ठंडा स्थान रहा जहां पारा शून्य से नीचे 25.4 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। श्रीनगर में अब तक की सबसे सर्द रात महसूस की गई। वहां पारा गिरकर सामान्य से तीन डिग्री कम 0.6 डिग्री पर पहुंच गया।

मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण आने वाले दिनों में रात के तापमान में सुधार आने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते दोनों केंद्र शासित प्रदेशों में बुधवार को ताजा हिमपात हुआ और बारिश आई। उन्होंने बताया कि लद्दाख के करगिल जिले में द्रास में रात को पारा शून्य से नीचे 25.4 डिग्री तक लुढ़क गया तथा यह क्षेत्र का सबसे ठंडा स्थान रहा। वहां इससे पिछली रात में यह शून्य से नीचे 24.3 डिग्री तक लुढ़का था। अधिकारी ने बताया कि लद्दाख में ही आने वाला लेह शहर भी जबरदस्त ठंड की चपेट में है। वहां न्यूनतम तापमान 15.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि श्रीनगर समेत कश्मीर के ज्यादातर हिस्से कोहरे की चादर में लिपटे हैं और सुबह के समय सूरज बादलों में ही छिपा रहा। उन्होंने बताया कि जम्मू कश्मीर की शीतकालीन राजधानी जम्मू में न्यूनतम तापमान में हल्की गिरावट आई और वह सामान्य से दो डिग्री कम 8.5 डिग्री से. पर दर्ज किया गया। अधिकारी ने बताया कि दक्षिण कश्मीर का पहलगाम पर्वतीय रिजॉर्ट शून्य से 5.9 डिग्री से. के साथ सबसे ठंडा स्थान रहा। इसके बाद मशहूर स्की रिजॉर्ट गुलमर्ग में तापमान शून्य से 5.6 डिग्री नीचे दर्ज किया गया। जम्मू क्षेत्र के रियासी जिले में वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए आधार शिविर कटरा में न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री से. दर्ज किया गया। हालांकि, डोडा जिले का भद्रवाह शहर 1.4 डिग्री से. तापमान के साथ सबसे सर्द स्थान रहा। मौसम विज्ञान विभाग के निदेशक सोनम लोटस ने बताया कि जम्मू कश्मीर के मैदानी हिस्सों और लद्दाख के करगिल जिले में 11 से 13 दिसंबर तक ताजा बर्फबारी या बारिश के मद्देनजर सोमवार रात से तापमान में राहत मिलने की उम्मीद है।

मनाली में भारी बर्फबारी के चलते कई क्षेत्रों में बर्फ जम गई और रास्ते बंद हो गये

घने कोहरे के कारण श्रीनगर हवाईअड्डे पर उड़ानें बाधित

श्रीनगर। कश्मीर घाटी के अधिकांश भागों में शनिवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से श्रीनगर हवाईअड्डे पर नौ उड़ानें रद्द कर दी गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भारतीय विमानन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि हवाईअड्डे पर दृश्यता केवल 600 मीटर तक ही थी। उन्होंने कहा कि दृश्यता सुधरने के साथ फिर से परिचालन शुरू होगा। अधिकारी ने कहा कि श्रीनगर हवाईअड्डे पर विमान परिचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ है और घने कोहरे से दृश्यता घटने के कारण कोई भी विमान हवाईअड्डे पर नहीं उतर सका। उन्होंने बताया कि कुल 25 उड़ानों में से नौ उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने यह भी कहा कि कोहरे के कारण श्रीनगर से हवाई यातायात पूरी तरह बाधित रहा। कम दृश्यता के कारण हवाई अड्डे पर न तो कोई विमान उतरा और न ही उड़ान भर सका।

रंधावा संयुक्त 35वें स्थान पर, चढ्ढा खिसके

भाषा। बेल ओम्ब्रे (मारीशस)

भारतीय गोल्फर ज्योति रंधावा ने शनिवार को यहां एफ्रेशिया बैंक मारीशस ओपन के तीसरे दौर में दो अंडर के कार्ड से संयुक्त 35वां स्थान बरकरा रखा। रंधावा का कुल स्कोर सात अंडर का है। अभिजीत सिंह चढ्ढा एक अंडर के कार्ड से संयुक्त 41वें स्थान पर खिसके गए। उदयन माने संयुक्त 65वें और विराज मदप्पा संयुक्त 70वें स्थान पर हैं।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Rahul Kumar Raj, S/o. Bisundeo Singh, R/o. 208, Tower-4, RPS Savana City, Sector-88, Village, Kheri Kalan, Faridabad-121002 (Harayana) have changed my name from Rahul Kumar Raj to Riyaz Khan on 07.12.2019 for all purposes.
PD(8694)A

I, Ved Prakash, S/o. Prem Singh, R/o. 92-A, Infront of State Bank, Railway Colony, Aligarh Uttar Pradesh-202001(at present New Delhi) have changed my name from Ved Prakash to Mohammad Adil on 04.12.2019 for all purposes.
PD(8693)A

I, Ajay Gupta, S/o. Mahesh Chand Gupta, R/o. O, Jamalpur Molana, 25 Foot Rahim Masjid, Azad Nagar, Koil, Aligarh, Uttar Pradesh-202001 (at present New Delhi) have changed my name from Ajay Gupta to Mohammad Altamash on 04.12.2019 for all purposes.
PD(8695)A

I, Raj Kishor Gupta, S/o. Ram Bharosi Lal Gupta, R/o. 355, Gali No. 6, Near Jain Mandir, Nai Basti Firozabad, Uttar Paradesh (at present New Delhi) have changed my name from Raj Kishor Gupta to Abdullah on 06.12.2019 for all purposes.
PD(8697)A

CHANGE OF RELIGION

I, Rahul Kumar Raj, S/o. Bisundeo Singh, R/o. 208, Tower-4, RPS Savana City, Sector-88, Village, Kheri Kalan, Faridabad-121002 (Harayana) have changed my religion from 'Hinduism' to 'Islam' on 07.12.2019 for all purposes.
PD(8692)A

I, Ved Prakash, S/o. Prem Singh, R/o. 92-A, Infront of State Bank, Railway Colony, Aligarh Uttar Pradesh-202001 (at present New Delhi) have changed my religion from 'Hinduism' to 'Islam' on 04.12.2019 for all purposes.
PD(8694)A

I, Ajay Gupta, S/o. Mahesh Chand Gupta, R/o. O, Jamalpur Molana, 25 foot Rahim Masjid, Azad Nagar, Koil, Aligarh, Uttar Pradesh-202001 (at present New Delhi) have changed my religion from 'Hinduism' to 'Islam' on 04.12.2019 foar all purposes.
PD(8696)A

I, Raj Kishor Gupta, S/o. Ram Bharosi Lal Gupta, R/o. 355, Gali No. 6, Near Jain Mandir, Nai Basti Firozabad, Uttar Paradesh (at present New Delhi) have changed my religion from 'Hinduism' to 'Islam' on 06.12.2019 foar all purposes.
PD(8698)A

भारत का सोना लूटो अभियान जारी

● दक्षिण एशियाई खेल
● भारत स्वर्ण के शतक से पदक तालिका में 200 के पार
● तैराकों व पहलवानों का दमदार प्रदर्शन

भाषा। काठमांडू

भारत ने शनिवार को 13वें दक्षिण एशियाई खेलों के छठे दिन तैराकों और पहलवानों के दमदार प्रदर्शन के बूते पदक तालिका में दबदबा कायम रखा जिसमें वह स्वर्ण पदक के शतकों से 200 का आंकड़ा पार करने में कामयाब रहा।

भारतीयों ने शनिवार को 29 स्वर्ण सहित कुल 49 पदक अपनी झोली में डाले जिससे भारत ने मेजबान नेपाल को काफी पीछे कर दिया है। पदक तालिका में भारत 110 स्वर्ण, 69 रजत और 35 कांस्य से कुल 214 पदक लेकर शीर्ष पर है। नेपाल 142 पदक (43 स्वर्ण, 34 रजत और 65 कांस्य) से दूसरे स्थान पर है। श्रीलंका 30 स्वर्ण, 57 रजत और 83 कांस्य से कुल 170 पदक लेकर तीसरे स्थान पर चल रहा है। शनिवार को तैराकों ने भारत को सात स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक दिलाया जिससे उन्होंने फिर से पूल में दबदबा बरकरार रखा। श्रीहरि नटराज (100 मीटर बैकस्ट्रोक), ऋचा मिश्रा (800 मीटर फ्रीस्टाइल), शिवा एस (400 व्यक्तिगत मेडले), माना पटेल (100 मीटर बैकस्ट्रोक), चाहत अरोड़ा (50 मीटर बैकस्ट्रोक), लिकिथ एसपी (50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक) और रुजुता भट्ट (50 मीटर फ्रीस्टाइल) ने पहला स्थान हासिल किया। एक वी जयवीना (50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक) और रिद्धिमा वीरेन्द्रकुमार (100 मीटर बैक स्ट्रोक) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। इससे भारत की तैराकी स्पर्धा में पदकों की संख्या 30 तक पहुंच गई। पहले दो दिन तैराकों ने कुल 21 पदक हासिल किए। भारतीय पहलवानों ने भी टूर्नामेंट की शुरूआत शानदार तरीके से की जिन्होंने शुरूआती दिन चार स्वर्ण पदक जीते। सत्यव्रत कादियान (पुरुषों की 97 किग्रा फ्रीस्टाइल), सुमित मलिक (पुरुषों की 125 किग्रा फ्रीस्टाइल), गुरशनप्रीत कौर (महिला 76 किग्रा) और सरिता मोर (महिला 57 किग्रा) सभी ने अपनी स्पर्धाओं में स्वर्ण जीता। राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदकधारी कादियान ने पाकिस्तानी प्रतिद्वंद्वी तबियान खान को जबकि राष्ट्रीय चैम्पियन गुरशनप्रीत ने सात साल बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण जीता। निशानेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तीन स्वर्ण पदक जीते। अनीश भानवाला ने पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण जीतने के बाद भाबेश शेखावत और आदर्श सिंह के साथ मिलकर पुरूषों की टीम स्पर्धा का खिताब जीता। मेहुली घोष और यश वर्धन ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित स्पर्धा में स्पर्धा में दिन का तीसरा स्वर्ण हासिल किया। भारोत्तोलकों ने शनिवार को दो स्वर्ण जोड़े जिससे उनकी पदकों की कुल संख्या 10 (नौ स्वर्ण, एक रजत) हो गई है। शारस्ती सिंह ने 81 किग्रा वजन वर्ग में कुल 190 किग्रा के वजन से पहला स्थान हासिल किया जबकि अनुराधा ने महिलाओं के 87 किग्रा वर्ग में 200 किग्रा के कुल प्रयास से स्वर्ण अपने नाम किया। भारत ने ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धा में आठ पदक जीते, हालांकि इसमें कोई स्वर्ण शामिल नहीं था। राशपाल सिंह (पुरुष मैराथन), मुहम्मद अफजल (पुरुष 800 मीटर), शिवपाल सिंह (पुरुष भाला फेंक) और पुरुषों की 4x400 मीटर रिले टीम ने एक-एक रजत जीता। शेर सिंह (पुरुष मैराथन), ज्योति गावटे (महिला मैराथन), शर्मिला कुमारी (महिला भाला फेंक) और महिलाओं की 4x400 मीटर रिले रेस टीम ने कांस्य पदक जीता। भारत ने इस तरह एथलेटिक्स स्पर्धा का समापन 47 पदक (12 स्वर्ण, 20 रजत और 15 कांस्य) से किया। स्क्वाश में तीन भारतीयों ने फाइनल में पहुंचकर कम से कम एक रजत पदक पक्का कर दिया है। सुनयना कुरूविला और तन्वी खन्ना महिला एकल फाइनल में एक दूसरे की सामने होंगी जबकि हरिंदर पाल सिंधू ने पुरूष एकल स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश किया।

भारतीय महिला फुटबाल टीम सैग फाइनल में पहुंची

पोखरा। अनुभवी बाला देवी के इकलौते गोल की मदद से भारत ने 13वें दक्षिण एशियाई खेलों (सैग) में शनिवार को यहां नेपाल को 1-0 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। बाला देवी ने मैच के 18वें मिनट में गोलकर गत चैम्पियन टीम को बढ़त दिलाई जो मैच खत्म होने तक जारी रही। राउंड रोबिन लीग में टीम की यह लगातार तीसरी जीत है जिससे उसने तालिका में शीर्ष पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। सोमवार को खेले जाने वाले फाइनल में भारत का सामना एक बार फिर से नेपाल से होगा। भारत ने इससे पहले श्रीलंका को 5-0 और मालदीव को 6-0 से हराया था।

मालदीव महिला टीम की पारी आठ रन पर सिमटी, सात रन बने अतिरिक्त से

पोखरा। मालदीव की महिला क्रिकेट टीम शनिवार को यहां 13वें दक्षिण एशियाई खेलों में तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में नेपाल के खिलाफ महज आठ रन पर आल आउट हो गई जिसमें सात रन अतिरिक्त से आए। मालदीव का यह स्कोर अंतरराष्ट्रीय महिला टी20 में दूसरा सबसे छोटा स्कोर है। सबसे कम रन बनाने का रिकार्ड माली के नाम है जिसने इस साल जून में रवांडा के खिलाफ सिर्फ छह रन बनाए थे। टास जीत कर बल्लेबाजी करने उतरी मालदीव की टीम ने 11.3 ओवर तक बल्लेबाजी की लेकिन उसके नौ बल्लेबाज खाता खोलने में नाकाम रहे। सलामी बल्लेबाज ऐमा ऐशथ ने एक रन का योगदान दिया। कप्तान जूना मरियम ने सबसे ज्यादा 16 गेंदों का सामना किया। नेपाल के लिए अंजलि चंद ने ए रन देकर चार विकेट लिए। नेपाल ने सात गेंद में बिना किसी नुकसान के इस लक्ष्य को हासिल कर लिया।

सात मुक्केबाज फाइनल में पहुंचे

काठमांडू। विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता मनीष कौशिक (64 किग्रा) की अगुआई में सात भारतीय मुक्केबाजों ने शनिवार को यहां दक्षिण एशियाई खेलों के फाइनल में प्रवेश किया। कौशिक ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाते हुए श्रीलंका के पूनाविला विदानालागे पर सेमीफाइनल में 5-0 से जीत हासिल की। सचिन सिवाच (56 किग्रा), अंकित खटाना (75 किग्रा), विनोद तंवर (49 किग्रा) और गौरव चौहान (91 किग्रा) पुरूष वर्ग के चार मुक्केबाज हैं जिन्होंने फाइनल में प्रवेश किया। वहीं एस कलाईवानी ने महिला 48 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बनाई। फाइनल सोमवार को खेले जाएंगे। प्रवीण (60 किग्रा) पहले ही ड्रा की बदौलत फाइनल में पहुंच चुके हैं।

सुनयना, तन्वी और हरिंदर ने स्क्वाश फाइनल में पहुंच कर पदक पक्के किए

काठमांडू। भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी हरिंदर पाल संधू, सुनयना कुरुविला और तन्वी खन्ना ने शनिवार को यहां 13वें दक्षिण एशियाई खेलों (सैग) के एकल वर्ग के फाइनल में पहुंचने के साथ अपने लिए पदक भी पक्के किए। महिलाओं की प्रतियोगिता में सुनयना ने पाकिस्तान की फैजा जफर को 7-9, 11-6, 11-0, 11-6 से परास्त किया। दूसरे सेमीफाइनल में तन्वी ने एक अन्य पाकिस्तानी खिलाड़ी मदिना जफर को महज 30 मिनट में 12-10, 11-6, 11-7 से शिकस्त दी। फाइनल मुकाबला दोनों भारतीय खिलाड़ियों के बीच होगा जिससे इस स्पर्धा का स्वर्ण भारत के पास आएगा। पुरुषों के सेमीफाइनल में संधू को दूसरी वरीयता प्राप्त फरहान महबूब ने कड़ी टक्कर दी लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने इस मुकाबले को 9-11, 11-8, 6-11, 11-8, 11-7 से अपने नाम किया। अभय सिंह को हालांकि हार का सामना करना पड़ा जिन्हें पाकिस्तान के शीर्ष वरीय तैयब असलम ने 11-6, 4-11, 14-12, 10-12, 7-11 से हराया।

रेलवे की आठ मुक्केबाज फाइनल में

● महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप

भाषा। कन्नूर (केरल)

गत चैम्पियन रेलवे ने शनिवार को यहां महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में दबदबा बनाया जिसकी आठ मुक्केबाजों ने फाइनल में प्रवेश किया। विश्व चैम्पियनशिप रजत पदकधारी सोनिया चहल (57 किग्रा) और इंडिया ओपन स्वर्ण पदक विजेता भाग्यवती काचरी (75 किग्रा) ने रेलवे की अगुआई की। सोनिया ने अपने अनुभव का फायद उठाया और संयम दिखाते हुए चंडीगढ़ की युवा मुक्केबाज रितु को पस्त किया और अब उनका सामना फाइनल्स में साक्षी से होगा। युवा विश्व चैम्पियन रेलवे की ज्योति ने 51 किग्रा वर्ग में मणिपुर की सोईबाम देवी को 5-0 से पराजित किया। दिन का सबसे बेहतरीन मुकाबला दो बार की विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदकधारी कविता चहल और हिमाचल प्रदेश की मोनिका के बीच 81 किग्रा वर्ग से अधिक वजन वर्ग में देखा गया। इन दोनों ने शुरू से अंत तक एक दूसरे को चुनौती दी लेकिन अनुभवी कविता अंत में 3-2 से जीत हासिल करने में सफल रहीं। पिछले साल की स्वर्ण पदकधारी मीनाकुमारी देवी (54 किग्रा) ने मध्यप्रदेव की दिव्या पवार को 5-0 से हराया। काचरी ने अखिल भारतीय पुलिस की लाफाकमावी राल्टे को 5-0 से पसत किया। केरल की इंद्रजा (75 किग्रा) ने दिन का एक उलटफेर किया। उन्होंने सेमीफाइनल में पिछले साल की कांस्य पदकधारी इमरोज खान को 4-1 से शिकस्त दी। अब फाइनल में उनका सामना हरियाणा की नुपुर से होगा। पूर्व युवा विश्व चैम्पियन और असम का प्रतिनिधित्व कर रहीं अनुशिता बोरो (64 किग्रा) ने उत्तर प्रदेश की अराधना पटेल को आरएससी से हराया। एशियाई चैम्पियनशिप की पूर्व रजत पदकधारी पवित्रा (60 किग्रा) ने शानदार फार्म जारी रखते हुए महाराष्ट्र की पूनम कैथवास को 5-0 से हराया। रेलवे की आठ मुक्केबाज जबकि हरियाणा की पांच मुक्केबाज फाइनल में पहुंची।

नार्थईस्ट को 3-0 से हराकर तालिका में शीर्ष पर पहुंचा एटीके

भाषा। गुवाहाटी

डेविड विलियम्स और कृष्णा रॉय के बेहतरीन आक्रामक खेल के दम पर दो बार की विजेता एटीके एफसी ने शनिवार को हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के छठे सत्र के मैच में मेजबान नार्थईस्ट युनाइटेड एफसी को 3-0 से हराया। इस जीत के साथ ही कोलकाता की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। एटीके की सात मैचों में चौथी जीत है और उसके अब 14 अंक हो गए। बेंगलुरू एफसी 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर आ गई है। नार्थईस्ट की यह मौजूदा सत्र में पहली हार है। टीम सात मैचों में दो जीत, चार ड्रॉ और एक हार के साथ 10 अंक लेकर चौथे स्थान पर बरकरार है। इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कृष्णा (35वें और 90+4 मिनट) ने दो गोल किए जबकि विलियम्स (11वें मिनट) ने एक गोल किया। विलियम्स का खेल हालांकि अधिक प्रभावी रहा क्योंकि दूसरे गोल में उन्होंने कृष्णा की मदद की थी। इसके अलावा मैदान पर कई मौक भी बनाए थे। उनके खेल से एटीके की गोल करने की संभावनाएं हर समय बरकरार रहीं।

Chola
चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड
शुद्धिपत्र
उपरिवर्णित कम्पनी हेतु वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत एक विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। दिनांक 01-12-2019 को नीलामी सह बिक्री हेतु सार्वजनिक सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु) के इस विज्ञापन में नीलामी के नियम एवं शर्तों में असावधानीवश धरोहर राशि जमा क्र. सं. 4 में रू. 12,00,000/- (रू. बारह लाख मात्र) तथा क्र. सं. 5 में रू. 10,00,000/- (रू. दस लाख मात्र) प्रकाशित हुई थी।
अब कृपया धरोहर राशि जमा क्र. सं. 4 में रू.10,00,000/- (रू. दस लाख मात्र) तथा क्र. सं. 5 में रू. 12,50,000/- (रू. बारह लाख पचास हजार मात्र) के सही रूप में पढ़ें।
हस्ता./-
(प्राधिकृत अधिकारी)
स्थान : दिल्ली + एनसीआर
तिथि : 08-12-2019
चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड

ओड़िशा वारियर्स 6-1 से जीता

भाषा। नई दिल्ली

ओडिशा वॉरियर्स ने शनिवार को भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) से मान्यता प्राप्त बिग बाउट लीग में बेंगलुरू ब्रॉलर्स को 6-1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को बनाए रखा। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले जा रहे इस मैच में ओडिशा के लिए कप्तान जाखोनगिर राखमानोव और नमन तंवर ने अपने-अपने मुकाबले जीत अपनी टीम को पहली जीत की ओर अग्रसर किया। राखमानोव ने 69 किग्रा मैच में दिनेश डागर के खिलाफ मजबूत शुरुआत नहीं की थी, लेकिन इससे वापसी करते हुए उन्होंने विभाजित फैसले से मुकाबला जीता और अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। नमन ने 91 किग्रा में रेयाल पुरी को मात दे ओडिशा को 2-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि बेंगलुरू के लिए सिमरनजीत कौर ने महिला 60 किग्रा मुकाबले में प्रियंका चौधरी को हराकर अंक जुटाया। लेकिन इसके बाद ओड़िशा के मुक्केबाजों ने लगातार अंक जुटाकर जीत हासिल की। उसके लिए युवा महिला 57 किग्रा राष्ट्रीय चैम्पियन जैसमीन ने प्रीति बानेकर को 5-0 से शिकस्त दी।

गौरव सोलंकी ने गौरव विधुड़ी को 57 किग्रा में, दीपक ने 52 किग्रा में आशीष इंसा को पस्त किया। बिग बाउट में पदार्पण कर रहे प्रमोद कुमार ने 75 किग्रा में युवा नितिन कुमार को हराया। इससे पहले ओडिशा के कप्तान राखमानोव ने टॉस जीतकर युवा महिला 51 किग्रा के मुकाबले को ब्लॉक कर दिया। बेंगलुरू के लिए यह ब्लॉक ज्यादा मायने नहीं रखा क्योंकि इस भारवर्ग में खेलने वाली उनकी महिला मुक्केबाज पिंकी रानी इस समय दक्षिण एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उनके स्थान पर अनामिका रिंग में उतरीं।

कैग को हराकर इंडियन ऑयल बना चैम्पियन

● गोल्ड कप अखिल भारतीय हाकी टूर्नामेंट

मुंबई। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने 15वें गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) गोल्ड कप अखिल भारतीय हाकी टूर्नामेंट के फाइनल में शनिवार को यहां कैग (भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक) को 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। यहां जारी मीडिया विज्ञप्ति के मुताबिक दिल्ली की दोनों टीमों के बीच हुए खिताबी मुकाबले में इंडियन ऑयल के जीत के नायक तलविंदर सिंह रहे। तलविंदर ने टीम के तीनों गोल (26वें, 39वें और 54वें मिनट) किए। कैग के लिए सांत्वना गोल गोविंद सिंह रावत ने मैच के 58वें मिनट में पेनल्टी पर किया। इंडियन ऑयल की टीम सातवीं बार इस टूर्नामेंट की चैम्पियन बनी हैं। विजेता टीम को कप के साथ दो लाख रुपए का चेक भी दिया गया।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए एंडरसन और बेयरस्टो इंग्लैंड टीम में

लंदन। इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे के लिए शनिवार को जेम्स एंडरसन को टीम में शामिल किया जो पिंडली की चोट से उबर चुके हैं जबकि साथी गेंदबाज मार्क वुड और विकेटकीपर जॉनी बेयरस्टो की भी टीम में वापसी हुई है। इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा विकेट झटकने वाले 37 साल के एंडरसन ने अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच अगस्त में एजबेस्टन में आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले एशेज टेस्ट में खेला था लेकिन केवल चार ओवर फेंककर हट गए थे। बेयरस्टो को न्यूजीलैंड के हालिया टेस्ट दौरे से बाहर कर दिया गया था लेकिन उन्हें 17 सदस्ईय टीम में जगह दी गई। तेज गेंदबाज वुड ने भी टीम में वापसी की जो घुटने की चोट के कारण 2-2 से ड्रा हुई एशेज श्रृंखला से बाहर रहे थे। चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला का शुरूआती टेस्ट 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू होगा। इंग्लैंड की टीम इस प्रकार है : जो रूट (कप्तान), जेम्स एंडरसन, जोफ्रा आर्चर, जॉनी बेयरस्टो, स्टुअर्ट ब्राड, रोरी बर्न्स, जोस बटलर, जाक क्राले, सैम कुरेन, जो डेनली, जैक लीच, मैथ्यू पार्किन्सन, ओली पोप, डोमिनिक सिबले, बेन स्टोक्स, क्रिस वोक्स और मार्क वुड।

टीम की जीत के लिए किसी भी मुश्किल परिस्थिति का हिस्सा बनना चाहता हूं: कार्तिक

चेन्नई। अनुभवी क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने शनिवार को यहां कहा कि वह किसी भी मुश्किल परिस्थिति का हिस्सा बनना चाहेंगे जिससे युवाओं का काम आसान हो और टीम जीत दर्ज कर सके। कार्तिक ने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा, मैंने कभी कुछ अलग करने की कोशिश नहीं की है। मैं खुद से कहता हूं कि खुद ही मैच जीतांऊ। मैं उस स्थिति का हिस्सा बनना चाहता हूं ताकि युवाओं को आसानी हो। कार्तिक और उनकी पत्नी स्क्वाश खिलाड़ी दीपिका पल्लीकल यहां परिमल पैटर्न की 10वीं सालगिरह के मौके पर मौजूद थे जिसकी स्थापना भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व अनुकूलन ट्रेनर शंकर बासु ने की है। कार्तिक ने कहा, मुझे लगता है कि यह जरूरी है कि मैं अपने अनुभव और ताकत का इस्तेमाल कर टीम को मुश्किल परिस्थितियों से निकाल कर जीत तक ले जाऊं।

कार्यालय ग्राम पंचायत शाहपुर निज मोरटा विकास खण्ड रजापुर (गाज़ियाबाद)

पत्रांक/मीमो/प्रकाशन/ग्रा0पं0 शाहपुर निज मोरटा/2019-20 दिनांकः-30/12/2019

अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत शाहपुर निज मोरटा, विकास खण्ड रजापुर गाज़ियाबाद में राज्य वित्त 14वॉं वित्त आयोग योजनान्तर्गत वर्ष 2019-20 के लिए सरकारी विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों की निविदाएं दिनांक-21.12.2019 को अपरान्ह् 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 20.12.2019 तक कार्यालय समय में कार्यालय ग्राम पंचायत-शाहपुर निज मोरटा, विकास खण्ड-रजापुर, जनपद-गाजियाबाद (उ0प्र0) से निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त की जा सकते हैं। निविदा अधिकृत अधिकारियों द्वारा इच्छुक ठेकेदारों की उपस्थिति में दिनांक-21.12.2019 को अपरान्ह् 3:00 बजे खोली जायेगी। यदि नियत समय पर निविदादाता उपस्थित नही हुए तो भी निविदाऐं खोल दी जायेगी जिसके लिए ग्राम पंचयात शाहपुर निज मोरटा उत्तरदायी नही होगी।

क्र0 स0	कार्य का विवरण	अनुमानित धनराशि (रू0 में)	धरोहर राशि (रू0 में)	निविदा मूल्य+जी0 एस0टी0	कार्य अवधि
1.	शाहपुर निज मोरटा में लीलू बाल्मिकी से श्रीचन्द तक इन्टरलॉक व नाली कार्य	448055.00	8961.00	354.00	2 माह
2.	ग्राम शाहपुनिज मोरटा में खेमचन्द से अरविन्द रामनाथ तक इन्टरलॉक व नाली निर्माण कार्य	735659.00	14713.00	590.00	2 माह
3.	ग्राम शाहपुनिज मोरटा में ईश्वर जाटव से नीटू तक इन्टरलॉक व नाली निर्माण कार्य	197388.00	3948.00	236.00	2 माह
4.	ग्राम शाहपुनिज मोरटा में कुएं से विजय जाटव तक इन्टरलॉक व नाली निर्माण कार्य	276360.00	5527.00	354.00	2 माह
5.	ग्राम शाहपुनिज मोरटा में त्रिलोकी से मनोज तक इन्टरलॉक व नाली निर्माण कार्य	581736.00	11635.00	590.00	2 माह
6.	ग्राम शाहपुनिज मोरटा में मनोज से गज्जू तक इन्टरलॉक व नाली निर्माण कार्य	816183.00	16324.00	590.00	2 माह

नियम व शर्तेः-
1. अरनेस्ट मनी निविदा डालने के समय एफ0डी0आर0 के रूप मे दी जायेगी, जो ग्राम पंचायत शाहपुर निज मोरटा, विकास खण्ड रजापुर (गा0बाद) के पदनाम से बन्धन हो जमा की जा सकती हैं।
2. कार्य पी0डब्लू0डी0 की विशिष्टियो के अनुरूप होगा
3. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को होगा।
4. निविदा केवल सरकारी विभाग मे पंजीकृत ठेकेदारो को ही देय होगी।
5. ठेकेदार का पंजीयन उप श्रमायुक्त गाज़ियाबाद के यहाँ अवश्य होना चाहिए तथा ठेकेदार को प्रत्येक कार्य का पंजीकरण उप श्रमायुक्त कार्यालय गाज़ियाबाद में कराना अनिवार्य होगा।
6. निविदा प्रपत्र के साथ 100/- रूपये का नॉन ज्यूडिशियल स्टाप पेपर रसीदी टिकिट के साथ लाये।
7. नियमनुसार सभी शासकीय कटौतियाँ की जायेगी।
8. सभी आवश्यक स्वीकृतियों प्राप्त होने के उपरान्त ही अनुबन्ध किया जायेगा।
9. अन्य नियम व शर्तें लागू रहेंगी।

प्रधान
ग्राम पंचायत शाहपुर निज मोरटा
विकास खण्ड रजापुर।

सचिव
ग्राम पंचायत शाहपुर निज मोरटा
विकास खण्ड रजापुर।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 8 दिसंबर, 2019

श्रृंखला जीतने उतरेगी टीम इंडिया

● बेहतर गेंदबाजी के साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मैच का होगा मुकाबला

भाषा। तिरूवनंतपुरम

वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को दूसरे मैच में भारतीय टीम गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में बेहतर प्रदर्शन करके एक और टी20 श्रृंखला अपने नाम करने के इरादे से उतरेगी।
भारत ने पिछले 13 महीने में वेस्टइंडीज के खिलाफ छह टी20 मैच खेलकर हर बार जीत दर्ज की। अब विराट कोहली की टीम की नजरें लगातार सातवां टी20 जीतने पर लगी होंगी। पहले मैच में भारत ने छह विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली।
भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 2-1 से हराकर पिछले महीने सत्र की पहली टी20 श्रृंखला जीती थी। भारत रविवार का मैच जीतकर न सिर्फ दूसरी श्रृंखला अपने नाम करना चाहेगा बल्कि इससे टी20 विश्व कप से पहले उन खिलाड़ियों को आजमाने का मौका भी मिलेगा जिनकी जगह टीम में पक्की नहीं है। भारतीय टीम ने शुक्रवार को टी20 क्रिकेट में 18 . 4 ओवर में 208 रन का लक्ष्य हासिल किया जो इस प्रारूप में लक्ष्य का पीछा करते हुए उसकी सबसे बड़ी जीत है। केएल राहुल ने 40 गेंद में 62 रन बनाए जबकि विराट कोहली ने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 94 रन की नाबाद पारी खेली। चोटिल शिखर धवन की जगह खेल रहे राहुल ने मौके का पूरा फायदा उठाया। वह टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 1000 रन पूरे करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 29 पारियों में यह आंकड़ा छुआ। खराब फार्म से जूझ रहे ऋषभ पंत ने भी दो छक्के लगाए। कोहली की अगुवाई में बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा लेकिन गेंदबाज अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके। एविन लुईस, शिमरोन हेटमाएर और कप्तान कीरोन पोलार्ड ने भारतीय गेंदबाजों को नहीं बख्शा। दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ प्रभावी रहे दीपक चाहर ने 54 रन दे डाले और उन्हें एक ही विकेट मिला। टी20 टीम में लौटे भुवनेश्वर कुमार को विकेट नहीं मिली और उन्होंने चार ओवर में 36 रन दिए। वाशिंगटन सुंदर एक बार फिर नाकाम रहे जो पिछले छह वनडे में दो विकेट ही ले सके हैं। अब देखना यह है कि गेंदबाजी आक्रमण यथावत रहता है या कुलदीप यादव को उतारा जाता है। क्षेत्ररक्षण में भी सुंदर और रोहित शर्मा ने कुछ कैच टपकाए जबकि कई फालतू रन भी फील्ड में गए। दूसरी ओर कैरेबियाई टीम वापसी करके श्रृंखला को जीवंत बनाए रखना चाहेगी लेकिन इसके लिए उसे भारतीय बल्लेबाजों खासकर कोहली के बल्ले पर अंकुश लगाना होगा। वेस्टइंडीज ने 23 रन अतिरिक्त दिए और इस पर भी काबू करना होगा।

टीमें : विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, लोकेश राहुल, संजू सैमसन, ऋषभ पंत, मनीष पांडे, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, दीपक चाहर, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी।
वेस्टइंडीज : कीरोन पोलार्ड (कप्तान), फेबियन एलेन, ब्रैंडन किंग, दिनेश रामदीन, शेल्डन कॉटरेल, एविन लुईस, शेरफाने रदरफोर्ड, शिमरोन हेटमेयर, खारी पियरे, लेंडिल सिमन्स, जेसन होल्डर, हेडन वॉल्श जूनियर, कीमो पॉल और केसरिक विलियम्स।
मैच भारतीय समयानुसार शाम सात बजे से शुरू होगा।

अमिताभ ने फिल्मी अंदाज में की कोहली की तारीफ

नई दिल्ली। क्रिकेट के शौकीन सुपरस्टार अमिताभ बच्चन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शुक्रवार को पहले टी20 मैच में नाबाद 94 रन की आक्रामक पारी खेलने वाले कप्तान विराट कोहली की अपनी सुपरहिट फिल्म अमर अकबर एंथोनी के संवाद के जरिए तारीफ की है। हैदराबाद में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 207 रन बनाए। जवाब में भारत ने आठ गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया जिसमें कोहली ने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 94 रन की पारी खेली। अमिताभ ने ट्विटर पर लिखा , यार कितनी बार बोला मई तेरे को ...की विराट को मत छेड़, मत छेड़, मत छेड़ पन सुनताइच किधर है तुम। अभी पर्ची लिख के दे दिया ना हाथ में। देख देख ..वेस्टइंडीज का चेहरा देख ...कितना मारा उसको, कितना मारा। दरअसल अमिताभ की फिल्म अमर अकबर एंथोनी में एक गुंडे जिबिस्को से पिटने के बाद आइने के सामने खड़े होकर वह ऐसा ही डायलाग बोलते हैं। इसे हिन्दी सिनेमा के सबसे मशहूर कामेडी डायलाग में से एक माना जाता है। कोहली ने भी ट्विटर पर इसका जवाब देते हुए कहा , मुझे यह डायलाग बहुत पसंद है सर। आप हमेशा एक प्रेरणास्रोत हैं।

मौके का पूरा फायदा उठाना चाहता हूं : राहुल

● 20 विश्व कप की चिंता किए बिना खेलूंगा

भाषा। हैदराबाद

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 श्रृंखला में भारत के लिए पारी की शुरूआत कर रहे केएल राहुल ने कहा कि वह टी20 विश्व कप टीम में जगह बनाने की चिंता किए बिना मौके का पूरा उपयोग करना चाहेंगे। भारतीय टीम तीन मैचों की इस श्रृंखला के जरिए अगले साल आस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी करेगी। ऐसे में जिन खिलाड़ियों की टीम में जगह पक्की नहीं है, वे चयनकर्ताओं का ध्यान खींचना चाहेंगे। चोटिल शिखर धवन की जगह पहले टी20 मैच में पारी का आगाज करने वाले राहुल ने 40 गेंद में 62 रन बनाए। भारत ने वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराया। राहुल ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा , अभी टी20 विश्व कप में काफी समय है। मुझे एक बार फिर पारी की शुरूआत करने का मौका मिला है तो मैं इसका पूरा उपयोग करना चाहता हूं। उन्होंने कहा , यह अच्छा मैच था और मैं खुलकर खेल सका। उम्मीद है कि अगले साल अक्टूबर के बारे में सोचे बिना यह लय कायम रख सकूंगा। कर्नाटक के इस स्टायलिश बल्लेबाज ने कहा कि दोनों टीमों ने 200 से अधिक रन बनाए लेकिन यह विकेट आसान नहीं था। उन्होंने कहा , विकेट उतना बुरा नहीं था। दोनों टीमों ने हालांकि 200 से अधिक रन बनाए लेकिन फिर भी विकेट काफी मुश्किल था। विराट कोहली के साथ शतकीय साझेदारी के बारे में उन्होंने कहा , बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए कई बार ऐसी साझेदारी जरूरी होती है। हमने संयम के साथ ढीली गेंदों का इंतजार किया। क्रीज पर जमने के बाद हम दोनों खुलकर खेले।

बल्लेबाजों ने अपना काम किया, गेंदबाजी में अनुशासन की कमी : पोलार्ड

भाषा। हैदराबाद

वेस्टइंडीज के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने भारत के खिलाफ पहले टी20 मैच में हार के बाद अपने बल्लेबाजों की तारीफ की लेकिन कहा कि गेंदबाजी में अनुशासन का अभाव था। वेस्टइंडीज ने पांच विकेट पर 207 रन का स्कोर बनाया लेकिन भारत ने 18 . 4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। पोलार्ड ने मैच के बाद कहा , हमने बल्लेबाजी अच्छी की। हमने 200 से अधिक रन बनाए। ऐसा अक्सर नहीं होता। गेंदबाजी में हालांकि अनुशासन का अभाव साफ दिखा। उन्होंने कहा , हमने 23 रन अतिरिक्त दिए जिनमें 14 या 15 वाइड गेंदें थी यानी अतिरिक्त गेंदे भी दे डाली। भारत जैसी टीम को इतने फालतू रन और गेंद देने का खामियाजा तो भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा , आप हर स्थिति में नकारात्मकता ढूंढ सकते हैं लेकिन जीवन सकारात्मकता का नाम है। आगे बढकर सुधार करना जरूरी है। मैं बल्लेबाजों की तारीफ करना चाहता हूं जिन्होंने रणनीति पर बखूबी अमल किया। ओस के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा , मुझे नहीं लगता कि ओस की भूमिका अहम थी। यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा ट्रैक था और दर्शक यही देखना चाहते हैं। यह लंबी श्रृंखला है और हम अपने प्रदर्शन में सुधार करके आगे बेहतर खेलेंगे।

युवराज ने पहले टी20 में भारत की खराब फील्डिंग की आलोचना की

नई दिल्ली। पूर्व हरफनमौला युवराज सिंह ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 क्रिकेट मैच में भारत की फील्डिंग की आलोचना की है। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 207 रन बनाए। जवाब मे भारत ने आठ गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत की फील्डिंग हालांकि काफी लचर रही। वाशिंगटन सुंदर और रोहित शर्मा ने कैच टपकाए। युवराज ने ट्वीट किया , भारत की फील्डिंग काफी खराब रही। युवा खिलाड़ी गेंद तक देर से पहुंच रहे थे। इतना ज्यादा क्रिकेट ?? भारत ने हालांकि विराट कोहली और केएल राहुल की शानदार पारियो के दम पर जीत हासिल की। आर अश्विन ने कोहली की पारी के बारे मे लिखा , जिस तरह से विराट ने खेला, वह लाजवाब था।

भारत ने न्यूजीलैंड को 4-1 से हराया

● तीन देशों का महिला जूनियर हाकी टूर्नामेंट

भाषा। कैनबरा

शर्मिला देवी के दो गोल की मदद से भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम ने तीन देशों के टूर्नामेंट में अपने तीसरे मैच में न्यूजीलैंड को 4-1 से हराया। न्यूजीलैंड के लिए ओलिविया शेनोन ने चौथे मिनट में ही गोल दाग दिया। शर्मिला ने 12वें और 43वें मिनट में गोल किया जबकि ब्यूटी डुंगडुंग ने 27वें और लालरिंडिकी ने 48वें मिनट में गोल दागे। भारत ने चौथे ही मिनट में पेनल्टी कार्नर गंवाया जिस पर न्यूजीलैंड के लिए ओलिविया ने गोल दागा। भारत ने पहले ही क्वार्टर में वापसी की और शर्मिला के गोल के दम पर बराबरी कर ली। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को कई मौके मिले लेकिन कोई भुना नहीं सका। भारत ने 27वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर गोल किया। भारतीय फारवर्ड ब्यूटी ने यह गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। उधर भारत की बिचू देवी खारिबम ने कीवी हमलों को नाकाम कर दिया। तीसरे क्वार्टर में भारत के लिए शर्मिला ने दूसरा गोल किया और 48वें मिनट में मिले पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर भारत ने बढ़त 4-1 की कर ली जो अंत तक कायम रही। अब भारतीय टीम रविवार को आस्ट्रेलिया से चौथा और आखिरी मैच खेलेगी।

बास्केटबाल खिलाड़ी सतनाम डोपिंग परीक्षण में विफल

● अस्थाई रूप से निलंबित

भाषा। नई दिल्ली

एनबीए टीम में शामिल हुए पहले भारतीय खिलाड़ी सतनाम सिंह भामरा पिछले महीने डोपिंग परीक्षण में विफल रहे जिसके बाद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने उन्हें अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया। पंजाब के 23 साल के खिलाड़ी को 2015 में एनबीए टीम में चुना गया था लेकिन वह दक्षिण एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए लगाए गए शिविर के दौरान नाडा द्वारा बेंगलुरू में टूर्नामेंट के बाहर आयोजित हुए परीक्षण में विफल रहे। नाडा द्वारा जारी पत्रिका के अनुसार उन्हें 19 नवंबर को अस्थाई रूप से निलंबित किया गया था। भामरा ने व्यक्तिगत कारणों से एक दिसंबर से शुरू हुए 13वें दक्षिण एशियाई खेलों से हटने का फैसला किया था। सात फुट दो इंच का यह खिलाड़ी सैग के लिए बेंगलुरू के साई सेंटर में ट्रेनिंग कर रहा था। भामरा के मूत्र के ए नमूने में पाए गए प्रतिबंधित पदार्थ का पता नहीं चला है। नाडा के नियमों के अनुसार एक एथलीट के पास ए नमूने का नोटिस मिलने के सात दिन के अंदर बी नमूने की जांच कराने का अधिकार है। अगर बी नमूना भी पाजीटिव पाया जाता है तो उसके मामले की सुनवाई नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल द्वारा होती है जो फैसला करता है कि सजा दी जाए या नहीं। अगर भामरा को डोपिंग का दोषी पाया जाता है तो उन पर पहली बार डोपिंग में सकारात्मक पाए जाने के लिए अधिकतम चार साल का प्रतिबंध लग सकता है। हालांकि अभी पता नहीं चला है कि भामरा ने बी नमूने की जांच का अनुरोध किया है या नहीं। भारतीय बास्केटबाल महासंघ के चंदर मुखी शर्मा ने कहा कि उन्हें भामरा के डोपिंग मुद्दे की जानकारी नहीं है क्योंकि वह शहर से बाहर हैं।

कतर ने 2022 विश्व कप स्टेडियम के उद्घाटन को टाला

भाषा। दोहा

कतर ने 2022 में होने वाले फीफा विश्व कप के आयोजन में इस्तेमाल वाले स्टेडियम के उद्घाटन को अगले साल के लिए टाल दिया है। फीफा ने शनिवार को बताया कि एजुकेशन सिटी स्टेडियम का अनावरण इस साल 18 दिसंबर को क्लब विश्व कप के सेमीफाइनल मैच के दौरान होना था। इस मैच में एक टीम लीवरपूल है जबकि दूसरी टीम का फैसला नहीं हुआ है। स्टेडियम को प्राधिकारियों से प्रमाणपत्र मिलने में हो रही देरी के कारण क्लब विश्व कप के इस मुकाबले को खलीफा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला जाएगा। एजुकेशन सिटी का अनावरण अब 2020 में होगा लेकिन फीफा ने इसके लिए कोई तय तारीख की घोषणा नहीं की है। फीफा ने एक बयान में कहा, एजुकेशन सिटी स्टेडियम का निर्माण पूरा हो चुका है और ए स्थल अब परिचालन में है। हालांकि जरूरी प्रमाणपत्र हासिल करने में उम्मीद से ज्यादा समय लग रहा है। ऐसे में स्टेडियम पूरी क्षमता से फीफा क्लब विश्व कप के सेमीफाइनल और फाइनल से पहले आवश्यक परीक्षण मुकाबलों की मेजबानी करने में असमर्थ था।

छेत्री जैसे खिलाड़ी दशक में एक बार आते है: स्टिमक

भाषा। नई दिल्ली

करिश्माई भारतीय फुटबालर सुनील छेत्री को दशक में एक बार आने वाला खिलाड़ी बताते हुए कोच इगोर स्टिमक ने कहा कि अगले पांच वर्षो में वह किसी भी खिलाड़ी को उनकी जगह लेते नहीं देख रहे है।
स्टिमक ने शुक्रवार को फेसबुक लाईव कार्यक्रम में कहा कि छेत्री जब संन्यास का फैसला करेंगे तो उनकी कमी को पूरा करने के लिए पूरी टीम को एकजुट होकर खेलना होगा। स्टिमक ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो इस प्रश्न (छेत्री के बाद टीम का क्या होगा) से मुझे उलझन होती है। हमारी टीम में सुनील (छेत्री) है। वह ऐसे खिलाड़ी है जो एक या दो दशक में एक बार आते है। लेकिन फिर भी हर कोई यह पूछता है कि वह खेल का कब अलविदा कह रहे है या उनके संन्यास के बाद टीम का क्या होगा। उन्हें खेल का लुत्फ उठाने दीजिए। हम उन पर दबाव क्यों बना रहे है। भारतीय कोच ने कहा, उनके पास अभी कई साल (खेलने के लिए) बचे हुए है, वह अपने खेल का लुत्फ उठाते है, वह अब भी गोल कर रहे है। जहां तक उनके संन्यास के बाद की स्थिति का सवाल है तो हमें एक टीम के तौर पर उनकी जगह को भरना होगा। यह किसी एक खिलाड़ी के बारे में नहीं है। पूरी टीम को जोर लगाना होगा क्योंकि उनके जैसे खिलाड़ी की जगह लेना काफी मुश्किल है। टीम पर छेत्री के प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर स्टिमक ने कहा, टीम पर उनका गजब का प्रभाव है लेकिन वह ऐसे खिलाड़ी है जो कभी भी अपनी सीमा को नहीं लंघते है। कोच के लिए यह काफी महत्वपूर्ण है। वह सकारात्मक रहते है और युवा खिलाड़ी को समय के सही इस्तेमाल के बारे में बताते है।

वनलाल ने सेमीफाइनल में हार के बाद बेईमानी का आरोप लगाया

● राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप

भाषा। कन्नूर

इंडिया ओपन की रजत पदक विजेता और गत चैंपियन वनलाल दुआती (51 किग्रा) ने राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल मुकाबले को हरियाणा की रितु से 2-3 से गंवाने के बाद शनिवार को यहां बेईमानी का आरोप लगाया। पांच बार की राष्ट्रीय चैम्पियन मिजोरम की इस मुक्केबाज ने मुकाबले के बाद कहा कि उन्हें धोखाधड़ी से हराया गया है। भारतीय मुक्केबाजी संघ ने उसकी अपील पर रविवार को सुबह सात बजे तक फैसला करने का आश्वासन दिया है। दुआती ने पीटीआई से कहा, पहले दौर के मुकाबले के बाद अचानक से एक जज (नीलम पूनिया) को बदल कर दूसरे (डीएस राजू) को बैठा दिया गया। इसके लिए कोई वजह नहीं दी गई। मैंने इससे पहले अपने करियर में कभी भी हार के बाद कोई शिकायत नहीं की है लेकिन आज मेरे साथ धोखा हुआ है। उन्होंने कहा, मैंने पांच हजार रुपए देकर समीक्षा की मांग की है। वे कल (रविवार) सुबह सात बजे इस बारे में बताएंगे, लेकिन तब इसका क्या मतलब रह जाएगा क्योंकि कल ही फाइनल खेला जाना है। मुझे कोई उम्मीद नहीं है। दुआती इस साल इंडिया ओपन के फाइनल में दिग्गज एमसी मेरीकाम से हार गई थी। मुक्केबाजी संघ के एक अधिकारी ने बताया कि मुकाबले के बीच में केवल असाधारण परिस्थितियों में पर्यवेक्षक की अनुमति के साथ जज को बदला जा सकता है। इस बात की जांच हो रही की इस मामले में नियमों का पालन किया गया है या नहीं। उन्होंने कहा, पूनिया को शायद इसलिए बदला गया क्योंकि वह उस मुक्केबाजी इकाई (संघ) का प्रतिनिधित्व करती है जो जिसका एक मुक्केबाज इस मुकाबले में था। हमें देखना होगा कि क्या इसके लिए पर्यवेक्षक की अनुमति ली गई है या नहीं।

पाकिस्तान ने 10 साल बाद बल्लेबाज फवाद आलम को टीम में शामिल किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला के लिए 10 साल मे पहली बार 34 साल के मध्यक्रम बल्लेबाज फवाद आलम को टीम मे शामिल किया। मुख्य चयनकर्ता और मुख्य कोच मिसबाह उल हक ने शनिवार को कहा कि घरेलू क्रिकेट में हाल के शानदार प्रदर्शन को देखकर ही इस बाएं हाथ के बल्लेबाज का चयन किया गया है। श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है जो अगले बुधवार से रावलपिंडी मे शुरू होगी। दूसरा टेस्ट 19 से 23 दिसंबर तक कराची मे होगा। आलम ने पिछला टेस्ट मैच 2009 मे न्यूजीलैंड के खिलाफ डुनेडिन मे खेला था। उन्होने जुलाई 2009 मे श्रीलंका के खिलाफ पदार्पण टेस्ट मे शतक जड़ा था। इस तरह पाकिस्तान ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट मैचो की श्रृंखला मे बुरी तरह हारने वाली 16 सदस्ईय टीम मे दो बदलाव किए है जिसमे एक आलम है जिन्हें इफ्तिखार अहमद की जगह शामिल किया गया है। वही युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद मूसा की जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज उस्मान शिनवारी को शामिल किया गया है। मिसबाह ने कहा कि मूसा टेस्ट टीम के साथ बने रहेंगे और गेंदबाजी कोच वकार यूनिस के साथ काम करना जारी रखेंगे।
टीम : अजहर अली (कप्तान), आबिद अली, असद शफीक, बाबर आजम, फवाद आलम, हैरिस सोहेल, इमाम उल हक, इमरान खान, काशिफ भाटी, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, शाहीन अफरीदी, शान मसूद, यासिर शाह और उस्मान शिनवारी।

पिच खतरनाक होने के कारण एमसीजी पर मैच रद्द

मेलबर्न। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर पिच खतरनाक होने के कारण एक घरेलू मैच रद्द करना पड़ा जबकि कुछ सप्ताह बाद ही यहां बाक्सिंग डे टेस्ट खेला जाना है। विक्टोरिया और वेस्टर्न आस्ट्रेलिया के बीच शेफील्ड शील्ड मैच मे खेल रद्द करना पड़ा क्योकि उछलती गेदो से कई बल्लेबाज चोटिल हो रहे थे। अंपायरों ने कप्तान पीटर हैंडस्कांब और शॉन मार्श से बात करने के बाद खेल रद्द करने का फैसला लिया। मार्श को भी तेजी से उछलती गेद लगी थी जबकि मार्कस स्टोइनिस की पसली मे ऐसी गेद जा लगी थी। एमसीजी पर आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच 26 दिसंबर से होने वाले बाक्सिंग डे टेस्ट से पहले यह आखिरी मैच था। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के क्रिकेट परिचालन प्रमुख पीटर रोच ने कहा , हमे मैच रद्द होने का दुख है। एमसीजी मैदानकर्मियो के पास दो सप्ताह से अधिक का समय है और टेस्ट के लिए बेहतरीन पिच बनाई जाएगी।

भूकंप पीड़ित बच्चो के साथ फुटबाल खिलाड़ी रोनाल्डो

जुआन मेरा के अंत में किए गोल से ईस्ट बंगाल हार से बचा

लुधियाना। पिछले सत्र के उप विजेता ईस्ट बंगाल ने जुआन मेरा के अंत में किए गए गोल की बदौलत शनिवार को यहां गुरूनानक स्टेडियम में आई लीग फुटबाल टूर्नामेंट के मैच में पंजाब एफसी से 1-1 से ड्रा हासिल किया। डेनिलो ऑगुस्टो ने 13वें मिनट में घरेलू टीम को आगे कर दिया था और ऐसा लग रहा था कि पंजाब की टीम पूरे तीन अंक अपने नाम कर लेगी। लेकिन जुआन ने 84वें मिनट में गोल कर कोलकाता के क्लब को हार से बचा लिया। पंजाब एफसी के कोच यान लॉ ने सत्र के शुरूआती मैच में चर्चिल ब्रदर्स एफसी से मिली 0-3 की हार वाली टीम में कई बदलाव किए लेकिन टीम जीत के करीब पहुंचकर भी पूरे अंक नहीं जुटा सकी।

शाह सलमान ने अमेरिकी नौसैन्य अड्डे पर हुए निर्मम हमले पर गुस्सा जताया: ट्रंप

वाशिंगटन (भाषा)

सऊदी अरब के शाह सलमान ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को फोन करके फ्लोरिडा में नौसैन्य अड्डे पर एक सऊदी नागरिक द्वारा गोलीबारी करने की घटना को नृशंस कृत्य करार दिया और अपने नागरिक के इस कृत्य पर गुस्सा जाहिर किया।

ट्रम्प ने शुक्रवार को ट्वीट किया, सऊद्दी अरब के शाह सलमान ने फोन करके फ्लोरिडा के पेनसाकोला में हुए हमले में हताहत हुए लोगों के परिजन एवं मित्रों के प्रति संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा, शाह ने कहा कि सऊद्दी के लोग हमलावर के इस नृशंस कृत्य से बेहद गुस्सा हैं और यह व्यक्ति किसी भी तरह सऊद्दी अरब के लोगों की भावनाओं का प्रतिनिधित्व नहीं करता जो अमेरिकियों से प्यार करते हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के फ्लोरिडा शहर में शुक्रवार को एक हमलावर ने नौसेना के अड्डे में घुसकर गोलीबारी कर दी थी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। जवाबी कार्वाई में हमलावर भी मार गिरा दिया गया। अमेरिका के एक अधिकारी ने बताया कि फ्लोरिडा के नौसैन्य अड्डे पर गोलीबारी करने वाला संदिग्ध विमानन का कोर्स करने वाला सऊद्दी अरब का छात्र मोहम्मद सईद अलशमरानी था।

हमलावर ने अमेरिका को बुराइयों का देश बताया: एसआईटीई

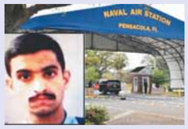

वाशिंगटन (एएफपी)। अमेरिकी नौसेना अड्डे पर शुक्रवार को हमला कर तीन लोगों की मारने वाले सऊद्दी सैन्य छात्र ने हमले से पहले अमेरिका को बुराइयों का देश करार दिया था।

जिहादी समूहों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखने वाले अमेरिकी गैर सरकारी संगठन एसआईटीई ने यह जानकारी दी। एसआईटीई ने हमलावर की पहचान मोहम्मद अल शमरानी के रुप में की है। उसने बताया कि हमलावर ने ट्विटर पर एक छोटा संदेश पोस्ट किया था जिसमें लिखा था, मैं बुराई के खिलाफ हूं और अमेरिका बुराइयों का देश बन गया है। मैं सिर्फ अमेरिकी होने के कारण आपके खिलाफ नहीं हूं। मैं आपसे इसलिए नफरत करता हूं क्योंकि हर दिन आप ना केवल मुसलमानों बल्कि मानवता के खिलाफ भी अपराध और अपराधियों का समर्थन करते हैं।

एच-1बी वीजा को अमेरिका ने तैयार की इलेक्ट्रॉनिक पंजीकरण प्रक्रिया

वाशिंगटन (भाषा)। अमेरिका की संघीय एजेंसी ने शुक्रवार को एलान किया कि उसने 2021 के वीजा के लिए एच-1बी इलेक्ट्रॉनिक पंजीकरण प्रक्रिया लागू करने की तैयारी कर ली है। अब वित्त वर्ष 2021 के वास्ते विदेशी कर्मचारियों के लिए एच-1बी वीजा का आवेदन करने वाली कंपनियों को ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा और 10 डॉलर का शुल्क देना होगा। अमेरिका की नागरिकता एवं आव्रजन सेवा अगले वित्त वर्ष के लिए एक अप्रैल 2020 से एच-1बी वीजा आवेदन लेना शुरू करेगी। यूएससीआईएस ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक पंजीकरण प्रक्रिया से कागजी काम कम होगा और आवेदनकर्ताओं का पैसा भी बचेगा। नई प्रक्रिया के तहत एच-1बी वीजा कर्मचारी नियुक्त करने वाले नियोक्ताओं को पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करनी होगी। जिसमें कर्मचारी के बारे में केवल मौलिक सूचना मांगी जाएगी।

रोम में शनिवार को द्विपक्षीय बैठक के दौरान हाथ मिलाते हुए विदेशी मामलों के लिए इतालवी अंडरस्क्रिटरी, मैनलियो डि स्टेफानो और भारतीय विदेश मामलों के मंत्री एस. जयशंकर

आतंकवाद के वित्त पोषण मामले में हाफिज सईद पर नहीं तय हो सके आरोप

लाहौर (भाषा)

लाहौर की आतंकवाद रोधी अदालत मुंबई आतंकवादी हमले के मास्टरमाइंड और प्रतिबंधित जमाद-उद-दावा प्रमुख हाफिज सईद के खिलाफ आतंकवाद के वित्त पोषण को लेकर आरोप तय नहीं कर सकी क्योंकि अधिकारी आश्चर्यजनक रूप से शनिवार को इस हाई प्रोफाइल सुनवाई में एक सह-आरोपी को पेश करने में नाकाम रहे।

इससे एक दिन पहले भारत ने कहा था कि उसे मालूम है कि मुंबई आतंकवादी हमले का मास्टरमाइंड आजादी से घूम रहा है और पाकिस्तान के आतिथ्य सत्कार का आनंद उठा रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने शुक्रवार को नई दिल्ली में कहा कि भारत ने पाकिस्तान के साथ सभी सबूत साझा किए थे और यह इस्लामाबाद की जिम्मेदारी है कि वह हमले के दोषियों के खिलाफ कार्वाई करें। यहां आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) ने लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक और एक अन्य सह-आरोपी मलिक जफर इकबाल के खिलाफ आरोपों को तय करने के लिए अब 11 दिसंबर की तारीख तय की है।

● अगली सुनवाई 11 को

अदालत के एक अधिकारी ने सुनवाई के बाद पीटीआई से कहा, पंजाब पुलिस के आतंकवाद रोधी विभाग की प्राथमिकी 30119 के तहत हाफिज सईद और अन्यों के खिलाफ मामले पर आतंकवाद के वित्त पोषण के संबंध में आतंकवाद रोधी अदालत-1 में आरोप तय किए जाने थे लेकिन आश्चर्यजनक रूप से सह-आरोपी मलिक जफर इकबाल को जेल से पेश नहीं किया गया। इसके कारण मामले को आरोप तय करने के लिए 11 दिसंबर तक मुल्तवी किया जाता है। सईद को लाहौर की कोट लखपत जेल से उच्च सुरक्षा के बीच अदालत लाया गया। अदालत के अधिकारी ने बताया कि न्यायाधीश अरशद हुसैन भुट्टा ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि इकबाल 11 दिसंबर को अगली सुनवाई में पेश हो। पंजाब पुलिस के आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) ने पंजाब प्रांत के विभिन्न शहरों में आतंकवाद के वित्त पोषण के आरोपों पर सईद और उसके साथियों के खिलाफ 23 प्राथमिकियां दर्ज की थी और जमात-उद-दावा (जेयूडी) सरगना को 17 जुलाई को गिरफ्तार किया था।

अमेरिका की शीर्ष अदालत ने मौत की सजा पर रोक हटाने से किया इनकार

वाशिंगटन(एएफपी)। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने मौत की सजा पर लगाई रोक हटाने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। इसके साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के न्याय विभाग की मौत की सजा को जल्द से जल्द बहाल करने की योजना पर पानी फिर गया है।

अमेरिकी सरकार ने 1988 में मौत की सजा बहाल की थी और आखिरी बार 16 साल पहले मृत्युदंड दिया गया था। वर्ष 1988 से लेकर अभी तक केवल तीन बार मौत की सजा दी गई है। न्याय विभाग संघीय अपराधों के लिए मौत की सजा बहाल करना चाहता है और अगला मृत्युदंड सोमवार को होना था लेकिन उच्चतम न्यायालय ने अभी इस पर लगी रोक हटाने से इनकार कर दिया।

श्वेत वर्चस्व को मानने वाले डेनियल लुईस को आठ साल की बच्ची समेत एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या करने के 1996 के मामले में मौत की सजा दी जानी है।

केन्या में बस हमले में आठ लोगों की मौत

नैरोबी (एएफपी)। उत्तर पूर्वी केन्या में एक बस पर हुए हमले में कई पुलिस अधिकारियों समेत कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। समझा जाता है कि यह हमला सोमाली इस्लामी शबाब संगठन ने किया है। राष्ट्रपति के एक प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी।

प्रवक्ता ने बताया कि केन्या के राष्ट्रपति उहुरु केन्याटा को वजीर काउंटी में हुए जिहादी हमले में पुलिसकर्मियों समेत आठ लोगों की बर्बर मौत के बारे में सूचित किया गया है। पुलिस सूत्र ने बताया, हमने बस हमले में सात पुलिस अधिकारियों को खो दिया। उसने बताया कि कम से कम 10 लोगों की मौत हुई है। सूत्र ने बताया, हमले में कई लोग मारे गए हैं। एक की पहचान स्थानीय डॉक्टर के तौर पर हुई है।

हालांकि शुक्रवार शाम को पुलिस की ओर से जारी बयान में घटना में हताहतों की संख्या नहीं बताई गई थी। बयान में सिर्फ इतना बताया गया कि वजीर और मंदेरा शहर को जोड़ने वाली बस पर स्थानीय समयानुसार शाम करीब साढ़े पांच बजे हमला हुआ था।

10-15 बार टायलेट फ्लश करने की समस्या का समाधान करेंगे ट्रंप

वाशिंगटन (एएफपी)

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में कहा कि वह अमेरिकी शौचालयों में 10-15 बार फ्लश करने की समस्या का संज्ञान ले रहे हैं और इससे अमेरिकियों को निजात दिलाना उनका लक्ष्य है।

ट्रम्प ने एक उच्च-स्तरीय बैठक में कहा कि सरकार देश के स्नानगृहों एवं शौचालयों में पानी का प्रवाह तेज नहीं होने की समस्याओं को गंभीरता से देख रही है। राष्ट्रपति ट्रंप के जीवन का अधिकांश हिस्सा रियल एस्टेट सौदों और निर्माण कार्य के व्यवसाय में बीता है। उन्होंने कहा, आप नल चालू करते हैं और आपको पानी नहीं मिलता है। वे स्नान करते हैं और पानी टपकता रहता है। ट्रंप ने कहा, लोगों को एक बार की जगह 10-15 बार शौचालयों को फ्लश करना पड़ रहा है। नल से इतना कम पानी आ रहा है कि आप अपने हाथ भी ढंग से धो नहीं पाते। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने संघीय पर्यावरण प्राधिकरण(ईपीए)को पानी के उपयोग पर नियमों को आसान बनाने का निर्देश दिया था। उन्होंने रेगिस्तानी क्षेत्रों में जल संरक्षण की अपील की।

विश्वबैंक चीन को कर्ज रोक दे:अमेरिकी राष्ट्रपति

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन को कर्ज देने पर विश्व बैंक की शुक्रवार को निंदा की। ट्रंप ने ट्विटर पर लिखा, विश्व बैंक चीन को धन क्यों दे रहा है? क्या यह संभव हो सकता है? चीन के पास बहुत धन है, और अगर नहीं है तो वह उसकी व्यवस्था खुद करें। इसे रोकें। ट्रंप के वित्त मंत्री स्टीवन मेनुचिन ने भी ऐसी ही बात कही थी। उन्होंने बृहस्पतिवार को एक प्रतिनिधि सभा की समिति से कहा था कि अमेरिका ने चीन में विश्वबैंक के ऋण की बहु-वर्षीय परियोजनाओं पर आपत्ति जताई है।

क्विक न्यूज

इराक के धर्मगुरु सदर के घर पर ड्रोन से हमला

नजफ (इराक)। इराक के धार्मिक शहर नजफ मे इराकी धर्मगुरु मुक्तदा सदर के घर पर शनिवार तड़के एक ड्रोन ने बम गिराकर हमला किया। हालांकि सदर देश मे नही है। उनकी पार्टी के सूत्रो ने एएफपी को यह जानकारी दी। सदर इराक मे सरकार विरोधी रैलियो का समर्थन कर रहे है। प्रदर्शनकारियो के एक शिविर पर अज्ञात बंदूकधारियो के हमले की जानकारी के बाद उन्होने रात मे ही अपने समर्थको को प्रदर्शनकारियो की सुरक्षा के लिए भेजा था।

इराक में प्रदर्शनकारियों पर हमले अब तक 25 की मौत

बगदाद (एपी)। इराक की राजधानी बगदाद मे शुक्रवार को एक अज्ञात हमलावर द्वारा सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियो को निशाना बनाकर किए गए हमले मे मरने वालो की संख्या बढ़कर 25 हो गई और 130 से अधिक लोग घायल है। स्वास्थ्य तथा सुरक्षा अधिकारियो ने पहचान जाहिर न करने की शर्त पर यह जानकारी दी। इराक मे राजनीतिक सुधारो और ईरान के प्रभाव को खत्म करने के लिए एक अक्टूबर से प्रदर्शन चल रहे है। तब से लेकर अब तक का यह सबसे घातक हमला था। सुरक्षाबल प्रदर्शनकारियो को तितर-बितर करने के लिए नियमित रूप से गोलीबारी और आंसू गैस का इस्तेमाल कर रहे है, जिसमे भारी तादाद मे लोगो की मौत चुकी है।

डोमिनिका में सत्तारूढ़ पार्टी फिर जीत की ओर

रॉसेओ (डोमिनिका)। डोमिनिका के लोगो ने कई सप्ताह से जारी राजनीतिक अशांति के बीच शुक्रवार को नई संसद के लिए मतदान किया था और प्रारंभिक परिणामो मे सत्तारूढ़ डोमिनिका लेबर पार्टी को एकतरफा जीत मिलती नजर आ रही है। डोमिनिका चुनाव कार्यालय द्वारा जारी प्रारंभिक परिणामो के अनुसार प्रधानमंत्री रूजवेल्ट स्केरिट की पार्टी को 21 मे से 18 सीटो पर जीत मिली है, जिसके साथ ही उनकी पांचवी बार सत्ता मे आने की राह साफ होती दिख रही है।

मादक पदार्थों गिरोहों को आतंकवादी समूह घोषित करने योजना नहीं: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह मेक्सिको के मादक पदार्थ गिरोहो को आतंकवादी समूह घोषित करने के अपनी योजना पर आगे नही बढ़ेगे। ट्रंप ने कहा कि उन्होने मेक्सिको के राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुएल लोपेज ओब्राडोर के अनुरोध पर यह फैसला लिया है।

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रायोजित वार्ता के दौरान न्यूयॉर्क में एक जलवायु रैली के दौरान प्रदर्शन करते लोग

फ्रांस में हड़ताल से राहत नहीं फिर से अशांति की आशंका

पेरिस (एएफपी)। फ्रांस में पेंशन सुधारों की मांग को लेकर शनिवार को सबसे भीषण राष्ट्रव्यापी हड़ताल की आशंका है क्योंकि यूनियनों ने चेतावनी दी है कि आंदोलन अगले सप्ताह भी जारी रहेगा।

सप्ताहांत में हुए हड़ताल के कारण पूरे देश में रेल, मेट्रो ट्रेन सेवाएं ठप पड़ गई थीं। हवाई सेवाओं पर इसका कम असर पड़ा था। बृहस्पतिवार के प्रदर्शन में करीब आठ लाख लोगों ने हिस्सा लिया था। यह हड़ताल राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों की पेंशन सुधार की उनकी योजना के लिए चुनौती बन गई है। सैकड़ों की तादाद में लोग सड़कों पर उतरे ओर अहम परिवहन सेवाएं ठप रहीं।

हड़ताल की शुरुआत बृहस्पतिवार को हुई। हड़ताल का प्रभाव इतना अधिक था कि इसने 1995 की सर्दी की यादें ताजा कर दीं जब तीन हफ्ते के भारी विरोध की वजह से तत्कालीन सरकार को अपनी सामाजिक नीति वापस लेनी पड़ी थी। यूनियनों ने बृहस्पतिवार को बड़ी-बड़ी रैलियां निकालने के बाद अब मंगलवार को भी व्यापक राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन करने का संकल्प जताया है, हालांकि आगामी दिनों में ठप पड़े परिवहन में थोड़ा सुधार होने की संभावना है। इससे पहले भी मैक्रों एलो वेस्ट आंदोलन की चुनौती झेल चुके हैं। फ्रांस में असमानता के खिलाफ पिछले साल हुए इस आंदोलन ने सरकार को झकझोर कर रख दिया था।

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए बांग्लादेश में ईंट भट्ठे तोड़े जा रहे

सतुरिया (बांग्लादेश) (एएफपी)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बढ़ते वायु प्रदूषण को रोकने के लिए पुलिस की मदद से गैरकानूनी ईंट भट्ठों को धवस्त किया जा रहा है। वहीं, ईंट भट्ठे बंद होने से कई प्रवासी मजदूर बेरोजगार हो गए हैं और वे अपने गांव लौटने के लिए मजबूर हो गए हैं। हर वर्ष मानसून के बाद सर्दियों का मौसम शुरु होते ही ढाका के ईंट भट्ठों की चिमनी चालू होती है। इनमें ईंटें पकाने के लिए कोयला और लकड़ी जलाई जाती है जिससे भारी मात्रा में जहरीला धुआं निकलता है।

ढाका के पश्चिम में स्थित सतुरिया में मजिस्ट्रेट काजी तमजीद अहमद ने पुलिस को मजदूरों को तोड़े जा रहे एक भट्ठे से दूर रखने का आदेश दिया। एक स्वतंत्र वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र ने 25 नवंबर को ढाका की वायु को दुनिया में सबसे प्रदूषित बताया था। अगले ही दिन उच्च न्यायालय ने शहर के आसपास मौजूद सैकड़ों गैरकानूनी ईंट भट्ठों को दो हफ्तों के अंदर बंद कराने का आदेश दिया था। इनमें से ज्यादातर भट्ठे पिछले पांच साल में खुले हैं।

जलवायु वार्ता में देरी की कोशिश कर रहे है जीवाश्म ईंधन समूह

पेरिस (एएफपी)। तेल एवं गैस समूहों पर जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल में कटौती करने को लेकर देरी कराने के लिए प्रायोजनों पर लाखों रुपए खर्च करके और दर्जनों बिचौलियों को भेजकर मैड्रिड में जलवायु वार्ता को प्रभावित करने का आरोप है।

वहीं, वैज्ञानिकों का कहना है कि जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल में कटौती आवश्यक है और ऐसा फौरन होना चाहिए। जलवायु परिवर्तन पर कार्वाई की मांग करते हुए स्पेन की राजधानी मैड्रिड में हजारों लोग के मार्च करने के एक दिन बाद सात पर्यावरणीय समूहों ने सीओपी25 शिखर सम्मेलन में जीवाश्म ईंधन के प्रतिनिधियों की भूमिका को लेकर चिंता जताई। 2015 के पेरिस समझौते के तहत विभिन्न देश वैश्विक ताप को दो डिग्री सेल्सियस तक कम करने पर राजी हो गए।

अमेरिका-भारत के बीच तेजी से मजबूत हो रही है साझेदारी: श्रृंगला

वाशिंगटन (भाषा)

अमेरिका में भारत के शीर्ष राजदूत ने कहा है कि अमेरिका और भारत के बीच रणनीतिक और आर्थिक दोनों क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंध तेजी से मजबूत हो रहे हैं। अमेरिका और भारत के बीच 18 दिसम्बर को होने वाली 22 मंत्री स्तरीय वार्ता से पहले यह बयान आया है।

अमेरिका में भारत के राजदूत हर्षवर्धन श्रृंगला ने मैसाचुसेट्स के कैम्ब्रिज में हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के छात्रों और शिक्षकों से कहा, भारत की विकास कहानी में अमेरिका के साथ उसकी सहज साझेदारी हमेशा विद्यमान रही है। साझेदारी रणनीतिक और आर्थिक दोनों क्षेत्रों में तेजी से मजबूत हो रही है।

उन्होंने कहा, हमारे रक्षा खरीद संबंध पिछले 15 साल में शून्य से लगभग 20 अरब डॉलर हुए हैं। भारत अब अमेरिका का एक प्रमुख रक्षा साझीदार है।

हमने कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं और हमारी सेनाएं भी लगातार एक दूसरे के साथ अभ्यास कर रही हैं। श्रृंगला ने कहा कि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार हर साल

हर्षवर्धन श्रृंगला

10 प्रतिशत बढ़ रहा है, जो कि 2018 में 145 अरब डॉलर हो गया था और अब यह अधिक संतुलित भी है। उन्होंने कहा कि निवेश संबंध भी द्वि-दिशात्मक है।

करीब 2,000 अमेरिकी कम्पनियों ने भारत में मौजूदा अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में 40 अरब डॉलर का निवेश किया है। वहीं 200 भारतीय कम्पनियों ने भी अमेरिका में 18 अरब डॉलर का निवेश किया है, जिससे सीधे-सीधे 1,00,000 नौकरियों का सृजन हुआ है। उन्होंने कहा, ऊर्जा के क्षेत्र में हमारी साझीदारी भी भारत के साथ बढ़ रही है, जिसमें इस साल लगभग आठ अरब डॉलर का तेल और गैस आयात किया गया।

संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा से जुड़े लोगों की पेशेवर योग्यता का कोई विकल्प नहीं हो सकता: भारत

संयुक्त राष्ट्र (भाषा)

संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा पर यहां आयोजित उच्च स्तरीय कार्यक्रम में भारत ने कहा कि साझेदारी में काम करना शांति रक्षा मिशन की सफलता की कुंजी है। भारत ने रेखांकित किया वैश्विक मिशन के विभिन्न पहलुओं से जुड़े लोगों की पेशेवर योग्यता का कोई विकल्प नहीं है और न ही उससे समझौता किया जा सकता है।

शांति रक्षा कार्य में सुधार : यूएनएससीआर 2436 के बाद से एक वर्ष पर शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम की सह मेजबानी भारत के साथ पुर्तगाल, सेनेगल, उरुग्वे और वियतनाम ने की। यह कार्यक्रम अमेरिका की पहल पर आयोजित हुआ। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनिया गुतारेस ने अमेरिका और सह आयोजकों भारत, पुर्तगाल, सेनेगल, उरुग्वे और वियतनाम को कार्यक्रम आयोजित करने के लिए

सैयद अकबरुद्दीन

और संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा मिशन में सहयोग करने के लिए धन्यवाद दिया। भारत के स्थाई प्रतिनिधि एवं संयुक्त राष्ट्र में राजदूत सैयद अकबरुद्दीन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, भारत का विश्वास है कि वैश्विक एकता को मजबूत करने के लिए शांति रक्षण में वृहद साझेदारी महत्वपूर्ण है, इस वैश्चिक कार्य के विभिन्न पहलुओं से जुड़े लोगों की पेशेवर योग्यता का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा, साझेदारी में कार्य करना शांति रक्षा मिशन की सफलता की कुंजी है। अकबरुद्दीन ने जोर दिया कि शांति रक्षा क्षमता तैयारी प्रणाली (पीसीआरएस) के लिए दिशा निर्देश की जरूरत है और सैन्य एवं पुलिस इकाइयों की नियुक्ति में यही एकमात्र प्रक्रिया होनी चाहिए। उन्होंने कहा, तैनाती के संदर्भ में विविधता समझी जा सकती है और कुछ अंतर अपरिहार्य हैं। बहरहाल, पसंद और चयन उपलब्ध विकल्पों में से ही करने की जरूरत है। अकबरुद्दीन ने साथ ही कहा कि जो पीसीआरएस का हिस्सा नहीं हैं, बेहतर है कि उन्हें नजरअंदाज किया जाए। उल्लेखनीय है कि भारत संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा मिशन में सबसे अधिक सैनिकों का योगदान करने वाले देशों में शामिल है। भारत ने लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल में कजाकिस्तान के साथ अपने सैनिकों की तैनाती की है। भारत ने अमेरिका के साथ अफ्रीकी साझेदारों के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा पाठ्यक्रम (यूएनपीसीईपी) का भी आयोजन किया।

अमेरिका ने दोहा में तालिबान के साथ वार्ता बहाल की

दोहा (एएफपी)

अमेरिका ने शनिवार को कतर में तालिबान के साथ वार्ता बहाल की। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने करीब तीन महीने पहले अचानक राजनयिक प्रयासों को बंद कर दिया था। इस साल सितंबर में तालिबान और अमेरिका करार के करीब पहुंचते नजर आ रहे थे जिसका नतीजा होता कि सुरक्षा गारंटी के एवज में अमेरिकी सैनिकों की अफगानिस्तान से वापसी होती। दोनों पक्षों के संभावित करार से उम्मीद की जा रही थी कि तालिबान और अफगान सरकार के बीच सीधी बातचीत का रास्ता साफ होगा और अंतत: 18 साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति समझौता होगा।

हालांकि, उसी महीने ट्रंप ने अचानक करीब साल भर से चल रही कोशिश को मृतप्राय करार देते हुए कैंप डेविड में गोपनीय वार्ता के लिए तालिबान प्रतिनिधियों को दिए न्योते को वापस ले लिया। उन्होंने यह कदम अमेरिकी सैनिक के मारे जाने के बाद उठाया। अमेरिकी सूत्र ने बताया, अमेरिका आज दोबारा दोहा में बातचीत में शामिल होगा। चर्चा के केंद्र में हिंसा कम करना होगा जिससे अंतर अफगान वार्ता और संघर्ष विराम के लिए रास्ता बनेगा।

पिछले हफ्ते अफगानिस्तान स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकाने के दौरे पर अचानक गए ट्रंप ने कहा था कि तालिबान समझौता करना चाहता है। बातचीत बंद होने के बावजूद अमेरिकी वार्ताकार जलमय खलीलजाद ने हाल के हफ्तों में पाकिस्तान सहित अफगानिस्तान शांति वार्ता के हितधारक देशों का दौरा किया था। हाल में उन्होंने बंधकों की अदला-बदली कराने की व्यवस्था की जिसमें तालिबान ने तीन साल से बंधक अमेरिकी और ऑस्ट्रेलियाई शिक्षाविदों को रिहा किया। तालिबान अबतक अफगान सरकार से बातचीत से इनकार कर रहा है। वह काबुल की सरकार को अवैध मानता है।

अफगान राष्ट्रपति अशरफ घनी की ओर से चिंता जताए जाने के बाद अमेरिकी विदेश विभाग ने संघर्ष विराम का समर्थन किया।

पायनियर
रविवार, 8 दिसंबर, 2019

एजेण्डा

{ ग्रेमीज, अमेरिकन संगीत अवार्ड, सफल एलबम्स, मैं अपने बच्चों के लिए एक दिन इनमें से एक का चुनाव करूंगी
– टोनी ब्राक्सटन }

नाम भी कमाइए दौलत भी

टिक टॉक

वो दिन गए जब सोशल मीडिया सिर्फ मनोरंजन का माध्यम था। आज यह मंच न केवल युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर दे रहा है बल्कि धन कमाने में उनकी सहायता भी कर रहा है। ऐसे ही कुछ युवा व उत्साही टिकटाक कलाकारों से, जो इस मंच को लोकप्रियता दे रहे हैं, बातचीत पर आधारित मुस्बा हाशमी की रिपोर्ट

मैं प्रतियोगिता पर ध्यान नहीं देता हूं

पंजाब में रूपनगर के एक छोटे कस्बे में जन्मे मानव छाबड़ा को बिलकुल नहीं पता था कि उनका वीडियो उन्हें बुलंदियों पर ले जाएगा। यह जिज्ञासा थी जिसने इस 23 वर्षीय नौजवान से टिकटाक पर वीडियो अपलोड कराये और फिर उसे संगीतमय नाम दिया। और फिर बाद के चार वर्षों में पीछे मुड़ कर देखने का प्रश्न नहीं था।

छाबड़ा जिनके इंस्टाग्राम पर दस लाख से अधिक प्रशंसक हैं, कहते हैं, ‘‘मैं विधि का छात्र हूं और सोशल मीडिया स्टार बनने का सपना मैंने कभी नहीं देखा था। मैंने कभी नहीं सोचा कि मेरे वीडियो ऐसी हलचल पैदा कर सकते हैं।’’

यदि आपने पहले छाबड़ा की ओर ध्यान नहीं दिया है और अब सोशल मीडिया पर इस खूबसूरत नौजवान को ढूंढ़ने के लिए तैयार हैं, तो यह आपके लिए बहुत आसान नहीं होगा। कारण यह कि छाबड़ा अपने सोशल मीडिया हैंडल पर मि एमएनवी के नाम से जाने जाते हैं। छाबड़ा बताते हैं, ‘‘ इस नाम के पीछे कोई रहस्य नहीं हैं। जब मैं दसवीं कक्षा में था, मैं यूंही इस नाम से अपना इंस्टाग्राम खाता निर्मित किया और संयोगवश मेरे कुछ वीडियोज तभी वायरल हो गए। फिर, जब मैंने टिकटाक का उपयोग करना शुरू किया, तो मैंने उसी नाम से आगे बढ़ने का फैसला किया। कुछ समय के बाद, मैंने अपनी टीम से पूछा कि क्या मैं इसे बदल दूं तो उन्होंने मुझे इसी नाम से चलने की सलाह दी क्योंकि लोग इसी के अभ्यस्त हैं और यह पहले ही एक ब्रांड बन गया है। तो कुछ इस तरह इस सबकी शुरुआत हुई।’’

इंटरटेनर : मानव छाबड़ा

प्रशंसकों की संख्या नहीं है जिसे छाबड़ा चाहते हैं , बल्कि यह उनका प्यार व लगाव है जो वह उनसे चाहते हैं। साल 2015 में वीडियो बनाने की शुरुआत करने वाले, छाबड़ा बताते हैं, ‘‘हम सभी जानते हैं कि आलोचना व कटाक्ष सोशल मीडिया का अभिन्न हिस्सा हैं, लेकिन मैं पर्याप्त खुशकिस्मत रहा हूं कि मुझे समर्थन करने वाले प्रशंसक मिले जो मेरे काम की तारीफ करते हैं। मैंने इन तमाम वर्षों में बहुत कम आलोचनाओं का सामना किया है।’’

इस एप ने छाबड़ा को न केवल अत्यधिक प्रसिद्धि दिलाई है, बल्कि उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने का मंच भी प्रदान किया है। वह कहते हैं, ‘‘मैंने अपना ग्रेजुएशन पूरा कर लिया है और अभी कुछ ही महीनों पहले में मुंबई में आकर बसा हूं। आज मुझे पैसों के लिए अपने माता पिता से नहीं कहना पड़ता है। मैं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करके अपने पैरों पर खड़ा हो सकता हूं। और सिर्फ मैं ही नहीं हूं, कई अन्य भी हैं जिन्हें इन एप्स के जरिए एक मंच प्राप्त हुआ है और वे सभी उचित उद्देश्यों के लिए इसका उपयोग कर रहे हैं। युवा के लिए यह समय की आवश्यकता थी।’’

लेकिन ऐसा नहीं कि जो चमकता है, वो सोना ही है। सुर्खियों में रहने के कुछ नुकसान भी होते हैं। वह बताते हैं, ‘‘कभी कभी आप अत्यंत घृणा और आलोचना भी प्राप्त करते हैं, लेकिन जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है कि मैं कम आलोचनाएं पाने वाला पर्याप्त सौभाग्यशाली व्यक्ति रहा हूं। लेकिन बढ़ते अवसर जबरदस्त प्रतियोगिता लेकर आते हैं। लाखों ऐसे लोग हैं जो सोशल मीडिया पर एक या दूसरा वीडियो डाल रहे हैं लेकिन व्यक्ति में सबके बीच चमकने के लिए कोई खूबी होना आवश्यक है।’’ वह मानते हैं, ‘‘मैं अपने लिए प्रतियोगिता के रूप में किसी खास क्रिएटर के बारे में नहीं सोचता हूं। हां, प्रतियोगिता ऊंची है, लेकिन मैं इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देता हूं।

>> पेज 3

तीन तिगड़ी कारगर है

इस कहावत से कोई भी परिचित हो सकता है: तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा। लेकिन टिक टाक की प्यारी तिकड़ी– समीक्षा सूद, विशाल पांडे और भविन भानुशाली, जो सोशल मीडिया पर तीन तिगड़ी के नाम से मशहूर है, ने निश्चित रूप से, किसी न किसी प्रकार से, इस कहावत को गलत साबित करने का मन बना लिया है। हमेशा चटक रंगीन कपड़े पहने, तथा हर एक को लुभाने वाली प्यारी व सौम्य मुस्कान के साथ, जबकि हैँडसम लड़के अपने शानदार डांस स्टैप्स से हरएक को प्रभावित कर लेते हैं। अक्सर यह तिकड़ी अपने वीडियोज में गाने गाती व धुनों पर थिरकती नजर आती है जिसने अपने लिए लाखों दर्शक जुटाएं हैं और इसके साथ जुड़ी अपार लोकप्रियता का उल्लेख करने की तो आवश्यकता नहीं है।

सूद न केवल टिकटाक स्टार हैं, बल्कि एक अभिनेत्री भी हैं। उन्होंने जीटीवी की डोली अरमानों की में आशा सिंह की भूमिका निभाई थी और वह गुमराह सीजन 3 और फीयर फैक्टर: डर की सच्ची तस्वीरें में भी दिखाई दी हैं। और यह अनकही बात है कि वह

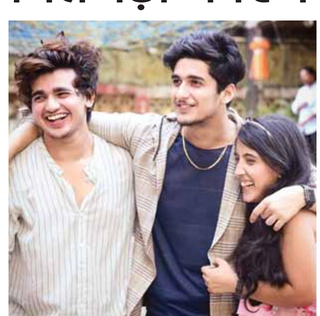

विशाल पांडे, भविन भानुशाली व समीक्षा सूद

भावनाओं की उस्ताद हैं। चाहे यह कामेडी करना हो या सिर्फ महज अभिव्यक्तियां देना हो, वह सबकुछ कर सकती है। हालांकि कई अन्य लोगों की तरह, सूद भी नहीं सोचती थीं कि वह इस पेशे को इतने बड़े स्तर पर अपनाएंगी और इसे पूर्णकालिक पेशे के रूप में अपना लेंगी।

‘‘मुझे टिकटाक का उपयोग करते हुए तीन से अधिक साल हो गए हैं। मेरे साथ, शूटिंग के दौरान अपने फुर्सत के पलों में वीडियो बनाने से इस सबकी शुरुआत हुई। मेरे पास काफी खाली समय हुआ करता था और मैं इस समय का सृजनात्मक उपयोग करने के बारे में सोचती थी और टिक टाक उस समय चलन में था, तो कुछ इस तरह मैं एप के संपर्क में आई। कुछ समय बाद, वो शो समाप्त हो गया जिसकी मैं शूटिंग कर रही थी और मैंने महसूस किया कि लोग मेरे वीडियोज पसंद कर रहे थे। इसलिए मैंने इसे पूर्णकालिक रूप से अपनाने का सोच लिया। आज हमारा यूटयूब चैनल भी है जहां हम नियमित रूप से अपने वीडियोज पोस्ट करते हैं।’’

सूद के लिए प्रेरणा के रूप में ग्रुप के साथ उभरने का खयाल उसी एप पर आवेज दरबार और टीम को देखकर आया। वह बताती हैं, ‘‘हमने इस खयाल के लिए आवेज और उसकी टीम से प्रेरणा ली। साथ ही, टीमवर्क ऐसा है जो एप पर बेहतर काम करता है। इसलिए हम तीनों ने एक टीम बनाने का फैसला किया क्योंकि हम तीनों एक दूसरे के घरों के करीब रहते हैं। इस तरह तीन तिगाड़ा ग्रुप अस्तित्व में आया। धीरे धीरे लोग हम तीनों को एक साथ देखना पसंद करने लगे। वीडियोज से हमें बहुत सारा प्यार व प्रशंसा प्राप्त हुई। तभी से पीछे मुड़कर नहीं देखा।’’

>> पेज 3

प्यारी, युवा व असरदार

17 साल की उम्र में, जब अधिकांश किशोर अपने बड़े होने के दौरान, कुछ बड़ा करने का ख्वाब देखने में व्यस्त रहते हैं, एक प्यारी खुबसूरत बैंगलोर वासी टिक टाक क्रिएटर सलोनी सिंह पहले ही उन सपनों को साकार करने में लगी हुई हैं।

सलोनी सिंह हमेशा एक एक्टर बनना चाहती थी, लेकिन चूंकि वह पढ़ाई में अच्छी थीं तो प्रत्येक माता पिता की तरह, उनके माता पिता भी चाहते थे कि वह कोई आरामदायर करियर का चुनाव करें, जो स्वाभाविक तौर पर उनके स्वभाव से बहुत मेल नहीं खाया।

इस साल फरवरी के महीने में जब सुश्री सिंह ने असलियत को परखने के लिए टिकटाक को चुना। वह बताती हैं, ‘‘मैं वीडियोज बनाया करती थी ताकि अपनी अभिव्यक्तियों व योग्यताओं का विश्लेषण कर सकूं और मैं इन्हें हमेशा केवल अपने तक सीमित रखती थी। एक दिन, मैंने इन्हें अपने दोस्तों को दिखाया जिन्होंने सलाह दी कि मैं उन्हें एप पर अपलोड करूं, इससे मुझे अपनी योग्यताओं का बेहतर अंदाजा मिलेगा। मैंने वीडियोज पोस्ट करना शुरू किया और अचानक मेरा वीडियो जिसमें मैंने जाकिर खान के सवांदों की लिप सिंकिंग कर रही थी, वायरल हो गया। इसे बहुत कम समय में 10000 लोगों ने देखा और मैं नौवें आसमान पर थी।’’

सिंह की प्रतिभा उनके माता पिता द्वारा अनदेखी रह गयी थी उन्हें पता तक नहीं था कि वह किसके लिए बनी थी। सुश्री सिंह बताती हैं, ‘‘हमारे एक रिश्तेदार ने मेरे पिता को मेरे वीडियोज दिखाए और तभी उन्हें पता चला कि मैं इन वीडियोज कुछ ही समय से बनाती आई हूं। वो पूरी तरह स्तब्ध थे और सहमत हुए कि मैं अभिनय के लिए बनी हूं और उन्होंने मुझसे कहा कि इस काम को जारी रखो और मैं इसमें तुम्हारे साथ खड़ा हूं। उनके शब्दों ने मुझे प्रेरित किया और मैंने उस प्रतिभा का पूरा इस्तेमाल करने का फैसला किया जो मुझमें है। ’’

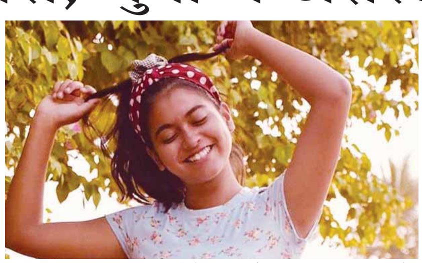

सोशल मीडिया पर लोकप्रियता पाना और पैसा कमाना कोई हंसी-मजाक का खेल नहीं है। इसमें चुनौतियों का भी सामना करना होता है।

वह कहती हैं, ‘‘ऐसा नहीं है कि कोई तत्काल लोकप्रियता हासिल कर ले और कमाना शुरू करे। इसमें समय लगता है। मैंने एप पर दसियों लाख प्रशंसक हासिल करने के बाद कमाना शुरू किया जबकि मेरा भाई अपनी किटी में तभी कमाने लगा था जब उसके एक लाख प्रशंसक भी नहीं थे। इसलिए यह उन वीडियोज की गुणवत्ता पर पूरी तरह निर्भर करता है जिन्हें आप बना रहे हैं और उसी के मुताबिक आपको साझा कार्यों के प्रस्ताव मिलते हैं और विज्ञापन में काम मिलता है। लेकिन इस सबके साथ बहुत सारा दबाव आता है जिससे बहुत जल्द छुटकारा नहीं पा सकते। '' सलोनी बताती हैं कि वह कक्षा 12वीं पढ़ती हैं और अगले साल उनके बोर्ड के इम्तिहान होने हैं लेकिन अभी भी वह पढ़ाई की ओर ध्यान नहीं दे पाई हैं।

वह आत्मविश्वास के साथ कहती हैं, ‘‘मैंने इन दिनों अपने वीडियोज शूट करने के लिए काफी यात्राएं की हैं। मैं हाल ही में चंडीगढ़ में लगभग एक सप्ताह बिताकर लौटी हूं। मैं इसी काम के लिए पिछले महीने बिहार भी गयी। इस कारण मुझे पढ़ने का बिलकुल समय नहीं मिलता है लेकिन चूंकि यह वो काम है जो मुझे करना पंसद है तो मुझे सबकुछ संभालना ही पड़ेगा। ''

मारक मुस्कान के साथ, सिंह के वीडियोज हास्य व सुंदरता का सर्वोत्तम मिश्रण हैं। और यही खूबी उन्हें एक साल से कम समय में लोकप्रिय बनाने में सहायक बनी है। वह कहती हैं, ‘‘मैं अपने वीडियोज के लिए कोई तैयारियां नहीं करती हूं। वीडियोज में मैं जो कुछ भी कर रही हूं वो सिर्फ मेरा सहज गुण है। जो लोग मुझे जानते हैं वे इससे अच्छी तरह परिचित हैं कि मैं अपने वास्तविक जीवन में भी कैसी हूं।’’ वह बताती हैं कि वह एप पर किसी को अपने प्रतिद्वंद्वी के रूप में नहीं देखती हैं।

वह कहती हैं कि मैं ऐसे वीडियोज बनाने में विश्वास करती हूं जिनमें अच्छा कथ्य हो, बस यही काफी है।

मेरे लिए, योग्यता एक हास्यबोध है, मिलकर हंसने में सक्षम होना, जो बहुत महत्वपूर्ण है
- फेलिसिटी केंडल

विवाह में व्यक्तित्व का मेल

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

एक युवती के माता पिता ने, जो जल्द उसकी शादी करना चाहते हैं, काफी खोजबीन करने के बाद, अपनी अपेक्षा के अनुरूप एक वर का चुनाव कर लिया। शुरुआती ज्योतिष मिलान अच्छा पाया गया। अंतिम जांच के लिए, वे अपने पारिवारिक ज्योतिष के पास गए, जिसने चयन को सिरे का खारिज कर दिया। जब कारणों के बारे में पूछा गया तो ज्योतिष ने कुछ ज्योतिष संकेतकों के आधार पर उनकी वैवाहिक स्थिरता पर सवाल खड़ा कर दिया। परेशान होकर, उन्होंने कई अन्य ज्योतिषियों से सलाह ली। उन सभी ने वर को उचित बताया। लेकिन वे अपने परिवारिक ज्योतिष को अनदेखा नहीं कर पाए, जिस पर वे सर्वाधिक भरोसा करते थे। गहन दुविधा की स्थिति में, उन्होंने मुझसे सलाह मांगी।

जब मैंने ज्योतिष संकेतकों के बारे में विस्तार से बताते हुए, उनके पारिवारिक ज्योतिष की राय से सहमति व्यक्त की,जिसने चयन को खारिज कर दिया था, उन्हें पूछा: " क्या आपकी राय उन्हीं तथ्यों पर आधारित है? और अन्य ज्योतिषियों ने कैसे अपनी सहमति प्रदान की? मेरी दूसरी चिंता यह है कि मेरी बेटी की शादी में विलंब हो रहा है। आपको कब लगता है कि उसकी शादी होगी? कृपया विवाह की घड़ी संभव हो, इसके कुछ उपचार सुझाएं। "

अन्य ज्योतिषियों ने सिर्फ पारंपरिक समान गुणों को देखा, जिनके अच्छे होने के कारण, उन्होंने सहमति दी। लेकिन मैं स्पष्ट कर दूं कि पारंपरिक गुगों की अंक पद्धति सिर्फ प्रत्यक्ष दृष्टि प्रदान करते हैं, जो दोनों कुंडलियों में चन्द्रमा की अवस्था पर आम तौर पर लागू होने वाले नियम पर आधारित है। यह मेरा व्यक्तिगत अनुभव है कि छत्तीस में से चौंतीस गुणों के मिलने के बावजूद, अनेक विवाह विफल हुए हैं। इसलिए पारंपरिक गुणों का मेल स्वयं में वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत नहीं करता है। क्योंकि यह दोनों व्यक्ति विशेष के व्यक्तित्व संबंधी लक्षणों पर कोई प्रकाश नहीं डालता है जिन्हें हम अनदेखा नहीं कर सकते। आपके पारिवारिक ज्योतिष ने अपनी राय देने से पहले दोनों पक्षों की कुंडलियों की सूक्ष्य अध्ययन किया है और इसलिए उनकी समझ बेहतर तार्किक नजर आती है। जहां तक मेरा राय की बात है, यह सिर्फ उन ज्योतिषीय संकेतकों पर आधारित नहीं है जिन्हें आपके पारिवारिक ज्योतिषियों ने देखा है। मैं संभावित जीवनसाथियों के व्यक्तित्व संबंधी समगुणों पर ज्यादा ध्यान देता हूं। याद रखें, वैवाहिक संबंध में अधिक महत्वपूर्ण यह है कि दोनों पक्ष किस प्रकार परस्पर सहयोग करेंगे, वो इस आधार पर कि दोनों की अपनी अपनी अनुवांशिक आदतें व स्वभाव होते हैं। जब दो साझीदार विवाह बंधन में बंधते हैं,और दोनों एक दूसरे को हल्के में लेने लगते हैं, जब उनके सहज अनुवांशिक गुण खुलकर सामने आते हैं, जिसके फिर स्वाभाविक खामियाजे सामने आते हैं।

विवाह की शीघ्रता के उपचारक उपाय तलाशना उचित नहीं है। अगर किसी के राशिफल में देरी में विवाह के संकेतक हैं तो यह सोद्देश्यपूर्ण है। यह अपनी आदतों व नजरियों पर काम करने का समय व अवसर प्रदान करता है, लेकिन उसके लिए विवाह को आसानी से सफल बनाना कठिन होगा। समय से विवाह होना उचित है। लेकिन ज्यादा महत्वपूर्ण है तालमेल व स्थिरता। लेकिन भरोसा रखें, साल के भीतर उनका विवाह हो सकता है।

अपनी बेटी के व्यक्तित्व रुझानों के ज्योतिष संकेतकों पर नजर डालते हैं। वह प्रचंड व गतिमान राशि मेश में जन्मी है। जो उसे जिद्दी, गुस्सैल, चिड़चिड़ा, अधीर व असहिष्णु बनाता है। वह दबंग स्वभाव की है, जो हमेशा खुद को आगे रखना व दूसरे को दोयम दर्जे पर रखना चाहेगी। लग्नस्वामी मंगल की स्थिति यूरेनस व वरुण के विरुद्ध है। यह सबसे पहले, उसे गुस्सैल व चिड़चिड़ा बनाता है। दूसरा, जब अनचाही स्थितियां सामने आती हैं तो उसमें हीन भावना विकसित हो सकती है। ऐसा इसलिए भी, कि सूर्य अपने घोर शत्रु शनि के विपरीत अवस्था में संग्रस्त है। यह दर्शाता है कि उसमें नकार प्रवृत्ति वाली निराशावादी सोच है। वह भय व असुरक्षा की अंतर्निहित भावना रखती है, जो उसे स्वभाव से दूसरों के प्रति शंकालु बनाती है। कठिन स्थिति के मद्देनजर, आत्मदया व निराशा उस पर हावी हो सकती है।

अब आते हैं संभावित जीवनसाथी की ओर, वृष राशि को, मन संकेतक चन्द्रमा समेत इसके स्वामी वीनस के साथ जोड़कर समझना, दोनों का निर्धारित राशियों में होना उसे एक जिद्दी व्यक्ति बनाता है। चन्द्रमा का मंगल के विपरीत होना उसे गुस्सैल, मूडी व चिड़चिड़ा बनाता है। चन्द्रमा का बुध के प्रति पतनशील भाव में होना उसे दुविधाग्रसित, दूसरों के प्रति असंतुष्ट बनाता है, उसमें एकाग्रता का कमी हो सकती है और वह चिंता करने की प्रवृत्ति रखता है।

बृहस्पति का बुध के विपरीत मुद्रा में होना उसकी मूर्खतापूर्ण तार्किकता व निर्णय क्षमता के लिए जिम्मेदार है। बृहस्पति का मंगल के विपरीत होना उसमें भयंकर अहंकार का संकेत करता है जो अपनी तयशुदा मान्यताओं व अवधारणाओं में जकड़ा है, और वास्तविकता को देखने के लिए तैयार नहीं है। उसके लिए यह स्वीकार करना कठिन होगा यदि कभी भी कोई दूसरा उसकी सोच से भिन्नता रखता है। सबसे महत्वपूर्ण है मंगल का शनि के प्रति पतनशील भाव में होना, जो उसे बुरा स्वभाव प्रदान करता है और उसमें प्रतिशोध की प्रवृत्ति जगाता है। यदि उसे उकसाया गया तो वह भड़क सकता है और अपनी तार्किक क्षमता व संयम खो सकता है। अब आप स्वयं तय कर सकते हैं कि दोनों लंबे समय के लिए एक साथ रह सकते हैं या नहीं।

योग नींद सुधारता है, पीठ-दर्द घटाता है

एक नए अध्ययन का कहना है कि योग और पीटी नींद में पड़ने वाली खलल के उपचार तथा पीठ दर्द को घटाने का असरकारी नजरिया हैं। जर्नल आफ जनरल इंटर्नल मेडिसिन में प्रकाशित, अमरीका के बोस्टन युनिवर्सिटी के शोध ने 12 सप्ताह से लेकर 52 सप्ताहों की योग कक्षाओं से या वन ऑन वन पीटी से नींद की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार दिखाया है जो इन गैर-औषधीय नजरियों के दूरगामी फायदों की पैरवी करता है। इसके अलावा, उपचार के छह सप्ताहों के बाद दर्द में शुरुआती सुधार पाने वाले भागीदारों को, 12 सप्ताहों के बाद पूर्ण सुधार की तुलना में, नींद में साढ़े तीन गुना सुधार महसूस हुए जो रेखांकित करता है कि दर्द और नींद का परस्पर गहरा रिश्ता है। अध्ययन के प्रमुख लेखक इरिक रोजीन ने कहा, 'इन स्थितियों के उपचार के समग्रतापूर्ण तरीकों को पहचानने से इन उपचारों पर निर्भरता घटाने समेत मरीजों को अधिक सुरक्षित व अधिक राहत दिलाने में सहायता मिल सकती है।' नींद में खलल और अनिद्रा की बिमारी भयंकर निचले पीठ-दर्द (सीएलबीपी) वाले मरीजों में आम है। नींद और पीठदर्द की दवाओं के गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं, और उनका ओवरडोस लेने से जान का जोखिम रहता है। अध्ययन की शुरुआत में, सीएलबीपी के नब्बे फीसदी से अधिक भागीदारों को बदतर नींद से पीड़ित पाया गया। सीएलबीपी के लिए भागीदारों को तीन में से एक भिन्न उपचारपद्धतियां प्रदान की गयीं: साप्ताहिक योग, पीटी या शैक्षणिक सामग्री पढ़ना। इस अध्ययन में, नींद में सुधार के नतीजों की 12 सप्ताह की दखल अवधि के साथ तुलना की गयी तथा एक साल तक आंकलन किया गया।

हाई फैट वाली खुराक से बढ़ सकता है कोलन कैंसर का खतरा

एक नए अध्ययन के अनुसार, दो जींस जो इंटेस्टाइन बर्न डायटरी फैट में स्टेम कोशिकाओं की सहायता करती दिखते हैं, कोलन कैंसर होने में भूमिका निभा सकते हैं। गेस्ट्रोइंटरोलाजी पत्रिका में प्रकाशित, अध्ययन ने कोशिकाओं के फैट को खाने के तरीके तथा किस प्रकार आंतों में स्टेम कोशिका के गतिविधि को नियमित करते हैं, के बीच एक नए संबंध के बारे में बताया है। यह प्रयोग एक चूहे पर किया गया है। द डिपार्टमेंट आफ जेनेटिक्स एट रुट्जर्स युनिवर्सिटी- न्यू ब्रूंसविक में सहायक प्रोफेसर, व अध्ययन के वरिष्ठ लेखक माइकल वेर्ज़ी ने कहा,"यह महत्वपूर्ण है क्योंकि वैज्ञानिकों ने दिखाया है कि जब आंत में बहुत ज्यादा आहारयुक्त फैट होता है, तो स्टेम कोशिका की संख्या बढ़ती है, जो कोलन कैंसर की संभावना बढ़ाती है।" लोग स्वाभाविक तौर पर रोज लाखों आंत्र कोशिकाएं खोते हैं, जितना कि वे त्वचा कोशिकाएं खोते हैं। आंत्र स्टेम कोशिकाएं निरंतर परिष्कार से गुजरती हैं और आंत की दीवारों के निरंतर कार्य प्रक्रिया को बढ़ाती हैं, लेकिन परिवर्तित स्टेम कोशिका गतिविधियां कोलन कैंसर का कारण बन सकती हैं। हालिया अध्ययन ने दिखाया है कि आंत्र स्टेम कोशिकाएं हाईफैट पश्चिमी खुराक वाले जानवर में बढ़ सकती हैं, जो संभवतया ऐसी खुराक से होने वाले कैंसर के बढ़ते खतरे को स्पष्ट करता है। शोधकर्ता टीम ने हाल ही में उन दो जींसों (एचएनएफ4ए और एचएनएफ4जी) की खोज की है जो आंतों की दीवार के उचित गतिविधि को प्रोत्साहित करने के लिए एक साथ काम करते हैं। नए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि चूह ने आंत्र स्टेम कोशिकाओं को खो दिया जब ये जींस निष्क्रीय हो गए, उनकी महत्ता की पुष्टि करते हुए वैज्ञानिक मानते हैं कि ये जींस स्टेम सेल्स बर्न फैट की सहायता करते हैं, उन्हें ऊर्जा प्रदान करते हैं।

चुप्पी तोड़ो

शैलेन्द्र सिन्हा का कहना है कि माहवारी के बारे में बात न करना न केवल महिलाओं के लिए घातक है बल्कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण में बाधक भी है

माहवारी या मासिक धर्म से जुड़ी चुप्पी को उसके शुरुआती चरण से ही तोड़ने की आवश्यकता है। विद्यालय पूरे मन से युवा लड़कियों को उस दौरान, स्वच्छता बरकरार रखते हुए अपना बेहतर खयाल रखने के तरीकों के प्रति जागरुक बनाने के अभियान चला रहे हैं। हालांकि शहरी दायरे में ऐसी चर्चाओं को प्रोत्साहित करना कहीं आसान है, मगर झारखंड के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसा होने की कल्पना करना कठिन है। कस्तूरबा गांधी आवासीय गर्ल्स स्कूल, दुम्का में शिक्षिका, उषा किरण तुडू ने कहा कि स्कूल में 11 से 14 वर्ष की लड़कियों को शुरुआत से माहवारी के बारे में जागरुक किया जाता है। उन्हें बताया जाता है कि उनके शरीर में बदलाव होगा लेकिन उससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। स्कूल में उड़ान कार्यक्रम छठी कक्षा से आरंभ होता है। उन्होंने कहा कि अब लड़कियों के बीच जागरुकता बढ़ी है और उन्होंने इसके बारे में खुलकर बात करना शुरू किया है। वे न केवल स्वच्छता व सफाई के प्रति जागरुक हुई हैं, बल्कि उन्होंने अपने गांवों में अपनी सहेलियों के साथ अपनी इस जानकारी को बांटना भी शुरू कर दिया है।

एक और शिक्षिका, सहोगिनी मरांडी, ने कहा कि कुछ स्कूलों में सरकार द्वारा सेनिटरी पैड्स और भस्मक उपलब्ध कराए गए हैं, जहां सेनिटरी पैडस के लिए प्रति छात्रा पांच रुपए का भुगतान करना होता है। लेकिन वो भी, आर्थिक रूप से कमजोर घरों से आने वाली, कई छात्राओं के लिए बहुत भारी धनराशि है। इस कारण स्कूलों व छात्रावासों में रहने वाली सभी लड़कियों को सरकार द्वारा निशुल्क सेनिटरी पैडस प्रदान किए गए हैं।

हालांकि उपयोग किए गए पैड्स का उचित निस्तारण अभी भी प्रमुख समस्या है। एक उदाहरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, " हालांकि मेरे स्कूल में 400 लड़कियां हैं, मगर वहां सिर्फ एक भस्मक मशीन है, जिसमें पैड्स को जला दिया जाता है। ऐसी स्थिति में, कई लड़कियां स्कूल शौचालय के करीब अस्थायी भस्मक के पास जाती है और पैड् को जलाती हैं। उससे उत्पन्न होने वाला धुआं वातावरण के लिए खतरनाक है। "

लेकिन यही एकमात्र कारण नहीं है कि सेनिटरी नैप्किंस क्यों प्रदूषण का कारण बन सकते हैं। जेंडर समन्वयक, मिनी तुडू, ने कहा कि देश में प्लास्टिक पर प्रतिबंध लग गया है। लेकिन अनेक कंपनियां, जो सेनिटरी नैप्किंस बनाती हैं, अभी इसके निर्माण में प्लास्टिक का उपयोग कर रही हैं, जिसके कारण प्रदूषण बढ़ता है जब इसे जलाया जाता है। उन्होंने अपनी बात में जोड़ा कि सरकार का इस ओर तत्काल ध्यान देने और यह सुनिश्चित करने के बेहतर विकल्प तलाशने की जरूरत है कि महिलाएं इन पैड्स का उपयोग करते समय किन्हीं संक्रमणों का शिकार न हों। सेनिटेशन समस्या के अलावा, यह पर्यावरण के लिए समस्या भी पैदा करता है।

बिजली आपूर्ति न होना भी एक कारण है जिसके कारण पैड्स को खुले में जलाया जाता है। भस्मक यंत्र को बिजली आपूर्ति की जरूरत होती है और अनेक स्कूलों के पास पर्याप्त व निरंतर बिजली आपूर्ति नहीं होती है, जिसके कारण इस मशीन का मूल उद्देश्य निरस्त हो जाता है। चिंताका का प्रमुख बिन्दू यह भी है कि झारखंड जैसे आदिवासी क्षेत्रों की महिलाएं सेनिटरी पैडस का उपयोग नहीं करती हैं। इसके स्थान पर वे परंपरानुसार सादा कपड़े का उपयोग करती हैं। 2016 में टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान द्वारा कराए गए अध्ययन के अनुसार, जिसमें समूचे देश में 97000 लड़कियों से साक्षात्कार किया गया था, इसमें दस लड़कियों में से आठ को उनकी माहवारी के दौरान धर्मस्थलों पर जाने से रोक दिया गया और दस में से छह भोजन को छूने की मनाही कर दी गयी, उन पर इस अवधि में रसोई में प्रवेश पर पाबंदी लगाई गई। कुछ क्षेत्रों में, माहवारी के दौरान, लड़कियों को घर के कोने में अलग कमरों में रखा गया।

आश्चर्यजनक बात तो यह कि अनेक लड़कियों को माहवारी से संबंधित स्वच्छता के बारे में जानकारी नहीं थी। यह घर में बुजुर्ग महिलाओं व मां की जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वो उन्हें माहवारी व अन्य शारीरिक बदलावों के बारे में जागरुक करें। उचित जानकारी न होने पर, पहली बार माहवारी का अनुभव होने पर लड़कियां भ्रमित हो जाती हैं।

दुम्का सदर अस्पताल में कार्यरत महिला सलाहकार, सुनीता कुमारी ने कहा कि महिलाओं को माहवारी की अवधि के दौरान स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए क्योंकि इससे कमजोरी, चिड़चिड़ापन, व पेट दर्द होता है। उन्होंने महिलाओं को माहवारी के दौरान पानी अधिक पीने तथा तरबूज जैसे फल खाने की सलाह दी। ये फल लाभकारी होते हैं। फल व दूध की मात्रा बढ़ा दी जानी चाहिए। उन्होंने पालक खाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया क्योंकि इसमें अच्छी मात्रा में आयरन होता है जो खून की कमी पूरी करता है। पौष्टाहार विशेषज्ञा निरुपमा सिंह ने कहा, "माहवारी के दौरान, महिलाओं को केला भी अधिक खाना चाहिए क्योंकि इसमें पोटेशियम और विटामिन बी की अधिक मात्रा होती है। इससे शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य में सहायता मिलती है। इन दिनों में महिलाएं कम खाना खाती हैं। जिसके कारण थकान, मानसिक आवेग व शरीर में टूटन होने लगती है।" माहवारी पर चुप रहना न केवल महिलाओं के लिए घातक है बल्कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण में बाधक भी है। जब लड़कियां किशोरावस्था में प्रवेश करती है, तो उनके लिए उन बदलावों को समझना बहुत आवश्यक है जो शारीरिक बदलावों के रूप में हो रहे होते हैं और जो युवा मनों के मानसिक स्वास्थ्य को सीधे प्रभावित करते हैं।

इस हफ्ते आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

सप्ताह आपके लिए अच्छा दिखता है। आपका स्वास्थ्य बेहतर होने की संभावना है। आप मस्त व सकारात्मक मन: स्थिति में रहेंगे। आम तौर पर, आप स्वास्थ्य के प्रति बहुत सजग हैं व अपने स्वास्थ्य की देखभाल में काफी समय बिताते हैं। करियर स्तर पर, आप नए विचारों से चमक रहे हैं। आपका उत्पादक स्तर बहुत ऊंचा रहेगा और आपके लिए अत्यंत लाभकारी रहेगा। पारिवारिक संबंधों में प्रगाढ़ता आ रही है।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** मैरुन **शुभ दिन:** बुधवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

आपको बदलती स्थिति के अनुसार अपनी दिनचर्या में कुछ त्वरित बदलाव लाने की जरूरत है और आपको अपनी वर्तमान स्थिति की आवश्यकता की पूर्ति करनी होगी। गर्भवती मांओं को भावी तनावमुक्त समय के प्रति अपने संदेह दूर करने के लिए मेडिकल जांच कराने की जरूरत पड़ सकती है। खुद के प्रति ईमानदार हों और विचार करें कि कौन सा सर्वोत्तम कदम उठाना चाहिए। करियर मोर्चे पर अपनी योग्यताएं तराशें।

शुभ अंक: 7 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** सोमवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

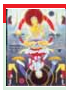

तनाव से स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। खुराक, व्यायाम व नीदं पर ध्यान दें। सकारात्मक रहें। एकांत आप ज्ञान व गहराई हासिल करेंगे। जीवन के अर्थ की खोज में आप नयी विश्वास पद्धति तलाश सकते हैं। करियर मोर्चे पर, आप इस सप्ताह सहकर्मियों, मित्रों व अधिकारियों के साथ सौहार्द्रपूर्ण संबंध साझा करेंगे। जो लोग व्यापार में हैं उनके लिए अपेक्षित बदलाव लाने का यह अच्छा समय है। अच्छे श्रोता बनें।

शुभ अंक: 2 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** शुक्रवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

आप उन खास बुरी आदतों पर लगाम लगाएंगे जिनका आप शिकार रहे हैं। कुछ बेचैनी की अपेक्षा करें क्योंकि आप यह बदलाव लाते हैं। शारीरिक व्यायाम महत्वपूर्ण है, लेकिन इस अत्यधिक न करें। आपको कुछ आध्यात्मिक सत्य प्राप्त होंगे, जो अकाट्य हैं, और आपके लिए लाभकारी हैं। पेशेवर रूप में, आप नए पद या नयी प्रकार की जिम्मेवारियों के लिए बढ़ सकते हैं। आप आशावादी, अद्यतन व भविष्य के प्रति आशावादी होंगे।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** लाल **शुभ दिन:** शनिवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

वर्तमान में रहना व अपनी सेहत की पुकार सुनना अच्छा स्वास्थ्य बने रहने की पहली शर्त है। लालसाएं, भ्रम, अव्यवस्था पथभ्रष्ट करेंगे। आप अति उत्साहित हैं और इस ऊर्जा चेतावनियां लेकर चलती है जिन पर आपको ध्यान देने की जरूरत है। करियर मोर्चे पर, आपके पास अपने लक्ष्य प्राप्ति के सभी साधन व योग्यता हैं। कार्यस्थल पर नया संपर्क इस सप्ताह आपके पक्ष में साबित हो सकता है। बेरोजगारों को जल्द रोजगार मिलने वाला है।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** गुरुवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

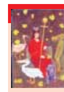

इस सप्ताह आप उत्तम स्वास्थ्य में होंगे। यह आपके लिए शांति, आनंद व समृद्धि तथा अपनी आध्यात्मिक प्रगति को गहराई देने का समय होगा। इन सदभावनाओं का आनंद लें और इन्हें अपने ढंग से अपने मित्रों व प्रियजनों के बीच साझा करें। करियर मोर्चे पर, यदि आप नौकरी ढूंढ़ रहे हैं तो आपको नए पद पर काम मिलेगा जो आपकी योग्यताओं को जांचता है और चलन में है। आपमें चुनौतियों से जूझने का ज्ञान, क्षमता व प्रेरणा है।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग** पीला **शुभ दिन:** रविवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

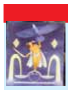

थकाऊ कार्य दिनचर्या व रोजमर्रा चुनौतियां आपके स्वास्थ्य को हानि पहुंचा सकते हैं। स्वयं के लिए समय निकालें। आपको अपने पेशेवर व निजी जीवन में संतुलन लाने की आवश्यकता है। जीवन की तीव्र गति को मात देने के लिए समय प्रबंधन व अनुशासन पहली शर्त है। पेशेवर रूप में, तनाव, बेचैनी व भय आपकी क्षमता को गिरा सकते हैं। अपने वित्तीय दस्तावेजों को अद्यतन रखें। इस सप्ताह आपसे पूछताछ या सवाल पूछे जा सकते हैं।

शुभ अंक: 16 **शुभ रंग :** नारंगी **शुभ दिन:** मंगलवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

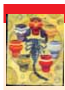

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा व मूड अच्छा रहेगा। आपकी दृढ़ता व इच्छा शक्ति आपको शक्ति प्रदान करेंगे व आपको सही दिशा में रखेंगे जहां आप एक अनुशासित जीवन जी सकते हैं। शराब, जंकफूट व मसालेदार भोजन से बचें। दैनिक व्यायाम, सुबह टहलना व योजनाबद्ध खुराक आपके लिए अनोखा काम करेंगे। करियर स्तर पर, यह पुरस्कृत करने वाला सप्ताह है। आप अपनी क्षमता स्थापित करेंगे।

शुभ अंक: 5 **शुभ रंग:** इंडिगो **शुभ दिन:** शनिवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

इस सप्ताह आप ऊर्जावान व कार्य तत्पर रहेंगे। अच्छी खबर मिलने वाली हैं। जब आपकी सकारात्मक आत्मछवि है, आप अपने स्वास्थ्य को महत्व व सम्मान देते हैं। एक स्वस्थ व संतुलित जीवनशैली जीवन जीने को लेकर आप अच्छा महसूस करेंगे। पेशेवर मोर्चे पर, अब आत्मनिर्भर होने का समय है। अच्छी तरह से अपनी तैयारी करें। आपके पास संसाधन हैं और आप अपने काम को बेहतर कर सकते हैं।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** सोमवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

इस सप्ताह चीजें अच्छी होने वाली हैं। आप लोगों से प्यार, खयाल व संतुष्ट महसूस होंगे। अच्छे स्वास्थ्य का सुख लेने का यह अच्छा समय है। जीवन में हवा, पानी, धरती, आकाश व अग्नि के पंचतत्वों का संतुलन जीवन को अर्थपूर्ण बनाएगा। आप अनेक लोगों के प्रेरणादायी व प्रेरक बनने वाले हैं। निरंतर व्यस्त रखने वाली थकाऊ दिनचर्या के बाद, आपको उचित आराम व सुकून की आवश्यकता है।

शुभ अंक : 20 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** शुक्रवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

जो लोग शारीरिक समस्याओं से ग्रसित हैं, याद रखें कि चीजें हमेशा आज वही नहीं रहती हैं जैसी कि आज हैं। खुराक, व्यायाम व आराम के समय पर ध्यान दें। करियर स्तर पर, यह समय है जब अनेक परियोजनाएं साकार हैं, खासतौर पर वे, जो आपके लिए लाभकारी हैं। व्यापारिक सौदे फलदायी होंगे। अगर आप नौकरी या व्यवसाय करते हैं तो लोग आपके काम का मूल्यांकन करेंगे और अपने नजरिए व उत्पादों को स्वीकारेंगे।

शुभ अंक: 3 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** गुरुवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

यह आपके भावनात्मक तथा शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा सप्ताह है। चीजों के प्रति आपकी सकारात्मक सोच बहुत मददगार होगी। जो जांच नतीजों की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जानते हैं कि खबरें अच्छी होंगी। आप अपनी आध्यात्मिक खोज में नए दायरों में प्रवेश करने जा रहे हैं। करियर स्तर पर यह अच्छा सप्ताह है और आप अपने व्यक्तित्व व समझदारी से अपने सभी लक्ष्य हासिल करेंगे। निवेश के लिए यह समय अच्छा नहीं है।

शुभ अंक: 9 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** रविवार

कूटनीति महत्व रख सकती है और रखेगी, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में नगण्य ही अपरिहार्य है
- रिचर्ड एन हास

इसे आसान न बनाएं

ग़ज़ल अलग़ कहती हैं कि मोबाइल फोन के बजाय, माता पिता को अपने बच्चों को व्यस्त रखने के अन्य तरीके चुनने चाहिए, जिनमें उन्हें पार्क में ले जाने से लेकर किताबों को छूना और महसूस करने जैसे तरीके आजमाए जा सकते हैं

आज के समय में परवरिश की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है बच्चों को निरंतर बदलते डिजिटल परिदृश्य में बड़ा करना और सबसे महत्वपूर्ण रूप में, आनलाइन दुनिया में उन्हें सुरक्षित रखना। हालांकि इंटरनेट की उपलब्धता को नियमबद्ध करने से स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए बहुआयामी लाभ हो सकते हैं, मगर उसके साथ अनेक खतरे भी जुड़े होते हैं।

तकनीकी उन्नति एक दोधारी तलवार है, यदि इसका उचित ढंग से उपयोग किया जाता है, तो यह बच्चों के लिए ज्ञान की समूची नयी दुनिया के द्वार खोल सकती है। लेकिन हमें समझदार होने की आवश्यकता है क्योंकि विश्वस्तरीय वेब पर बहुत सारी अनुपयुक्त सामग्री होती है। न केवल वह, बल्कि किशोरों में डिजीटल लत भी बढ़ रही है क्योंकि सोशल नेटवर्किंग साइटें उन्हें 'स्क्रीन जुंकीज' में बदल रही हैं।

शुरू से शुरुआत

ऐसे बच्चे हैं जो फोन की स्क्रीन देखे बिना खाना नहीं खाते हैं। इसका कौन दोषी है? माता पिता। वे शुरू में मोबाइल फोन से खेलने की अनुमति देते हैं और बाद में अपने बच्चों की, बड़े होने के दौरान, मोबाइल स्क्रीन की लत पड़ने की शिकायत करते हैं।

इसलिए, यह लाजिमी है कि शुरू से शुरुआत करें। जो चीज अंजाने में खिलाने या बच्चे के मनोरंजन के एक आसान तरीके के रूप में शुरू होती है- जब माता पिता काम करने, खाने पीने या अन्य जिम्मेदारियां निभाने में व्यस्त रहते हैं- उनके स्वास्थ्य विकास के लिए हानिकारक हो सकती है। उन्हें व्यस्त रखने के अनेक अन्य तरीके हैं, मसलन किताबों को छूने व महसूस करने से लेकर बच्चों को पार्क में घुमाने ले जाने तक।

मिसाल बनें और भागीदारी करें

जब आप खुद सोशल नेटवर्किंग साइट देखने में व्यस्त हों तो आप बच्चों से किताब पढ़ने की अपेक्षा नहीं कर सकते। शुरुआती उम्र से उनके लिए उचित उदाहरण पेश करें। जब वे थोड़ा बड़े हो जाएं तो सोते समय कहानियां सुनाकर उनमें किताबों के प्रति रुचियां जागृत करें। थोड़ा और बड़ा होने पर, उम्र के अनुकूल मनोरंजक वीडियो देखने में कोई नुकसान नहीं है लेकिन माता पिता के लिए महत्वपूर्ण बात यह है कि वे उस प्रक्रिया में शामिल हों। वे उनके साथ वीडियो सामग्री को देखें, उनसे चर्चा करें कि वीडियों में उन्होंने क्या देखा और उससे क्या शिक्षा हासिल की।

यदि आप शुरुआत से बच्चों के आनलाइन किए जाने वाले काम में खुद को शामिल रखते हैं, वे इस प्रक्रिया को, अपनी बढ़ती उम्र के दौरान, सामान्य बात के रूप में देखेंगे।

नजर रखें

उन बड़े बच्चों की, जो जानते हैं कि स्वयं इंटरनेट तक कैसे पहुंचना है, निगरानी करना अत्यावश्यक है। घर पर वेबसाइटों पर पेरेंटल कंट्रोल इंस्टाल करें, ताकि उनका अनुचित सामग्री से सामना न हो। इसके अलावा, आश्वस्त होने के लिए अपने बच्चे व उनके दोस्तों दोनों के साथ एक भरोसेमंद रिश्ता स्थापित करें ताकि वे लगातार अपने समक्ष उपस्थिति वाली प्रत्येक अनुचित स्थितियों के बारे में आपको बताते रहें। भरोसा स्थापित करने के लिए अपने बच्चे का दोस्त बनने का प्रयास करें ताकि वे हर बात आपसे साझा कर सकेंगे।

खुल कर बहस करें

अपनी अपेक्षाएं स्पष्ट करें कि आप उनसे आनलाइन कैसा आचरण चाहते हैं। आनलाइन दुनिया आफलाइन दुनिया से बिलकुल भिन्न नहीं है अगर सुरक्षित होने की बात करें। उन्हें अजनबियों से बात नहीं करनी चाहिए और उन्हें अपना पता या फोन नंबर जैसी कोई भी निजी जानकारी नहीं प्रदान करनी चाहिए। वे कहीं भी जाते हों, हर बार अपनी लोकेशन पोस्ट करने से मना करें। बच्चे अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त कर देते हैं। यदि वे किसी कठिन समय से गुजर रहे हैं और उसके बारे में आपको बताने में झिझकते हैं, तो उन्हें सोशल मीडिया पर भी उसके बारे में बताने से मना करना चाहिए। उनसे बातचीत करें कि कैसे इससे वे साइबर गुंडई का शिकार हो सकते हैं।

स्क्रीन टाईम को सीमित करें

वो अवधि सुनिश्चित करें जब पूरा परिवार को थोड़ा टीवी देखने की अनुमति हो और पारिवारिक भोजन के दौरान फोन के उपयोग पर पाबंदी हो। वो स्थान भी निर्धारित करें कि कहां बच्चों को इंटरनेट का उपयोग करने की छूट है, लिविंग रूम जैसे खुले स्थान इसके लिए सर्वोत्तम हैं। बच्चों को अपने बेडरूम में अकेले इंटरनेट का इस्तेमाल कभी न करने दें। अपने बच्चों के ब्राऊजर इतिहास तथा देखी जाने वाली सामग्री पर नियमित नजर रखें।

- लेखिका ममाअर्थ की सहसंस्थापक हैं।

प्रकृति पर दोष क्यों?

राजयोगी ब्रम्हकुमार निकुंज जी कहते हैं कि उथल पुथल आम बात हो रही है क्योंकि इंसानों से उन शिक्षाओं को नजरंदाज किया है जो प्रकृति को सिखानी होती हैं

पिछले कुछ सालों से, हमने दुनिया के कई हिस्सों में बवडंरों, तूफानों, भूकंपों व बाढ़ की अनेक प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया है। हाल में आई 'क्यार' और 'माहा' नामक दो तूफान आए जो अरब सागर से उठे थे। मौसम पूर्वानुमान संस्था, स्काईमेट,भारत के अनुसार, साल में पिछले रिकार्ड से कहीं अधिक संख्या में अनेक उष्णकटिबंधीय तूफानों के आने की भविष्यवाणी की है। एक और उदाहरण है बुलबुल तूफान, जो बंगाल की खाड़ी से उठा और जिसने शनिवार को आंध्रप्रदेश और उड़ीसा में भी अपनी तीखी दस्तक दी। यह सातवां तूफान है जिसने 2019 में भारत के तटों पर हमला किया है।

संदेश सीधा और स्पष्ट है- प्रकृति माता अब बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है। यह भविष्यवाणी कि जलवायु परिवर्तन एक दिन मानव सभ्यता को विनाश की ओर ले जाएगा, वास्तविकता बन रही है। भारत के विभिन्न हिस्से भंयकर बारिश के गवाह बन रहे हैं और अनेक हिस्से ऐसे भी हैं जो भयंकर सूखे से जूझ रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इन क्षेत्रों में जल संकट मानसून विफलता के कारण है, फिर कोई इंकार नहीं कर सकता कि यह स्थिति इंसान के अपने कर्मों के कारण उत्पन्न हुई है। समूचे विश्व में स्थिति इतनी खराब हो रही है कि केवल एक विचार हर व्यक्ति के मन में आता है- क्या ऐसा कुछ नहीं है जो हम प्राकृतिक कोप के खिलाफ कर सकते हैं? क्या यह प्रश्न सचमुच उत्तर चाहता है? वो बिन्दु , जिस पर हम ध्यान नहीं दे रहे हैं, है प्रकृति के कोप के मूल कारण की पड़ताल करने की आवश्यकता। ऐसा क्यों है कि प्रकृति माता जिसने सदियों से अपनी नेमतों के जरिए जीवन का पोषण किया है, ऐसी आक्रामकता के साथ विद्रोह करने के मजबूर हुई? सदभावपूर्ण इंसान-प्रकृति संबंध को क्या हो गया है? सच्चाई यह है कि लोभ, क्रोध, लालच, मोह व अहंकार से अंधे लोग विकास की पागल दौड़ में बदल गए। उन्होंने बगैर किसी उदारता का प्रदर्शन किए या वापसी में कुछ दिए बिना निर्ममतापूर्वक प्रकृति का दोहन किया। देशों ने उन चीजों पर दावा पेश किया जो मुफ्त में उपलब्ध हैं और दूसरों से उससे वंचित किया। उन्होंने अपनी अदूरदर्शिता के कारण इन स्रोतों को खाली कर दिया। वर्तमान सभ्यता प्रकृति के सम्मान के बजाय संसाधनों के दोहन व जमाखोरी पर आधारित है। सदियों पहले ऐसी बात नहीं थी।

दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने बार बार इंगित किया है कि ग्लोबल वार्मिंग उन मानव निर्मित तबाहियों का परिणाम है जिन्हें अपूरणीय गति से अंजाम दिया गया है। और यदि इन्हें अचानक बंद भी कर दिया गया तो भी वैश्विक तापमान कम से कम दो डिग्री तक बढ़ेगा। इस चेतावनी के बावजूद, विकसित व विकासशील देश दोनों पहले उत्सर्जन कम करने के कानून पर हस्ताक्षर करने के लिए एक दूसरे की प्रतीक्षा करते हैं, इस भय से कि वे प्रगति या कब्जा करने की दौड़ में पिछड़ जाएंगे। और लालच, अहंकार और भय के इस खेल में, हर देश हर रोज लगातार तबाही की ओर बढ़ता जा रहा है। जब तक हम अपनी प्रगति प्रक्रिया का आधार को जांचते-बदलते नहीं हैं, व प्रकृति के नियमों के सम्मान में अपनी जीवन शैली को ढालते नहीं हैं, हम सुनिश्चित नहीं हो सकते कि प्रकृति अधिक प्रचंड रूप में हमले करना जारी रखेगी । और वह दिन दूर नहीं जब हर चीज, जबकि हम अनमोल मानव जीवन को खतरे में डाल रहे हैं, कहीं मलबे में बिखर सकती है। हमारे पुरखे मानते थे कि व्यक्ति का शरीर , जिसने प्रकृति के पांच तत्वों से प्रदर्शित शिक्षाओं को आत्मसात किया है, प्रकृति के कोप से कभी दुखी नहीं हो सकता। यह इसलिए है क्योंकि प्राकृतिक पर्यावरण हमारी आंतरिक प्रकृति का विस्तार है और प्राकृतिक पर्यावरण में खलल अंततोगत्वा प्रकृति के कोप को जन्म देती है। प्राकृतिक आपदाएं व उथल पुथल आम हो रहे हैं क्योंकि प्रकृति के साधनो का दुरुपयोग के साथ इंसानों ने अन्य शिक्षाओं को नजरंदाज किया है जो प्रकृति को इन्हें सीखाना होगा। इसलिए हमें जिस बात को समझने की जरूरत है, वो यह कि इंसान प्रकृति की उदारता के जितना करीब होता है, प्रकृति उतना ही अधिक कृमालु हो जाती है।

पेज एक का शेष

मैं प्रतियोगिता पर ध्यान नहीं देता हूं

मैं बस यही सुनिश्चित करता हूं कि जो मैं रच रहा हूं, वह मौलिक है और श्रोताओं की पसंद के अनुसार है। क्योंकि आखिरकार श्रोता ही राजा है।''

वीडियोज बनाना इतना आसान नहीं है जितना कि यह होता दिखता है। इसमें उचित विचार व तकनीक की जरूरत होती है।

छाबड़ा, जो अपने मोबाइल पर वीडियोज शूट करना पसंद करते हैं, कहते हैं, ''इन वीडियोजन के पीछे एक लंबी प्रक्रिया होती है। सभी लोग जो देखते हैं वो तो अंतिम रूप से तैयार उत्पाद है लेकिन बहुत कुछ और भी है जो इसे बनाने में पीछे छूट जाता है। पहला, मैं विचार लेकर आता हूं। दो प्रकार के वीडियोज होते हैं जो सोशल मीडिया पर काम करते हैं- हास्य या भावनात्मक। दोनों या दोनों में से कोई एक तत्व वीडियो में होना चाहिए वर्ना वीडियो कामयाबी प्राप्त नहीं करेगा। साथ ही मैं वीडियो के अंत में कोई बदलाव या कुछ अतिरिक्त जोड़ना पसंद करता हूं ताकि यह और भी प्रभावी हो जाए और इसे लोगों की भीड़ से अलग दिखाया जा सके। दूसरा, मैं शूट के स्थान का फैसला करता हूं। तीसरा, शूटिंग के बाद शूट को पोस्ट प्रोडक शन चरण में भेजा जाता है, जहां हम वीडियो को संपादित करते हैं।''

आप जो अपने मोबाइल पर वीडियोज शूट करना पसंद करते हैं। छाबड़ा मानते हैं कि अच्छा काम प्रोड्यूस करने के लिए, माहौल बहुत हल्का बनाना होता है। ''मुझे ऐसे वातावरण में काम करना पसंद है जहां आपको केवल काम ही काम नहीं करना होता है। हम हंसते हैं और सीन के पीछे खूब सारी मस्ती होती है और ऐसा महसूस नहीं होता है कि सिर्फ काम ही कर रहे हैं, बल्कि यह हमारे लिए सृजनात्मक गतिविधि से बढ़कर है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं होता कि हम इस पर एकाग्र नहीं होते हैं, हम पूरी एकाग्रता के साथ काम करते हैं।''

इसमें संदेह नहीं कि छाबड़ा के अधिकांश महिला प्रशंसक हैं, न केवल उनकी खूबसूरती के नाते बल्कि उनकी सुमधुर आवाज के कारण भी। छाबड़ा कहते हैं, ''हां, मेरे बहुत सारे महिला प्रशंसक हैं लेकिन अब यह बदल रहा है।''

उन लोगों के लिए एक छोटी सी सलाह जिन्होंने हाल में वीडियो बनाना शुरू किया है या वे ऐसे लोग हैं जो इस दिशा में एक कोशिश करना चाहते हैं।

बकौल छाबड़ा, ''हमेशा स्वयं अपने आलोचक बनें। अपने सभी वीडियोज की तुलना करें और देखें कि आपके लिए क्या कारगर था और क्या नहीं। उसके अनुसार कथ्य को बदलें व संशोधित करें। गुणवत्तापूर्ण वीडियो बनाने की कोशिश करें, मात्रा के पीछे मत दौड़ें। उन लोगों के लिए, जो इस क्षेत्र में नए हैं, उन्हें कुछ अतिरिक्त प्रयास करने की तैयारी करनी पड़ेगी क्योंकि वीडियो बनाने वाले लोगों की एक समूची जमात है और आपको अपने भीतर कुछ अतिरिक्त चमक पैदा करनी होगी।''

तीन तिगड़ी कारगर है

अब जबकि तिकड़ी सोशल मीडिया पर नाम कमा रही है, वे सभी सुनिश्चित करते हैं कि वे एक साथ वीडियोज बनाएं। सूद कहती हैं, ''हम सुनिश्चित करते हैं कि हम, सारे नहीं तो कम से कम, अपने कुछ वीडियोज एक साथ बना रहे हैं क्योंकि यह हमारा यूएसपी बन गया है और हमें इसके लिए समय निकालना ही पड़ता है।'' सूद इशारा करती हैं कि ग्रुप के लिए भविष्य में काफी कुछ है क्योंकि वे जल्द विभिन्न परियोजनाओं के साथ आ रहे हैं।

सूद के पास साझा करने के लिए सफलता मंत्र है। ''जब आप कुछ इस तरह के वीडियो बनाना शुरू करते हैं जो प्रचलन में हैं लेकिन वे इसका कुछ तेवर बदलते हैं या उसमें कुछ नया जोड़ते हैं, कुछ इस तरह से वीडियो वायरल होता है। आपको फैशन के अनुसार चलना होता है लेकिन साथ ही साथ भीड़ से अलग भी दिखना होता है।''

वह बताती हैं कि उनका अपना कोई भी पसंदीदा वीडियो नहीं होता हे क्योंकि सारे वीडियोज में उतनी ही मेहनत की जरूरत होती है और ऐसे में किसी एक को चुनना या उनमें अंतर करना बहुत कठिन हो जाता है। सूद कहती हैं, ''प्रत्येक वीडियो में, मेरी टीम और मैंने बराबर मात्रा में मेहनती की होती है। हम अपेक्षित नतीजा हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं और यह मेरे लिए किसी एक वीडियो को सबसे पसंदीदा के रूप में बताना कठिन बना देता है।''

सोशल मीडिया को प्रभावित करने वाला बनने का एक सियाह पक्ष यह है कि आपको उस सामग्री का जवाबदेह बनना पड़ता है जिसे आप सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे हैं। गलतियों के लिए कोई जगह नहीं होती है। ''किसी वीडियो को अपलोड करने से पहले, मैं कम से कम 15-16 बार अपने वीडियोज की गहराई से जांच करती हूं ताकि उसमें ऐसा कुछ भी न हो जो दूसरों की भावनाओं को आहत कर रहा हो। अपलोड करने से पहले मैं अपनी मां से भी अपने सारे वीडियोज जांचने के लिए कहती हूं कि कहीं मुझसे कोई गलती तो नहीं हो रही है। इसमें सभी कथ्यों पर नजर रखने के लिए चील की निगाह रखनी पड़ती है। और तब और भी ज्यादा, जब आप एक लड़की हो।''

सूद भविष्य में क्या देख रही है, वो केवल समय ही बताएगा। लेकिन तिकड़ी की कमेस्ट्री को दिमाग में रखकर छोटे पर्दे पर उन्हें देखना या उस संदर्भ में किसी डिजीटल मंच पर उन्हें देखना निश्चित रूप से एक दिलचस्प नजारा बनेगा। सोशल मीडिया का बढ़ता चलन केवल तीन तिगाड़ा के लिए संभावना ही बढ़ाता है।

भारतीय भोजन का जवाब नहीं

शेफ लता टंडन, जिन्होंने हाल में सबसे लंबी मैराथन कुकिंग का गिनीज रिकार्ड बनाया है, भारत के कम विख्यात इलाकों की पाक-कला की खोज करना चाहती हैं। टीमवीवा की रिपोर्ट

यह लगभग असंभव व थकाऊ लगता है जब कोई एक ही बार में 87 घंटे और 45 मिनट तक लगातार खाना बनाने की कल्पना करना शुरू करता है। आप अपने अनुभव तथा समूची यात्रा का कैसे वर्णन करेंगी?

यह हंगामाखेज थी मगर साथ ही साथ मेरे लिए एक प्रेरणादायी अनुभव भी था। मुझे हर घंटे केवल पांच मिनट के अवकाश की अनुमति थी और कुकिंग मैराथन के बीच मेरे शारीरिक अंग भारी और दुख रहे थे। मुझे याद है, एक समय के उपरांत मैं बेइंतिहा थक चुकी थी लेकिन मेरी हिम्मत ने मुझे निरंतर चलाए रखा।

मेरी इस यात्रा में, योग व ध्यान ने इस प्रक्रिया के लिए तैयार होने में मेरी काफी सहायता की। मैंने एक सक्रिया जीवनशैली भी जी है और नियमित रूप से व्यायाम किया है, जिससे मेरा शरीर इतने लंबे समय के लिए खुद को तैयार करने में सक्षम हुआ था। यह सिर्फ शारीरिक मामला नहीं था बल्कि मेरे लिए भावनात्मक प्रेरणा वाला अनुभव भी था। मुझे अपने परिवार, दोस्तों व हर उस व्यक्ति से प्यार व सहयोग मिला जो कार्यक्रम में आया और मुझे प्रोत्साहित किया और फिनिश लाइन पार करने में मेरी सहायता की।

20000 लोगों के लिए खाना बनाना और साथ ही साथ भोजन की सही रंगत को बरकरार कितना चुनौतीपूर्ण था?

किसी भी शेफ के लिए ज्यादा लोगों के लिए खाना बनाना हमेशा चुनौतीपूर्ण काम होता है। कई कारकों को ध्यान में रखना पड़ता है, चाहे वह उचित तत्वों का चुनाव करना हो, उनका पहले से अनुपात निर्धारित करना हो व रंगत को बरकरार रखने के लिए उचित मसालों का मापन करना हो। यह एक भारी भरकम कार्य है। आऊटडोर कुक में, व्यक्ति को उचित स्वच्छता मानक बनाए रखने ताकि खाना हानिकारक न होने पाएं, इसेके लिए अतिरिक्त सावधानियां भी बरतनी पड़ती हैं। और मुझे उपरोक्त सभी पक्षां पर काम करना पड़ा और सुनिश्चित भी करना पड़ा कि कोई भी भूखा न जाने पाए।

मेरा मकसद था उस पूरे अनुभव का उपयोग करूं जिसे मैंने बतौर पेशेवर शेफ के, सालों के प्रशिक्षण के दौरान हासिल किया है जिसने समूची प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया और मुझे गिनीज शर्तों के अनुसार अपना लक्ष्य प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया।

वडा पाव और सेंडविच बहुत आम व्यंजन हैं। आपने किसी विशेष पाककला के साथ प्रयोग क्यों नहीं किया?

क्योंकि यह इतना लंबा पकाना था, कि मुझे सोच समझ कर इसका मीनू बनाना था जो मुझे लंबी कुकिंग अवधि में टिके रहने व दबाव झेलने में सक्षम बनाए। पकाने में लगने वाली समूची समयावधि के लिए लगातार खड़े रहना किसी के लिए संभव नहीं है। मैंने पकाने में बड़ा पाव और सैंडविच जैसे कुछ साधारण विकल्पों को शामिल किया क्योंकि उन्होंने तैयारी अवधि के दौरान बैठने का अवसर प्रदान किया और मेरे पैरों को अत्यंत आवश्यक आराम प्रदान किया। मैंने अपने मीनू यह ध्यान में रखते हुए भी डिजाइन किया कि मुझे अकेले भारी मात्रा में भोजन तैयार करना था। अनेक तत्वों वाले जटिल व्यंजनों में अधिक श्रम और उन्हें बनाने के लिए अधिक घंटों की आवश्यकता पड़ती।

आपने लंदन में रेस्टोरेंट खोलने की योजना बनाई है जो भारत के कम विख्यात क्षेत्रों का भोजन खिलाएगा। क्या आप सोचती हैं कि भारतीय पाक कला कभी विश्व पसंद बनेगी?

भारतीय पाक कला को पहले से विश्व में लोकप्रियता प्राप्त है। हालांकि इन सालों में, एक आम गलत सोच निर्मित हुई है कि भारतीय भोजन सिर्फ सालन व मसाले हैं। मैं इस सोच को बदलना चाहती हूं। अपने नए उद्यम के जरिए, मैं भारत के कम विख्यात इलाकों को भोजन परोसना चाहती हूं वो भी कुछ इस तरह कि सभी को पसंद आए। भारतीय रसोई में जबरदस्त विविधता है और अभी काफी कुछ है जो लोगों के बीच लाया जाना चाहिए। मैं भारतीय भोजन के कम विख्यात इलाकों को खोजना चाहती हूं और अपने देश के सुदूर क्षेत्रीय व सीमांत पाककलाओं को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करना चाहती हूं।

भारत में मौजूदा भोजन संस्कृति के बारे में क्या कहना चाहती हैं?

दुखद कि इन वर्षों में, व्यस्त जीवनशैली के कारण, आज खाने की अवधारणा का अर्थ है अपने स्वाद को फास्टफूड को समर्पित कर देना। हर कोई त्वरित भोजन तलाश रहा है और इससे जुड़ी सुविधा यह कि यह आपके दरवाजे पर पहुंचाया जा रहा है जिसने इस गलत सोच को और अमली जामा पहना दिया है। हालांकि मैं लोगों के खाने की आदतों में स्वागतयोग्य बदलाव पर गौर करती हूं। इन दिनों युवा लोग प्रबंल खाद्य नैतिकता वाले स्थान पसंद करते हैं। वे जानना चाहते हैं कि उनका भोजन कैसे ताजा व आर्गेनिक है, उनका भोजन कहां से आ रहा है और वह स्थान उचित स्रोत वाला है या नहीं।

भोजन लोगों का पसंद का मामला है। कुछ लोग किसी व्यंजन को पसंद कर सकते हैं तो दूसरे नहीं। आप अपने भोजन की नकारात्मक आलोचना का कैसे सामना करती हैं?

मेरे लिए, भोजन कला की तरह है। हर कोई इसे समझेगा और अलग अलग ढंग से इससे जुड़ेगा। मैं हमेशा उन विचारों व सलाहों के लिए तैयार रहती हूं जो बतौर रसोइया मुझे उबरने में सहायता कर सकें। हालांकि, मैं कभी भी किसी आलोचना को वो दर्जा नहीं दूंगी कि वह पकाने की मेर असली शैली का मार्गदर्शन करने लगे। इसके बावजूद, आखिरकार मैं अपने व्यंजन पसंद करती हूं। मैं सभी सलाहों को चुटकी भर नमक के साथ लेती हूं।

यात्रा के दौरान आप कैसे अपने व्यंजनों को स्थानीय तत्वों के अनुरूप ढालती हैं?

मैं एक शौकीन पथिक हूं और प्रामाणिक तत्वों व विस्मृतप्राय: प्रविधियों को खोजना पसंद करती हूं। मैं स्थानीय मसालों, सब्जियों व पाक शैलियों से गहन प्रेरणा लेती हूं और मुझे प्रामाणिक भारतीय व्यंजनों के साथ स्थानीय तत्वों को मिलाना पसंद है।

एक व्यंजन जो मेरे दिल के बहुत करीब है, वो है प्रामाणिक विंध्य व्यंजन में रेड वाइन सॉस, इंडेरहर की सब्जी का फ्यूजन। एक और व्यंजन है विभिन्न प्रकार के भारतीय आटों का इस्तेमाल करना और चुकंदर और चाकलेट ब्राउनीज का एक स्वस्थ संस्करण तैयार करना । मैंने केरल स्ट्यू भी बनाया है जो मेपल वुड चिप्स के साथ भाप में पकाया जाता है।

समय के साथ आपका फूड लाजिक कैसैं विकसित हुआ? आपके प्रेरणास्त्रोत क्या हैं? इस संबंध में कोई किस्सा साझा कर सकती हैं?

मेरा बचपन भोजन के इर्दगिर्द घूमता था और उसने सचमुच मुझे रसोइया के मौजूद स्तर पर उभरने में सहायता की। मुझे याद है मैं अपने दादा के साथ स्थानीय सब्जियों व मीट बाजार में जाया करती थी और वे किस प्रकार उत्तम खाद्य पदार्थों को चुनने में अपनी इन्द्रियों पर भरोसा करना सिखाते थे। मुझे अपनी मां और अपने विस्तारित परिवार के जरिए विभिन्न प्रकार की भारतीय पाकशैलियों की जानकारी हासिल हुई। मेरी आंटी मेरे लिए सिंधी व्यंजन पकाती थीं और अपनी सास के कारण पंजाबी रसोई के प्रति मेरा लगाव विकसित हुआ। इन तमाम घटनाओं ने पहचान की प्रबल भावना विकसित करने में मेरी सहायता की और इसी की मैं कोशिश करती हूं और जो आज मेरी पकाने की विधि में नजर आती है।

(लेखिका इस श्रेणी में अंतर्राष्ट्रीय सम्मान पाने वाली पहली महिला है)

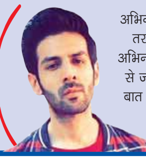

अभिनय और सेक्स रोटी और मक्खन की तरह हैं। आप या तो नहीं छोड़ सकते। अभिनय और सेक्स या प्यार मेरे लिए हाथ से जाता है। मुझे निजी जीवन के बारे में बात करना पसंद नहीं है लेकिन मुझे इसे छिपाना भी पसंद नहीं है।

- कार्तिक आर्यन

रोचक स्टोरीलाइन पर आधारित है शो

'मेरे डैड की दुल्हन'

अभिनेता अनूप बडोला और अभिनेत्री श्वेता तिवारी का कहना है कि उनक टीवी शो 'मेरे डैड की दुल्हन' दरअसल रूढिवादी सोच और फॉर्मूला आधारित कार्यक्रमों से हटकर गैर पारंपरिक कहानी पर आधारित है। प्रस्तुत है पायनियर संवाददाता आयुषी शर्मा की ये रिपोर्ट-

हाल ही में एक लड़की ने अपनी मां के लिए वर हेतु एक विज्ञापन निकाला था और ये सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो गया था। उस लड़की ने अपनी और मां की फोटो भी पोस्ट की थी और शीर्षक में लिखा था, 'लगभग 50 वर्ष के एक सजीले पुरुष की मेरी मां के वर हेतु आवश्यकता है, वो शाकाहारी, मद्यपान का आदी न हो और जीवन में भलीभांति स्थापित हो।' सामान्यतया माता-पिता ही बच्चों के लिए ऐसे विज्ञापन अखबारों में निकालते हैं और बच्चों को अपने माता-पिता हेतु ऐसा विज्ञापन पहली बार देखा गया। लेकिन सोनी इंटरटेनमेंट टेलिविजन ने हाल ही में अपना एक शो प्रारंभ किया है जिसका नाम है 'मेरे डैड की दुल्हन'। इसमें अभिनेता के रूप में वरुण बडोला और अभिनेत्री के तौर पर श्वेता तिवारी मुख्य कलाकार हैं। वे दोनों एक जोड़ी के रूप में पहली बार छोटे परदे पर दिखाई देंगे। इस शो में एक लड़की को अपने डैड के लिए दुल्हन तलाशते हुए दिखाया गया है। श्वेता का मानना है कि माता-पिता के रूप में आप अपना पार्टनर तलाशते हैं लेकिन अपने लिए ऐसे विकल्प की तलाश के कारण को बच्चों को समझाना कठिन कार्य है। वो बताती हैं, 'यदि आपने किसी व्यक्ति को स्वीकार भी कर लिया तो बच्चे भी उसे स्वीकार ही कर लेंगे, कहना कठिन है। यदि बच्चे किसी को चाहते हैं तो वे माता-पिता से उसे स्वीकार करने की अपेक्षा करते हैं लेकिन यदि ऐसा ही माता-पिता करें तो उन्हें क्यों उसे स्वीकार नहीं करना चाहिये। माता-पिता के संदर्भ में ऐसा क्यों नहीं हो सकता?

इस शो में एक पिता और बेटी को जीवन की आपाधापी के बीच संघर्ष करते हुए आगे बढ़ते दिखाया गया है। ये भी दिखाया गया है कि वे दोनों किस प्रकार एक दूसरे पर आवश्यक्ता से अधिक निर्भर हैं। अभी तक ऐसा किसी भी शो में नहीं दिखाया गया है कि एकल माता-पिता को भी एक आयु सीमा के बाद जीवन निर्वाह हेतु किसी साथी की आवश्यकता हो सकती है। इस शो की पूरी कहानी में इसी बात को रेखांकित करने का प्रयास किया गया है।

तो क्या शो की अवधारणा वास्तविक जीवन में भी उतनी ही सटीक बैठती है? क्या बच्चे अपने एकल माता या पिता के ऐसे निर्णयों का स्वागत कर सकते हैं? इस विषय में वरुण का कहना है कि मेट्रो नगरों में रह रहे युवाओं के बीच इसे व्यावहारिक माना जा सकता है। वे इसका समाधान निकालने हेतु अग्रसर हैं। ऐसा उनके बाहर उठने बैठने और काम करने के दौरान होने वाले अनुभवों के कारण ही हो सकता है। श्वेता बताती हैं, 'बी और सी श्रेणी के नगरों में ऐसा होने में अभी पर्याप्त समय लग सकता है। इस शो में भी कई ऐसे पड़ाव हैं जिन्हें देखकर आपको आनंद की अनुभूति होगी क्योंकि कहानी को काफी रोचक ढंग से प्रस्तुत करने का भरसक प्रयास किया गया है। कई ऐसी लड़किया हैं जो इस शो से जुड़ाव अनुभव करती हैं वे अपने पिता को ही मेरे चरित्र में देखते हैं। मेरा भी मानना है कि ऐसे जुड़ाव समाज में भी देखने को मिल सकते हैं। ऐसा भी नहीं संभव है कि हर बेटी अपने पिता के लिए साथी की तलाश में निकल पड़ेगी या निकलना चाहिये। लोग इस सीरियल की कहानी को अपने संदर्भ में किसी भी प्रकार से देख सकते हैं। हम इस बात की अनदेखी क्यों करें कि अच्छी कहानी तो आखिर एक अच्छी कहानी ही रहेगी।'

वरुण को ये शो इस लिये प्रिय था क्योंकि इसकी कहानी रोचक होने के साथ ही अनूठी भी थी। वो बताते हैं, 'इस बात से अधिक मैं इसेलिए भी इस शो को पसंद करता हूं क्योंकि ये एक प्रकार से टेलीविजन पर प्रस्तुत की जाने वाली कहानियों में आने वाले बदलाव का प्रणेता बन रहा है।' ये देखकर प्रसन्नता होती है कि हम अब युगों पुरानी रूढ़िवादी सोच से आगे निकल कर तथ्यपरक तथा गैरपारंपरिक कहानियों को प्रस्तुत करने की दिशा में अग्रसर हैं। आज हम नई और सकारात्मक सोच वाली कहानियों को को प्रस्तुत करने का साहस रखते हैं जो नई पीढ़ी की नई सोच को ही प्रतिबिंबित करती है।'

कहानी में उनका चरित्र अंबर शर्मा का है जो एक जिद्दी और सपाट बोलने वाला व्यक्ति है। वो किसी भी प्रकार के बदलाव नहीं चाहता और अपने पारंपरिक जीवन से संतुष्ट है। वो गैरसामाजिक होना पसंद करता है। वरुण बताते हैं, 'ये चरित्र मुझे मेरी सहज होने की सीमा को चुनौती देता है और ऐसा चरित्र हर अभिनेता के लिए अनुभव हासिल करने का एक अच्छा अवसर भी होता है। इस शो में एक ऐसी समस्या को संबोधित किया गया है जो समाज में निषिद्ध है। देर सबेर हमें इस समस्या का सामना करना ही होगा। लेकिन इतना मैं कह सकता हूं कि दर्शकों को एक नई कहानी देखने को मिलने वाली है।'

श्वेता इस कहानी को करने के लिए केवल इसके शीर्षक की रोचकता के कारण सहमत हुई थीं। वो बताती हैं, 'आजकल ऐसे टाइटल रखता ही कौन है? ये इतना सटीक है कि पूरी कहानी को समेट लेता है। शो की अवधारणा की पूरी व्याख्या इस शीर्षक से हो जाती है।' वो इसमें गुनीत सिक्का का चरित्र कर रही हैं जो एक 40 वर्षीय अकेली रहने वाली महिला हैं जो अपनी मां के साथ रहती है। उसने प्यार की तलाश ऑन-लाइन करने का प्रयास किया था लेकिन वो इसमें असफल रही। उसकी मां उसे सिंगल रहने के कारण बार बार टोकती है लेकिन वो अपने सिर पर छत होने और भरपेट भोजन मिलने से ही संतुष्टि पा लेती है। उसे ऐसा जीवन प्रिय है। उन्होंने 2001 में कसौटी जिंदगी के नामक शो किया था और उसके बाद उन्हें एक कठिनाईपूर्ण जीवन जीना पड़ा, और वो इससे इंकार भी नहीं करती हैं।

दुनिया की बातों का उनपर और उनका दुनिया पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ा है? के उत्तर में वो बताती हैं कि उन्हें किसी के बारे में राय कायम करने का कोई अधिकार नहीं है। वो इस बात की दूसरों से भी अपेक्षा करती हैं, ' वे मुझसे घृणा करते हैं या प्रेरित होते हैं, इस बात का मुझपर जरा भी असर नहीं होता। मैंने कुछ किसिंग सीन किये थे तो मुझे बताया गया कि मैं अच्छी बीबी नहीं हूं' लोग अपनी ऐसी मानसिकता अपने पास ही रखें। मेरे पास भी ऐसे लोगों के लिए प्रश्न हैं जो सवाल खड़े करते हैं कि शादी दूसरी बार कैसे असफल हो सकती है? गल्तियां एक से अधिक बार भी हो सकती है। कम से कम मेरे पास परिस्थितियों का सामना करने का साहस तो है। और आगे भी मैं तैयार हूं। मेरे लिए यही सबसे महत्वपूर्ण है।'

संजय लीला भंसाली की इस बड़ी फिल्म में साथ काम करेंगे रणबीर कपूर और आलिया भट्ट

खबरें है कि निर्देशक संजय लीला भंसाली ने रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए साइन कर लिया है। कहा जा कहा है फिल्म की शूटिंग भी जल्द शुरु हो सकती हैं।

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट बॉलीवुड की बेहतरीन जोड़ियों में से एक हैं। दोनों को कपल के तौर पर दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। फैंस चाहते हैं दोनों को एक साथ पर्दे पर देखना, सोशल मीडिया पर फैंस अपनी ऐसी ख्वाहिशें साझा करते रहते हैं। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की फिल्म ब्रह्मास्त्र 2020 के अंत में रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा अभी नहीं हुई है।

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के फैंस के लिए हम एक अच्छी खबर ये लेकर आये है कि दोनों रीयल कपल को ऑन स्क्रीन दिखने के लिए आपको लंबा इंतजार नहीं करना होगा क्योंकि दोनों को निर्देशक संजय लीला भंसाली ने अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए साइन कर लिया है। इस खबर की अभी पुष्टि नहीं हुई है लेकिन मुंबई गलियारों के सूत्रों का मानना है कि दोनों से निर्देशक की बात चल रही है और फिल्म की शूटिंग भी संजय लीला भंसाली जल्द ही शुरू करेंगे।

हाल ही में आलिया भट्ट संजय लीला भंसाली के ऑफिस के बाहर नजर आ आयी थी जहां उन्होंने अपने हाथ में फिल्म की स्क्रिप्ट पकड़ी हुई थी। अब ये स्क्रिप्ट फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी की थी या उनके संजय के साथ नये प्रोजेक्ट की। आपकों बता दें कि निर्देशक संजय लीला भंसाली आलिया भट्ट के साथ फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में काम कर रहे हैं। फिल्म में आलिया भट्ट मुख्य भूमिका निभाने जा रही हैं। यह फिल्म 11 सितंबर, 2020 को रिलीज होगी।

अक्षय ने भारतीय पासपोर्ट के लिए आवेदन किया

अक्षय कुमार का कहना है कि उन्होंने भारतीय पासपोर्ट के लिए आवेदन कर दिया है। वे शुक्रवार को हिंदुस्तान टाइम्स की लीडरशिप समिट में बता रहे थे कि जब कोई उनकी राष्ट्रीयता का सबूत मांगता है तो उन्हें बहुत तकलीफ होती है। बकौल अक्षय, अब मैंने भारतीय पासपोर्ट के लिए आवेदन कर दिया है। मैं भारतीय हूं और मुझे बहुत तकलीफ होती है कि हर बार मुझे इसे साबित करने के लिए कहा जाता है। मेरी पत्नी, मेरे बच्चे भारतीय हैं। मैं टैक्स यहां भरता हूं, मेरी जिंदगी यहां की है। अक्षय के पास कनाडा की नागरिकता है और इसके चलते अक्सर उनपर निशाना साधा जाता है। उन्होंने समिट के दौरान बताया कि आखिर कैसे उन्हें वहां की नागरिकता मिली। वे कहते हैं, एक वक्त था, जब मेरी एक के बाद एक 14 फ़िल्में फ्लॉप हुईं और मैं सोचने लगा कि अब क्या करूं? तब कनाडा में रह रहे मेरे एक करीबी दोस्त ने मुझे वहां आने साथ काम करने को कहा। मैंने कनाडा के पासपोर्ट के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी। क्योंकि मुझे लगने लगा था कि मेरा करियर खत्म हो गया है और मुझे अब यहां काम नहीं मिलेगा। लेकिन मेरी 15वीं फिल्म काम कर गई और फिर मैंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। मैंने अपना पासपोर्ट बदलने के बारे में कभी नहीं सोचा था।

करण जौहर के साथ जल्दी काम करेंगी दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण और करण जौहर की अच्छी दोस्ती है। दोनों काफी समय से चाहते थे कि साथ काम करें लेकिन करण के पास दीपिका पादुकोण जैसी एक्ट्रेस के हिसाब की कोई स्क्रिप्ट नहीं थी लेकिन अब ये इंतजार खत्म हो गया दोनों एक अच्छी स्क्रिप्ट के साथ काम करने जा रहे

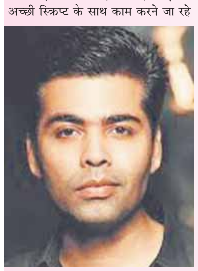

हैं। काफी दिनों से खबरें आ रही थी कि दीपिका पादुकोण फिल्म निर्माता करण जौहर के साथ जल्द ही काम करेंगी लेकिन अब इस खबर पर पक्की मुहर लग गयी है कि दीपिका पादुकोण करण जौहर के बैनर में बन रही फिल्म में नजर आएंगी। करण जौहर के बैनर में बन रही इस फिल्म का डायरेक्शन मशहूर डायरेक्टर शकुन बत्रा करने वाले हैं। डायरेक्टर शकुन बत्रा इंडस्ट्री का जाना माना चेहरा है इस फिल्म से पहले उन्होंने करण के प्रोडक्शन हाउस में बनी फिल्म कपूर एंड संस का निर्देशन किया था।

दीपिका पादुकोण और करण जौहर की अच्छी दोस्ती है। दोनों काफी समय से चाहते थे कि साथ काम करें लेकिन करण के पास दीपिका पादुकोण जैसी एक्ट्रेस के हिसाब की कोई स्क्रिप्ट नहीं थी लेकिन अब ये इंतजार खत्म हो गया दोनों एक अच्छी स्क्रिप्ट के साथ काम करने जा रहे हैं। आपको एक बात बता दें कि काफी समय से करण जौहर की फिल्में लगातार पिट रही हैं। फिल्म कलंक ने तो करण जौहर के निर्माता होने पर कलंक लगा दिया था जो थोड़ी कसर बाकि थी उसे फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 ने पूरी कर दी थी।

करण जौहर की इस फिल्म में दीपिका पादुकोण का किरदार बिलकुल अलग होगा। दीपिका पादुकोण ने इससे पहले पर्दे पर पद्मावती, मस्तानी जैसे करेक्टर को प्ले किया है और बखूबी निभाया है। अब देखना होगा कि बड़े बैनर में बन रही इस फिल्म में वो क्या नया लेकर आ रही हैं। फिल्म में लीड रोल में सिद्धांत चतुर्वेदी भी होंगे। सिद्धांत चतुर्वेदी इससे पहले फिल्म गली बॉय नें अपना स्वैग दिखा चुके हैं। लोगों और समीक्षकों ने काफी पसंद किया था। दोनों स्टार्स की इस फ्रेश जोड़ी को ऑनस्क्रीन देखने के लिए दर्शक भी बेताब है। दीपिका पादुकोण के काम की बात करें तो दीपू जल्द ही फिल्म छपाक और फिल्म 83 में नजर आने वाली हैं।

फिल्म 83 में रणवीर सिंह कपिल देव का किरदार निभा रहे हैं और दीपिका पादुकोण कपिल देव की पत्नी का रोल निभाएंगी। इसके अलावा फिल्म छपाक एसिड अटैक पीड़ित लड़की की सच्ची कहानी है।

आमिर खान का नया लुक हुआ वायरल

इंडस्ट्री के मिस्टर पर्फेक्शनिस्ट आमिर खान का फिल्म लाल सिंह चड्ढा का नया लुक सामने आया है। आमिर के तुर्की के रहने वाले एक फैन ने आमिर की जैसलमेर सेट से फोटो शेयर की है। फोटो में आमिर टोपी लगाए हुए, बड़ी दाढ़ी और बालों के साथ नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि हॉलीवुड फिल्म फॉरेस्ट गंप का ऑफीशियल रीमेक लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग जारी है। फिल्म में आमिर के अलावा करीना कपूर भी अहम भूमिका में हैं। कुछ ही दिनों पहले आमिर खान ने लाल सिंह चड्ढा का अपना फर्स्ट लुक जारी किया था। शेयर पोस्ट में आमिर बड़ी बड़ी आंखों के साथ एक हट्टे कट्टे सरदार के रूप में दिख रहे थे। इसके बाद हाल ही सेट से लीक फोटो में आमिर लंबी दाढ़ी और बालों के साथ टोपी लगाए नजर आ रहे हैं। लाल सिंह चड्ढा हॉलीवुड फिल्म फॉरेस्ट गंप की आधिकारिक हिंदी रीमेक है। ओरिजिनल फिल्म में मुख्य पात्र फॉरेस्ट का दिमाग कम काम करता है। फिर भी वह सफलता प्राप्त करता है और एक ऐतिहासिक पुरुष बन जाता है। लेकिन उसका सच्चा प्यार उसे छोड़ जाता है। फिल्म ने ऑस्कर के एक दर्जन नॉमिनेशन पाए थे और छह ऑस्कर अवॉर्ड्स जीते थे। टॉम हैंक्स को इसके लिए लगातार दूसरा बेस्ट एक्टर का ऑस्कर अवॉर्ड मिला था। फिल्म लेखक विन्सटन ग्रूम के 1986 में आए नॉवेल पर बेस्ड थी। हिंदी रीमेक में आमिर टॉम हैंक्स वाला किरदार निभाएंगे।